देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

गोण्डा सोमवार 25 सितम्बर 2023 वर्ष 39 अंक 39 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA–30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर–गोण्डा

मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

उमा भारती ने सत्ता में मांगी ओबीसी के लिए बराबर की हिस्सेदारी

भोपाल (ईएमएस)। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की फायर ब्रांड नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने अपनी ही पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वे सत्ता में बराबरी की हिस्सेदारी के साथ महिला आरक्षण बिल में ओबीसी आरक्षण फिक्स करने की मांग पर अड़ गई हैं। उन्होंने कहा है कि मध्यप्रदेश में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) बहुत बड़ी ताकत है। उसकी 60 प्रतिशत आबादी है। इसलिए, महिला आरक्षण बिल को हम ओबीसी महिला आरक्षण के बिना लागू नहीं होने देंगे। इसके लिए हमें जो कुछ भी करना पड़े, वो हम करेंगे। उमा भारती ने राजधानी में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) नेताओं के संग बैठक कर सख्त लहजे में कहा कि प्रदेश की 60 प्रतिशत आबादी को उनका हक दिलाकर रहूंगी। उन्होंने पार्टी से मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में महिलाओं को 50 प्रतिशत टिकट देने की भी मांग की। इसके लिए उन्होंने जल्द एक कमेटी बनाने की भी बात कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनपद गौतमबुद्धनगर में हरियाणा टेक्सटाइल्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमण्डल एवं निवेषकों से संवाद करते हुए।

चंद्रयान–3 और जी–20 की सफलता को पीएम मोदी ने बताया गौरवशाली

मन की बात

नईदिल्ली (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत ने अफ्रीकी संघ को जी–20 ब्लॉक का स्थायी सदस्य बनाकर अपने नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। रविवार को आकाशवाणी से 'मन की बात' कार्यक्रम में लोगों से अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने बताया कि सम्मेलन में प्रस्तावित भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक गलियारा भी वैश्विक व्यापार की आधारशिला बनने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने कहा कि जब भारत व्यापार–कारोबार का बहुत बड़ा माध्यम उस समय दुनिया में सिल्क रूट की चर्चा होती थी। आधुनिक दौर में भारत इंडिया–मिडिल ईस्ट–ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर और इकोनॉमिक कॉरिडोर के माध्यम से सैकड़ों वर्षों तक विश्व व्यापार का आधार बनने जा रहा है। कार्यक्रम के 105वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने चंद्रयान–3 की सफलता और जी–20 के शानदार आयोजन को गौरवशाली क्षण बताया। दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान -3 की सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' के लाइव–स्ट्रीमिंग वीडियो को 80 लाख से अधिक बार देखे जाने की उपलब्धि पर उन्होंने लोगों को बधाई दी। पर्यटन को रोजगार का बड़ा क्षेत्र बताते हुए प्रधानमंत्री ने 27 सितंबर को मनाये जाने वाले विश्व पर्यटन दिवस पर भारत विविधता दर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया ?कि भारत में अब वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स की संख्या 42 हो गई है। पीएम मोदी ने कहा कि जी–20 में एक लाख से ज्यादा प्रतिनिधि भारत आए जो यहां की विविधता, अलग–अलग परम्पराएं, भांति–भांति का खानपान और हमारी धरोहरों से परिचित हुए. यहां आने वाले प्रतिनिधि अपने साथ जो शानदार अनुभव लेकर गए हैं, उससे टूरिज्म का और विस्तार होगा। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने नैनीताल जिले के दर्शन भर गांवों में फैली अनोखी

घोड़ा लाइब्रेरी जिक्र करते हुए कहा कि दुर्गमतम इलाकों में भी इसके जरिए बच्चों तक निःशुल्क पुस्तकें पहुंच रही हैं।

पीएम मोदी ने राजस्थान के सुखदेव भट्ट जी और उनकी टीम द्वारा

भारत इंडिया–मिडिल ईस्ट–ईस्ट यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर और इकोनॉमिक कॉरिडोर को बताया विश्व व्यापार का आधार

जीव संरक्षण के लिए पुष्कर में किये गये कार्य को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि कोबरा नामक यह टीम खतरनाक सांपों का रेस्क्यू भी करती है। भारतीय संस्कृति और संगीत के वैश्वीकरण पर चर्चा करते हुए इंस्टाग्राम पर लोकप्रिय जर्मनी की 21वर्षीया कैसमी के बारे में बताया। डिजिटल टेक्नोलॉजी और ई–बुक्स के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने अभिभावकों से पुस्तकों के प्र ?ति बच्चों को प्रेरित करने को कहा। यूपी के सम्भल में सोत' नदी को पुनर्जीवित करने की को अनुपम बताते हुए उन्होंने जन–भागीदारी और सामूहिकता के संकल्प को अनुकरणीय बताया। गौरतलब है कि मन की बात कार्यक्रम पीएम मोदी को पूरे भारत से प्रेरक जीवन की कहानियां साझा करने, मौजूदा राष्ट्रीय घटनाओं पर चर्चा करने, उपलब्धियों को पेश करने का एक मंच मुहैया करता है।

गौरा विधायक ने सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य शिविर का किया उद्घाटन

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। छपिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के मौके पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पहुंचे गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने फीता काटकर स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया द्य उद्घाटन के बाद गौरा विधायक ने कहा कि मरीजों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है द्य सेवापखवाड़ा अंतर्गत रविवार को स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ो लाभार्थी को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई गई द्य स्वास्थ्य शिविर में लाभार्थियों को आवश्यक जांच, परामर्श, दवा वितरण, आदि किया गया। इस अवसर पर विधायक ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों से नियमित रूप से सेवा भाव से मरीजों को मेडिकल सहायता उपलब्ध कराने को कहा। सीएचसी पर विभिन्न काउंटरों का अवलोकन उपलब्ध सेवाओं व प्रगति के विषय में ष्ट।ष्ट अधीक्षक डॉक्टर अमित कुमार ने अपने संबोधन में जानकारी दी। इस अवसर पर, सरवन शुक्ला, विक्रम वर्मा, जितेंद्र पांडे, राजन सिंह, रामचंद्र वर्मा, जगदीश पटेल, जंक्शन तिवारी रामतौल, मस्तराम वर्मा, राधेश्याम, दुर्गा शर्मा, दाढ़ी पांडे, संजय, सुरेंद्र वर्मा, सहित अन्य गणमान्य जन, स्वास्थ्य कर्मी व लाभार्थी उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य शिविर का किया गया उद्घाटन

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। पंडरी कृपाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के मौके पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा जिला अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप व डॉक्टर पूजा जायसवाल ने फीता काटकर स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद भाजपा जिला अध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने कहा कि मरीजों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है द्य सेवा पखवाड़ा अंतर्गत रविवार को स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लाभार्थी को स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराई गई द्य स्वास्थ्य शिविर में लाभार्थियों को निशुल्क आयुष्मान कार्ड आवश्यक जांच, परामर्श, दवा वितरण, आदि किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों से नियमित रूप से सेवा भाव से मरीजों को मेडिकल सहायता उपलब्ध कराने को कहा द्य सीएचसी पर विभिन्न काउंटरों का अवलोकन उपलब्ध सेवाओं व प्रगति के विषय में सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर पूजा जायसवाल ने अपने संबोधन में जानकारी देते हुए बताया कि 17 सितंबर 2023 से 2 अक्टूबर 2023 तक चलने वाले सेवक पखवाड़े के तहत रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंडरी कृपाल में आयुष्मान कार्ड व निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कैंप का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर समस्त अधिकारी कर्मचारी तथा महेश तिवारी, राघवेंद्र ओझा, प्रिंस चौरसिया, सिद्धार्थ मिश्र, विकास शुक्ला सहित समस्त अधिकारी, कर्मचारी, लाभार्थी व भाजपा के पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

त्योहार पर महंगाई की मार

भोपाल (ईएमएस)। मसाले पर बढ़ती महंगाई सब्जी के स्वाद को फीका करने वाली है। तेल के दाम कम होने से तडक़ा तो लग रहा है, लेकिन मसाले की मात्रा घटने से दाल में जायका नहीं आ रहा है। दाल–चावल तो पहले ही महंगे थे, अब मसाले भी महंगे हो गए। त्योहार से पहले राशन पर बढ़े दाम ने रंग में भंग डालने का काम कर दिया।

व्यापारियों का कहना है कि मसाले के साथ साथ त्योहार पर उपवास के दौरान मेवा के दाम बढना लोगों को अखर रहा है। काजू, किसमिस, बादाम और मखाने पर 50 से 100 रुपये प्रतिकिलो की महंगाई दर्ज की गई।

–इन्होंने किया जायका फीका

खाने में जायका लाने वाले मसाले में शामिल लौंग, कालीमिर्च, डोंडे, इलाइची और जीरा का बढ़ते भाव लोगों के पसीना छुटाने का काम कर रहे हैं। खेरिज में लौंग का भाव बढक़र 1100 और काली मिर्च 760 से 800 रुए प्रतिकिलो तक जा पहुंची है। डोडा और जीरे के भावों में खासी तेजी आ चुकी है। इस महंगाई के पीछे व्यापारियों का कहना है कि मौसम का फसल पर बुरा प्रभाव बताया जा रहा है, इसके लिए मसाले की आवक कम हुई है। हालांकि कुछ व्यापारियों का कहना है कि फसल पर बुरा प्रभाव के साथ ही सट्टा बाजार गर्म हो चुका है। कारोबारियों ने माल का स्टाक करना शुरू कर दिया है, जिससे आवक कम होने से बाजार में भाव बढ़ गए हैं। जिसका असर सीधा मांग और आपूर्ति पर पड़ रहा है, क्योंकि मांग वही है पर आपूर्ति घटने से भाव बढने लगे हैं।

–त्योहारी सीजन में बढ़ी मांग

गणेश उत्सव पर लोग उपवास रखते हैं, जिसके चलते मेवा की मांग बाजार में बढ़ी है। इस मांग को देखते हुए मेवा के भाव में गर्मी आ गई। बादाम जहां 50 रुपये महंगा हुआ तो वहीं मखाने ने 100 रुपये की गर्मी पकड़ ली, जबकि छुआरा और नारियल के गोले के भाव में 30 से 50 रुपये टूटे हैं, जबकि घी में भी 50 रुपये का उछाल आया है।

–दाल रोटी महंगी तेल सस्ता

इस वक्त दाल रोटी महंगी हो चुकी है पर तेल के दाम नीचे आ गए हैं। जहां तुअर दाल 175 रुपये किलो जा पहुंची है तो वही आटे के दाम में भी इजाफा हुआ है।

सोनबरसा मनकापुर में नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत पचपन नव साक्षरों ने लिया हिस्सा

अलावल देवरिया (गोंडा)। नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को शिक्षा क्षेत्र मनकापुर के परीक्षा केंद्र कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा बक्सरा आज्ञाराम में %पचपन% नव साक्षरों ने हिस्सा लिया। परीक्षा का संचालन विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक बलजीत सिंह कनौजिया के देख रेख में सम्पन्न हुआ। जिन नव साक्षरों ने हिस्सा लिया उनमें हैं रामवती, साविरा देवी, सावित्री देवी, कुसुम देवी, मीनादेवी, पूजा, छविराजी, मालती, अनीता देवी, पिंकी यादव, छोटका देवी, प्रेमा, सरोज, राममूर्ति, अब्दुल जब्बार, अनूपा, संगीता, सुबेदार, रहीशुन निशा, राम लखन, सरोज देवी, सोनू देवी, ज्योति, जमीरुन निशा, संजू, संगीता देवी, संवारी देवी, रवीन्द्र कुमार, मनीषा, मंजू, धूपा देवी, विन्दू, राज कुमार, भवानी मौर्य, कलावती, माधुरी, सितारा, श्रीमती, आदि प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया इस अवसर पर अमन, मनीष, रिया, प्रभात, माधुरी, मनीषा, सुषमा, अर्चना, सेजल, मालती आदि बच्चों ने सहयोग किया।

हमारे घर श्याम आयें है ,हमारे घर श्याम आयें है ...

श्रीमद् भागवत कथा में हुआ कृष्णा जन्मोत्सव की लीला

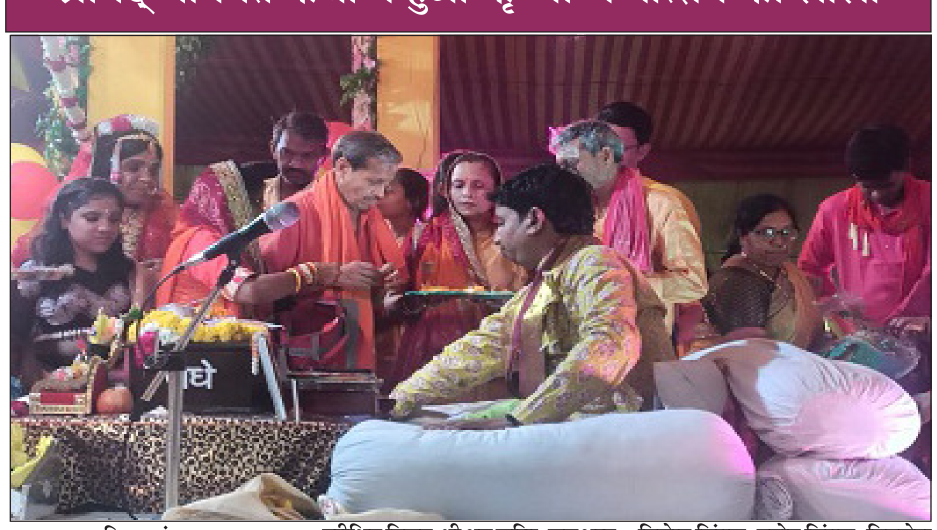

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा–रानी बाजार स्थित श्री राम जानकी मारवाड़ी धर्मशाला में चल रहें श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में शनिवार की देर शाम भगवान श्री कृष्ण जी के जन्मोत्सव की लीला नैमिषारण से आये कथा व्यास आचार्य श्री धनंजय जी महराज द्वारा कथा के माध्यम से दिखाई गई। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर श्रोताओं ने खूब नृत्य किया और खूब बधाई बांटी गई। जन्मोत्सव के पूर्व श्री शुकदेव परीक्षित मिलन, श्री धुव चरित्र, जड़ भरत चरित्र की कथा का वर्णन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन महावीर प्रसाद प्रमोद कुमार द्वारा किया गया है। श्रीमद् भागवत कथा 26 सितम्बर तक सांयकाल 3 बजें से 6 बजे तक चलेगा। कथा के समापन पर आरती हुई उसके बाद प्रसाद वितरण किया गया।और उधर गोंडा के श्याम मंदिर पर धूमधाम से केक काटकर राधा अष्टमी मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य यजमान रेनू –महेश सिंघल और सरिता – राज कुमार अग्रवाल के अलावा विजेन्द्र सिंघल, प्रमोद सिंघल, विमलेश सिंघल, अशोक अग्रवाल, श्याम सिंघल, अभिषेक सिंघल, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, सचिन सिंघल, सुमित सिंघल,,संजय सिंघल, कमलेश सिंघल, सुमित्रा देवी, द्रोपती देवी, सुनीता सिंघल ,प्रेमलता सिंघल ,मोहिनी सिंघल, सुप्रिया सिंघल, सुलोचना सिंघल, राधा सिंघल, उमा, अनीता सिंघल, जनक, सुधा, माया, श्रुति, कोमल, मानसी, प्रिया, अमिता, विजेता, कीर्ति, हिना, दीक्षा, संध्या ,गरिमा ,पुष्पा सिंघल सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहीं।

12 लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड वितरित किया गया

अरविंद कसौधन

उतरौला(बलरामपुर)–रविवार को विधायक राम प्रताप वर्मा के अध्यक्षता में उतरौला सीएचसी पर आयुष्मान भव मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान 12लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड वितरित किया गया और 5लाभार्थियों का नया कार्ड बनाया गया।

विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हमारी सरकार अन्य योजनाओं के साथ साथ लोगों के लिए स्वास्थ पर निरंतर बेहतर प्रयत्न कर रही है, सरकार के प्रयासों को बेहतर परिणाम यह साबित कर रहा है प्रदेश अपने बेहतर भविष्य के निर्माण की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर अजय मिश्रा बीएमसी, अनामिका गुप्ता, साथ में विधानसभा प्रमुख सुधीर श्रीवास्तव, अनूप चंद गुप्ता ,ग्राम प्रधान राम प्रसाद वर्मा , स्वास्थ अधीक्षक डा0 सी पी सिंह सभासद संतोष कसौधन, मनीष कौशल, अभिषेक गुप्ता, अल्ताफ खान, दुर्गेश बाल्मिकी, दुर्गा प्रसाद, राजेंद्र सैनी, शुभम कुमार, विकास गुप्ता, उपस्थित रहे।

एनटीपीसी टांडा में हुआ ड्रिप इरिगेशन प्रणाली का उदघाटन

त्रिगुट संवाददाता

अंबेडकरनगर। एनटीपीसी टांडा परियोजना में बीती शाम जल सरंक्षण हेतु ड्रिप इरिगेशन प्रणाली का उदघाटन परियोजना प्रमुख श्री बी. सी. पलेई द्वारा किया गया। यह सिंचाई की एक प्रणाली है जिसमें पानी को प्राकृतिक वर्षा की तरह स्प्रे के रूप में वितरित किया जाता है। इस तकनीक में पानी को पाइप के माध्यम से पंप करके पहुंचाया जाता है और फिर पूरे खेत में स्प्रे किया जाता है जिससे कम जल से अधिक क्षेत्र में आसानी से सिंचाई सम्भव हो जाती है। यह प्रणाली सभी प्रकार की खेती के लिए उपयुक्त है एवं उच्च दक्षता के साथ जल का समान वितरण भी करती है। इस प्रणाली के द्वारा जल की हानि न्यूनतम हो जाती है व वितरित जल का सटीक एवं आसान माप भी सम्भव हो पाता है यह प्रणाली पर्यावरण के मित्रवत है। इस अवसर पर एनटीपीसी टांडा परियोजना से अनेक वरिष्ठ कर्मचारी एवं अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन उप महाप्रबंधक (सिविल–टाउनशिप) श्री महीप कुमार की देखरेख में किया गया।

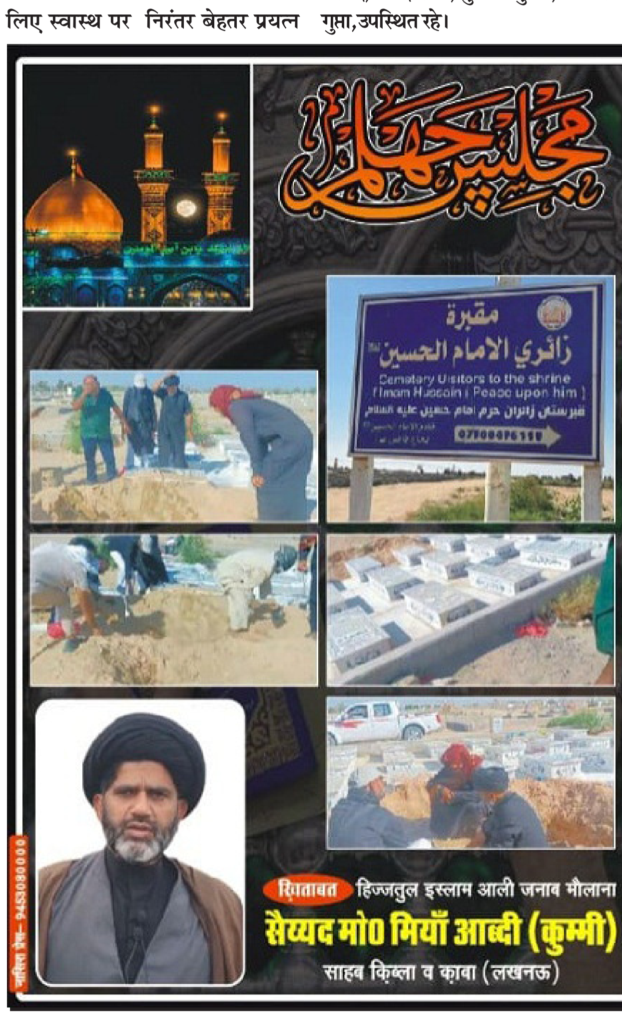

275 बच्चो को हाइजीन किट वितरण किया गया

निज संवाददाता

गोण्डा। जैनस एनिशियटिव्य के संस्थापक एवं वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ पंकज कुमार श्रीवास्तव ने कंपोजिट विद्यालय इमामबाड़ा में बच्चों में व्यक्तिगत स्वच्छता का शिविर आयोजन कर निःशुल्क 275 बच्चो को हाइजीन किट वितरण किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रश्मि वर्मा एवं श्रावस्ती के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एपी सिंह एवं विशिष्ट अतिथि नगर शिक्षा अधिकारी फिजा मिर्जा एवं अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ आदित्य वर्मा उपस्थित रहे जैनस एनिशियटिव्य के संस्थापक डॉ पंकज श्रीवास्तव ने कहा नगर के समस्त 27 प्राथमिक विद्यालयो में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाकर एवं हाइजीन किट वितरण कर स्वास्थ्य प्रति बच्चो को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है इसी अंतर्गत आज कंपोजिट विद्यालय इमामबाड़ा में डॉ पंकज ने कहा कि बच्चो को समय–समय पर हाथ धोना एव शारीरिक स्वच्छता पर अगर ध्यान दिया जाए तो बहुत सी गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रश्मि वर्मा ने डॉ पंकज के इस कार्य को सरहना करते हुए कहा कि अपने इस व्यस्त समय को निकाल कर समाज के लिए कार्य करना एक पुनीत कार्य है एवं बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि स्वच्छ शरीर पर स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है इस लिए स्कूलों में बच्चों को स्वच्छता पर प्रारंभिक शिक्षा दी जानी चाहिए ।अंत में नगर शिक्षा अधिकारी फिजा मिर्जा ने भी बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए बच्चों को जागरूक किया रेड क्रॉस सोसाइटी के मंडल अधिकारी कसीम सिद्दीकी ने भी व्यक्तिगत स्वच्छता और संचारी रोगों के रोकथाम के बारे में विस्तार से बताया इसके पश्चात कसीम सिद्दीकी ने डॉ पंकज श्रीवास्तव को अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया स्कूल के प्रधान ध्यापक समस तरबेज आब्दी ने डॉ रश्मि वर्मा को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र नगर पालिका के सभासद आजम अली ने नगर शिक्षा अधिकारी को सम्मानित किया प्रधानाध्यापक ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया रूबी बानो सिमी बानो शिक्षामित्र रईस फातिमा गुल फसा फातिमा अलीना ने कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रदान किया। जेनस इनीशिएटिव के कोऑर्डिनेटर आशीष श्रीवास्तव एकांश श्रीवास्तव का अहम योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

दो आटा चक्कियों पर छापा, 20 लाख की बिजली चोरी पकड़ी

हापुड़। विजिलेंस की छापेमारी में बृहस्पतिवार रात दो आटा चक्कियों पर 20 लाख की बिजली चोरी पकड़ी गई। दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। संबंधित बिजलीघर के अवर अभियंताओं को इसकी भनक तक नहीं लगी। प्रवर्तन दल के प्रभारी एसएसी यादव ने बताया कि बिजली चोरी रोकने के अभियान के तहत चेकिंग की गई। इसमें मुरादपुर निजामसर में सुरेश कुमार के यहां आटा चक्की चलती मिली। सघनता से जांच करने पर सीधे चोरी होती मिली। करीब 9.615 किलोवाट का भार बिजली चोरी कर चलाया जा रहा था। इसके अलावा राजेश पुत्र रामशरण के यहां भी आटा चक्की चलती मिली। जांच में 5.231 किलोवाट का लोड चलाया जाता मिला। दोनों ही प्रतिष्ठानों में करीब 20 लाख की चोरी होती मिली। इस पर विजिलेंस के अधिकारियों ने दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी है। बता दें कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चोरी हो रही है। लेकिन संबंधित क्षेत्र के अवर अभियंता व अन्य अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं है। पिछले दिनों जिलेभर के चले चैकिंग अभियान में बिजली निगम के कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध मिली थी।

किराना की दुकान में कूमल कर नकदी व सामान चोरी

हापुड़। थाना देहात क्षेत्र के गढ़ रोड स्थित एक किराना की दुकान में देर रात कूमल कर चोर करीब 15 हजार की नकदी व लाखों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालकर जांच की। हापुड़ देहात थाना में गढ़ रोड स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने ततारपुर निवासी हाजी कालू खान की चौधरी किराना स्टोर के नाम से दुकान है। बृहस्पतिवार की रात हाजी कालू खान दुकान का ताला लगाकर घर चले गए थे। शुक्रवार की सुबह दुकान पर पहुंचे तो देखा कि सामान बिखरा हुआ है। दुकान के पिछले हिस्से में दीवार में कूमल कर चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी। दुकान संचालक का कहना है कि चोरों ने इस दौरान करीब सवा लाख रुपये की चोरी की है। इसमें काजू, पिस्ता, बादाम, घी, तेल, सिगरेट आदि सामान शामिल है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। लोगों ने गश्त बढ़ाने की मांग की है। हालांकि पास ही डीएम आवास स्थिति है, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं है। देहात थाना प्रभारी दिलीप कुमार बिष्ट का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर घटना के जल्द खुलासे का प्रयास किया जाएगा।

10 करोड़ से बदलेंगे जर्जर तार और खंभे

गोरखपुर। नगर में जर्जर तार और खंभों से जल्द निजात मिलने वाली है। वहीं ओवरलोड की समस्या भी जल्द दूर होगी। बिजनेस प्लान के अंतर्गत ऊर्जा निगम द्वारा 10 करोड़ से विद्युतीकरण के कार्य कराए जाएंगे। इससे उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति मिलेगी। जिले में विद्युत व्यवस्था में सुधार के लिए रिवैंप योजना शुरू हुई थी। जिसके अंतर्गत डिवीजन के 18 बिजली घरों को 40 करोड़ की पहली किस्त प्राप्त हो चुकी है। योजना के तहत कार्य भी शुरू हो गए हैं। इसके अलावा जो कार्य इस योजना से बच गए थे, उन्हें बिजनेस प्लान में शामिल किया गया है। इसके लिए शासन से 10 करोड़ रुपये मिल गए हैं। योजना के तहत ओवर लोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जाएगी, वहीं जर्जर तार खंभे भी बदले जाएंगे। आगामी गर्मियों से पहले ही ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि हो जाएगी। अधिशासी अभियंता मनीष कुमार यादव ने बताया कि बिजनेस प्लान योजना को स्वीकृति मिल गई है। दस करोड़ से जल्द ही योजना में शामिल कार्य शुरू हो जाएंगे। जिसके बाद उपभोक्ताओं को बिजली कटौती से निजात मिलेगी।

एंबुलेंस का फटा टायर, बचा हादसा

गढ़मुक्तेश्वर। बहादुरगढ़ क्षेत्र से मरीज को लेकर गढ़ अस्पताल जा रही 102 एंबुलेंस का अचानक से टायर फट गया, जिससे एंबुलेंस पलटने से बच गई। राष्ट्रीय मानव सेवा संगठन राष्ट्रीय प्रवक्ता विकार अहमद ने बताया कि शुक्रवार को वह किसी काम से पलवाड़ा की तरफ जा रहे थे। तभी रास्ते में अचानक से एक एंबुलेंस का टायर फटने की तेज आवाज आई। उन्होंने बताया कि टायर फटने के दौरान एंबुलेंस पलटने से बड़ा हादसा हो सकता था, लेकिन गनीमत रही कि कोई हादसे नहीं हुआ। इस दौरान एंबुलेंस में एक आशा कार्यकर्ता अपने साथ दो महिलाओं को गढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए ले जा रही थी, टायर फटने के बाद एंबुलेंस से नीचे उतर गए और सड़क किनारे बैठ गए। एंबुलेंस चालक महेंद्र पाल ने बताया कि एंबुलेंस में कोई स्टेपनी भी नहीं है। दूसरी एंबुलेंस के आने के इंतजार में करीब आधा घंटे तक मरीज बैठे रहे। सीएचसी अधीक्षक डॉ. दिनेश भारती का कहना है कि एंबुलेंस की देखरेख करने वाले अधिकारी को पत्र भेजकर समुचित व्यवस्था कराए जाने के निर्देश दिए जाएंगे।

साड़ी का झूला बनाकर झूल रहे मासूम के गले में फंसा फंदा, छत पर मामी देख चिल्लाई, तब तक हो चुकी थी देर

झांसी। चीख-पुकार सुनकर अन्य परिजन अटारी पहुंचे। राज के गले से फंदे को अलग किया और जिला अस्पताल लेकर आए। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में साड़ी का झूला बनाकर झूल रहे मासूम की गले में फंदा फंसने से मौत हो गई। वह अपने ननिहाल में ग्राम रजवारा में आया था। मध्य प्रदेश के अशोक नगर अंतर्गत ग्राम सकवारा निवासी मनोज रैकवार का दस वर्षीय पुत्र राज अपनी मां के साथ ग्राम रजवारा में अपने नाना हरगोविंद के यहां कुछ दिन पूर्व आया था। बृहस्पतिवार को राज अटारी में डले साड़ी के झूले पर अकेला झूल रहा था। परिजन नीचे घरेलू कार्य कर रहे थे। दोपहर के समय राज की मामी अटारी पर पानी लेने के लिए गई तो वहां भांजे राज का गला साड़ी से फंसा देखा। यह देखकर वह चिल्लाई। चीख-पुकार सुनकर अन्य परिजन अटारी पहुंचे। राज के गले से फंदे को अलग किया और जिला अस्पताल लेकर आए। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हरीशंकर चंद ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जो भी तथ्य निकलकर सामने आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

दोस्त के साथ पार्टी मनाने गए युवक की मौत, हत्या का आरोप

झांसी। अपने दोस्त के साथ पार्टी मनाने गए युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। शुक्रवार सुबह परिजन उसके अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटे थे। तभी उसके सिर एवं शरीर पर चोट के निशान मिले। इस पर परिजनों ने पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। परिजन युवक की हत्या का आरोप लगा रहे हैं। नवाबाद के मौनी बाबा मोहल्ला निवासी आनंद उर्फ शालू अहिरवार (30) पुत्र कैलाश अहिरवार प्राइवेट काम करता था। परिजनों के मुताबिक बृहस्पतिवार को आनंद अपने दोस्त नरेंद्र के साथ पार्टी करने निवाड़ी गया था। नरेंद्र के साथ दो-तीन युवक भी थे। आधी रात के बाद नरेंद्र ने फोन करके बताया कि आनंद की तबीयत खराब हो गई है। नरेंद्र उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचा लेकिन, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तब तक आनंद के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए थे। इसके बाद परिजन आनंद का शव लेकर घर लौट आए। शुक्रवार की सुबह आनंद के अंतिम संस्कार की तैयारियां चल रही थीं। इसी दौरान परिजनों को आनंद के सिर पर चोट के कई निशान दिखाई दिए। सिर पर खून भी लगा हुआ था। शरीर पर भी चोट के कई निशान मिले। ऐसे में हत्या की आशंका जताते हुए परिजनों ने पुलिस बुला ली। मौके पर पहुंची नवाबाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। परिजन आनंद की हत्या का आरोप लगा रहे हैं। नवाबाद थाना प्रभारी तुलसी राम पांडेय का कहना है कि घटनास्थल निवाड़ी का है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। अभी परिजनों ने तहरीर नहीं दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत की सही वजह सामने आएगी।

महिला ने किरायेदारों पर लगाया सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, कार्रवाई के लिए भटक रही है पीड़िता

कानपुर। थाना प्रभारी रोहित तिवारी ने बताया कि सूचना पर चौकी इंचार्ज को भेजकर जांच कराई गई थी। मामला महिलाओं के विवाद का सामने आया। सामूहिक दुष्कर्म का आरोप जांच में गलत पाया गया है। कानपुर के नवाबगंज में किराये के मकान में रहने मैट्रो में ठेकेदार की पत्नी ने पड़ोसी किरायेदारों पर घर में घुसकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार बीते 14 सितंबर को उनके दोनों बच्चे स्कूल गए थे। पति भी काम पर निकल गए। इस बीच एक किरायेदार की पत्नी ने उनके घर का दरवाजा खटखटाया। जब उन्होंने दरवाजा खोला, तो दो अन्य किरायेदार नशे की हालत में घर के अंदर घुस आए। आरोप है कि महिला किरायेदार बाहर चली गई। इसके बाद दोनों आरोपियों ने उनको मुंह दबाकर उनसे दुष्कर्म किया। इसके बाद कहीं शिकायत करने पर हत्या की धमकी देकर चले गए। पीड़िता के अनुसार उन्होंने पति के साथ थाने पहुंचकर घटना की जानकारी दी तो पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों आदि की जांच के नाम पर उन्हें शाम तक थाने में बैठाए रखा। मेडिकल तक के लिए नहीं भेजा। इसके बाद बिना किसी कार्रवाई के चलता कर दिया गया।

मुझे लिंग परिवर्तन करना है, यूपी पुलिस की पांच महिला सिपाही बनना चाहती हैं पुरुष, डीजी आफिस में लगाई अर्जी

बस्ती। उत्तर प्रदेश पुलिस की पांच महिला सिपाही अब पुरुष बनना चाहती हैं। इसके लिए उन्होंने डीजी आफिस में प्रार्थना पत्र देकर लिंग परिवर्तन की इजाजत मांगी है। पुलिस अफसर भी ऊहापोह में हैं। गोरखपुर सहित अन्य जिलों के एसपी को पत्र भेजकर काउंसलिंग कराने को कहा गया है। यूपी पुलिस की पांच महिला सिपाहियों ने डीजी आफिस में प्रार्थना पत्र देकर लिंग परिवर्तन की अनुमति मांगी है। इनमें गोरखपुर में तैनात एक महिला सिपाही का भी नाम है।

पुलिस महकमे में पहली बार इस तरह का मामला सामने आने के बाद अफसर भी परेशान हैं। वे अब इसका रास्ता खोजने में लगे हैं। खबर है कि हाईकोर्ट ने ऐसे ही एक प्रकरण में इसे संवैधानिक अधिकार बता दिया है। हालांकि, डीजी आफिस से इन महिला सिपाहियों के तैनाती वाले जिले के पुलिस कप्तानों को पत्र जारी कर काउंसिलिंग कराए जाने को कहा गया है। पांच में से एक महिला सिपाही सोनम गोरखपुर में तैनात हैं। इसके अलावा गोंडा, सीतापुर में तैनात महिला सिपाहियों ने भी आवेदन किया है। सोनम ने बताया कि डीजी आफिस में प्रार्थना पत्र दी हूं। मुझे बुलाकर पूछा भी गया है। मेरा जेंडर डिस्फोरिया है। इसका सर्टिफिकेट भी आवेदन में लगाया है। फिलहाल, इस मामले में लखनऊ मुख्यालय से अभी कोई फैसला नही आया है। अगर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो जेंडर चेंज कराने के लिए हाईकोर्ट में भी गुहार लगाऊंगी। अयोध्या की रहने वाली सोनम बताती हैं कि यूपीपी में 2019 में उनकी नौकरी लगी। उनकी पहली तैनाकी गोरखपुर में ही है। लिंग परिवर्तन के लिए फरवरी 2023 से दौड़-भाग शुरू की। इसके बाद से वह गोरखपुर में एसएसपी, एडीजी फिर मुख्यालय तक जा चुकी हैं। सोनम के मुताबिक, पढ़ाई के दौरान ही उनका हार्मोंस चेंज होने लगा था। अब मैं पुरूष बनना चाहती हूं।

दिल्ली के डॉक्टर ने भी दी सलाह

सोनम ने बताती हैं कि सबसे पहले उन्होंने दिल्ली में एक बड़े डॉक्टर से कई चरणों में काउंसिलिंग करवाई। इसके बाद डॉक्टर ने पाया कि उन्हें जेंडर डिस्फोरिया है। डॉक्टर की रिपोर्ट को आधार बनाकर उन्होंने लिंग परिवर्तन करने की अनुमति मांगी है। अनुमति मिलते ही वह जेंडर चेंज करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएंगी।

बाइक से चलती हैं, स्कर्ट पहनना लगता था अटपटा

सोनम का हाव-भाव और व्यवहार पुरुषों जैसा हो गया है। वह बाल और पहनावे को भी पुरुषों की तरह ही रखती हैं। पल्सर बाइक से चलती हैं। पैंट-शर्ट पहनकर ऑफिस आती हैं। इसके अलावा वह बुलेट भी चलाती हैं। वह बताती हैं कि जब स्कूल जाती थीं, तब उन्हें स्कर्ट पहनना या लड़कियों की तरह अन्य कोई भी काम करना अटपटा लगता था।
स्कूल में उनकी चाल-ढाल की वजह से कई लोग उन्हें लड़का कहते थे। यह उन्हें अच्छा लगता था। बकौल सोनम, शुरू से ही खुद को कभी लड़की की तरह स्वीकार नहीं किया। स्कूल में खेलकूद होता था तब उनकी क्लास में पढ़ने वाली लड़कियां खो-खो या फिर अन्य लड़कियों वाले गेम खेलने के लिए कहती थीं, तब वह अकेली लड़की थी जो क्रिकेट खेलने की जिद करती थीं।

हाईकोर्ट के फैसले से जगी उम्मीद, बोलीं-वह भी जाएंगी कोर्ट

सोनम ने बताया कि उनकी तरह ही गोंडा की महिला सिपाही ने भी लिंग परिवर्तन कराने के लिए हाईकोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया है। उसकी याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि लिंग परिवर्तन कराना संवैधानिक अधिकार है। अगर आधुनिक समाज में किसी व्यक्ति को अपनी पहचान बदलने के इस अधिकार से वंचित करते हैं या स्वीकार नहीं करते हैं तो हम सिर्फ लिंग पहचान विकार सिंड्रोम को प्रोत्साहित करेंगे। हाईकोर्ट ने यूपी के डीजीपी को महिला कांस्टेबल के आवेदन को निस्तारित करने का निर्देश दिया है। इस निर्णय से अब सोनम को उम्मीद है कि उन्हें भी न्याय मिलेगा। (महिला सिपाही का नाम काल्पनिक है)

तीन साल की बच्ची से दस साल के चचेरे मामा ने की दरिंदगी

गोरखपुर। गोरखपुर से रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक खबर सामने आई है। यहां तीन साल की बच्ची से दस साल के चचेरे मामा ने दुष्कर्म किया। परिवार ने पहले मामले को दबाने का प्रयास किया, लेकिन पहले गांव में पंचायत हुई फिर दो दिन बाद शुक्रवार को थाने में केस दर्ज कराया गया। गोरखपुर के जगतबेला क्षेत्र के एक गांव में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी की उम्र महज 10 साल है और रिश्ते में बच्ची का चचेरा मामा लगता है। आरोप है कि बुधवार को बच्ची से दुष्कर्म किया गया। पहले तो गांव में दो दिन तक पंचायत चली। फिर शुक्रवार को पीड़िता की मां ने चिलुआताल थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस आरोपी को थाने लाई तो वह रोने लगा।

शुरुआती जांच में आपसी रंजिश सामने आ रही है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित के पिता की मौत हो चुकी है। इस वजह से उसकी मां मायके में रहती है। आरोप है कि चचेरे भाई के 10 साल के बेटे ने बुधवार की रात में बच्ची को अकेला पाकर दुष्कर्म किया। बच्ची के शोर मचाने पर गई तो वह बच्ची के साथ हैवानियत कर रहा था। लेकिन, इसके बाद मामला घरवालों के संज्ञान में आया तो दबाने की कोशिश की गई। गांव में पंचायत के बाद मामला शांत हो गया था, लेकिन शुक्रवार को शाम बच्ची की मां ने डायल 112 पर दुष्कर्म की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंच गई। पीड़िता का मेडिकल कराया गया है, उसमें कुछ पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता की मां ने आरोपी की उम्र को 12 साल बताया है। पुलिस उम्र का भी सत्यापन कर रही है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। आरोपी बच्चा है। मेडिकल कराया गया है। शुरुआती जांच में मामला संदिग्ध लग रहा है। जांच व मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।- मनोज अवस्थी, एसपी नार्थ

झूला झूलते समय कक्षा चार के छात्र के गले में लगा फांसी का फंदा, अस्पताल में डॉक्टर ने बताया मृत

झांसी। मध्य प्रदेश के अशोक नगर अंतर्गत ग्राम सकवारा निवासी मनोज रैकवार का दस वर्षीय पुत्र राज अपनी मां के साथ ग्राम रजवारा में अपने नाना हरगोविंद के यहां कुछ दिन पूर्व आया था। नाना-नानी के यहां आए कक्षा चार में पढ़ने वाले दस वर्षीय छात्र अटारी पर डले साड़ी के झूले पर झूलते समय साड़ी के फंदे में फंस गया जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मध्य प्रदेश के अशोक नगर अंतर्गत ग्राम सकवारा निवासी मनोज रैकवार का दस वर्षीय पुत्र राज अपनी मां के साथ ग्राम रजवारा में अपने नाना हरगोविंद के यहां कुछ दिन पूर्व आया था। बृहस्पतिवार को राज अपने नाना नानी के घर अटारी में डले साड़ी के झूले पर अकेला झूल रहा था जबकि अन्य परिजन नीचे घरेलू कार्य करने में जुटे थे। दोपहर के समय जब राज की मामी अटारी पर पानी लेने के लिए गई तो यहां झूले की साड़ी के फंदे में भांजे राज का गला फंसा देखा। चीख पुकार सुनकर अन्य परिजन अटारी में पहुंचे। आनन फानन में राज के गले में फंसे फंदे को अलग किया और जिला अस्पताल लेकर आए। यहां चिकित्सकों ने राज के शरीर का परीक्षण करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक राज कक्षा चार का छात्र था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने मौत का कारण साड़ी के झूला पर झूलते समय गले में फंदा लग जाने से मौत हो जाने की बात बताई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हरीशंकर चंद ने बताया कि दस वर्षीय किशोर के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

वहीं मौत के कारण की जांच कराई जा रही है। जो भी तथ्य निकलकर सामने आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी

डीएम ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

हापुड़। स्वच्छता से ही सेवा कचरा मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जिला मुख्यालय के सभागार में डीएम प्रेरणा शर्मा ने सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कुछ समय निकालकर श्रमदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी को साल में 100 घंटे, सप्ताह में दो घंटे श्रमदान कर स्वच्छता करने की शपथ दिलाई। घर, गली, कार्य स्थल, गांव और देश को स्वच्छ बनाने का संकल्प दिलाया। खुद गंदगी न करने, अन्य को भी न करने देने का संकल्प भी दिलाया। जिला पंचायत राज अधिकारी विरेंद्र सिंह ने स्वच्छता ही सेवा कार्य क्रम की जानकारी दी। इस अवसर पर सीएमओ डा सुनील त्यागी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डा प्रमोद कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

पितृपक्ष- शुभ के लिए पहले ही तैयारी..आभूषणों की कर रहे खरीदारी

गोरखपुर। श्राद्ध पक्ष को लेकर लोगों में यह धारणा बनी हुई कि यह अशुभ समय होता है। इस दौरान कोई नई चीज नहीं खरीदनी चाहिए।

ऐसी भी मान्यता है कि पितृपक्ष में खरीदे गए सामान पितरों को समर्पित होता है, जिसका उपयोग करना अनुचित है। पितृपक्ष से पहले लोगों ने लगन की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। 29 सितंबर, शुक्रवार से पितृपक्ष शुरू होकर 14 अक्तूबर तक रहेगा। इस दौरान 15 दिन पितृपक्ष में लोग नई खरीदारी नहीं करते हैं। चूंकि नवंबर से ही शुभ लग्न शुरू हो रहा है, इसलिए शादियों से पहले शुभ कामों के लिए अभी से ही छोटे आभूषण जैसे, बिछिया, झुमके, अंगूठी, नथुनी समेत अन्य की खरीदारी कर रहे हैं। उनका मानना है कि विवाह के लिए खरीदारी की शुरुआत इससे हो जाएगी। बहन की शादी के तैयारियों में जुटी शिवांगी श्रीवास्तव बृहस्पतिवार को गोलघर बाजार गई थीं। बताया कि पितृपक्ष को देखते हुए अभी से खरीदारी कर शुभ कर दिया गया है। इससे अगर पितृपक्ष में भी खरीदारी करनी पड़ी तो दिक्कत नहीं होगी। दरअसल, इस बार 23, 24, 27, 28 और 29 नवंबर व 5, 6, 7, 8, 9, 11 और 15 दिसंबर को विवाह के शुभ मुहूर्त हैं। ऐसे में लोग पहले से ही तैयारियों को पूरी कर रहे हैं।

श्राद्ध पक्ष लोग मानते हैं अशुभ

श्राद्ध पक्ष को लेकर लोगों में यह धारणा बनी हुई कि यह अशुभ समय होता है। इस दौरान कोई नई चीज नहीं खरीदनी चाहिए। ऐसी भी मान्यता है कि पितृपक्ष में खरीदे गए सामान पितरों को समर्पित होता है, जिसका उपयोग करना अनुचित है। क्योंकि वह प्रेत का अंश होता है। ऐसे में लोग इस प्रथा को तोड़ते हुए पहले से ही खरीदारी कर शुभ कर रहे हैं।
निदेशक ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स वैभव सराफ ने कहा कि खरीदार इन दिनों पितृपक्ष से पहले ही अपने शुभ नक्षत्रों की खरीदारी करने लगे हैं। जिन्हें शादी के लिए या किसी शुभ के लिए आभूषणों की खरीदारी करनी है और समय का अभाव है तो लोग पहले ही छोटे आभूषणों से खरीदारी शुरू कर शुभ कर दे रहे हैं। गोयल ज्वेल्स पंकज गोयल ने कहा कि पितृपक्ष में खरीदारी से लोग परहेज करते हैं। नवंबर और दिसंबर में शादी के लिए 12 मुहूर्त हैं। ऐसे में लोग पहले से ही खरीदारी कर अपनी तैयारियां करना चाह रहे हैं। इससे पितृपक्ष में भी खरीदारी कर सकेंगे।

27 महीने के संघर्ष के बाद राजेश से सोनिया पांडे बना था ये रेलवे कर्मचारी, कहानी भी है दिलचस्प

गोरखपुर। लिंग परिवर्तन के आधार पर पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल में कार्यरत राजेश कुमार अब यहां सोनिया पांडे के नाम से नौकरी कर रही हैं। सोनिया ने महिला होने के अधिकार की लड़ाई 27 महीने तक लड़ी थी। उत्तर प्रदेश पुलिस महकमे में लिंग परिवर्तन का मामला भले ही पहली बार आया है, लेकिन रेलवे में मार्च 2020 में इस तरह का मामला सामने आ चुका है। 27 महीने के संघर्ष के बाद पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल में कार्यरत राजेश कुमार को सोनिया पांडेय का दर्जा दे दिया गया था। राजेश उर्फ सोनिया पांडेय की कहानी भी दिलचस्प है। पिता रेलकर्मी थे, उनकी मृत्यु के बाद 2013 में मृतक आश्रित कोटे पर राजेश की नौकरी लग गई। इज्जतनगर के मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय में कार्यरत तकनीकी ग्रेड-एक के पद पर तैनाती मिली। सोनिया की बड़ी चार बहने हैं।

सोनिया का कहना था कि मेरी मर्जी के खिलाफ 2012 में शादी हुई। मेरे अंदर महिलाओं जैसे व्यवहार आने लगे। पहले तो बहुत परेशान हुई, लेकिन निर्णय लिया कि लिंग परिवर्तन कराऊंगी। मैंने पत्नी को समझाया और हम मर्जी से अलग हो गए। पत्नी से तलाक लेने के बाद दिल्ली में डॉक्टर से मिली तो उन्होंने सर्जरी करवाकर लिंग परिवर्तन की सलाह दी। पहले तो घरवाले तैयार नहीं थे। उन्हें बहुत समझाना पड़ा। फिर समाज का ताना अलग से। लेकिन मैं टूटी नहीं। मानसिक रूप से खुद को मजबूत किया। इसमें दोस्तों ने मदद की। 10 दिसंबर 2017 को सर्जरी करवाकर वापस बरेली आ गई। लिंग परिवर्तन के लिए रेलवे में आवेदन किया। यह मामला मुख्यालय गोरखपुर महाप्रबंधक कार्यालय आया। यहां से रेलवे बोर्ड से सुझाव मांगा गया। रेलवे बोर्ड के सुझाव आने के बाद फरवरी 2018 में रेलवे ने राजेश के पास और मेडिकल कार्ड पर लिंग के रूप में महिला दर्ज कर दिया।

10 दिसंबर 2017 में करवा ली सर्जरी

सोनिया के मुताबिक पत्नी से तलाक लेने के बाद दिल्ली में सेक्सोलॉजिस्ट से मिली तो उन्होंने सर्जरी करवाकर लिंग परिवर्तन की सलाह दी। पहले तो घरवाले तैयार नहीं थे। उन्हें बहुत समझाना पड़ा। फिर समाज का ताना अलग से। लेकिन मैं टूटी नहीं। मानसिक रूप से खुद को मजबूत किया। इसमें दोस्तों ने मदद की। 10 दिसंबर 2017 को सर्जरी करवाकर वापस बरेली आ गई। फरवरी के पहले सप्ताह में रेलवे ने राजेश के पास और मेडिकल कार्ड पर लिंग महिला दर्ज कर दिया।

मेडिकल बोर्ड से हुई राह आसान

सोनिया के मुताबिक मेडिकल बोर्ड की जांच से उनकी राह आसान हुई। पहले तो अधिकारियों ने मना कर दिया था। मेडिकल रिपोर्ट में पाया गया कि उनमें भौतिक रूप से जेंडर डिस्फोरिया (एक लिंग से दूसरे लिंग की चाह) है। ऐसा हार्मोन के बदलाव से होता है।

बैंक अकाउंट नहीं खुला

लिंग परिवर्तन के बाद सोनिया के सामने कई संकट खड़े हो गए। उनका बैंक अकाउंट, आधार कार्ड में राजेश पांडे नाम था। वे बताती हैं, मैं अपना पर्सनल बैंक अकाउंट खोलना चाहती थी। काफी कोशिश के बाद आधार कार्ड में नाम बदल गया है लेकिन मेरे एकाउंट वाले खाते में राजेश पांडे वाला आधार लिंक है। बैंक में जब आवेदन किया तो कैंसिल कर दिया गया। बताया गया कि एक ही फिंगर प्रिंट से दो नाम शो कर रहा है।

घर से लापता बच्ची का नाले में मिला शव, पिता ने जताई हत्या की आशंका

गोरखपुर। परिजनों की तहरीर पर पुलिस गुरुवार की रात से ही अपहरण का केस दर्ज कर जांच में जुटी थी। इस बीच, शुक्रवार की सुबह सफाईकर्मी ने नाले में बच्ची के शव को देखा। बच्ची के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। गोरखपुर जिले में तिवारीपुर इलाके के अंधियारी बाग में घर से लापता सात साल की बच्ची की लाश शुक्रवार की सुबह नाले में मिली। परिवारवालों की तहरीर पर पुलिस बृहस्पतिवार की रात से ही अपहरण का केस दर्ज कर जांच में जुटी थी। इस बीच, शुक्रवार की सुबह सफाईकर्मी ने नाले में बच्ची के शव को देखा। बच्ची के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। वहीं, पिता ने बच्ची की हत्या का आरोप लगाया है।

जानकारी के मुताबिक, बस्ती जिले के रहने वाले संतोष कुमार मद्धेशिया तिवारीपुर इलाके के अंधियारी बाग में आठ साल से किराए के घर में परिवार संग रहते हैं। संतोष रेती रोड स्थित एक कपड़े की दुकान पर काम करते हैं। परिवार में पति-पत्नी के अलावा दो बेटियां और दो बेटे थे। दूसरे नंबर की बेटी काव्या (7 वर्ष) सूर्य विहार स्थित एक प्राइवेट स्कूल में एलकेजी में पढ़ती थी। संतोष ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात परिवार के सभी लोग घर में थे। इस बीच रात करीब आठ बजे काव्या अचानक घर से खेलते हुए बाहर निकल गई। काव्या ने उस वक्त सिर्फ अंडरवियर और बनियान पहन रखा था। काफी देर बीत जाने के बाद जब वह घर नहीं पहुंची तो परिवार के लोग तलाश करने लगे। हर तरफ पता करने के बाद भी जब देर रात तक कोई सुराग नहीं लगा तो रात 11 बजे इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने केस दर्ज कर सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो उसमें बच्ची अकेले जाते हुए नजर आई थी। पुलिस अभी जांच में जुटी थी कि शुक्रवार की सुबह नगर निगम का सफाईकर्मी नाले की सफाई करने पहुंचा। संतोष के घर से कुछ दूरी पर ही एक मकान के सामने नाले में बच्ची की लाश देखकर सफाईकर्मी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने संतोष को भी बुला लिया। उन्होंने शव की पहचान काव्या के रूप में की। दो-ढाई फिट गहरे नाले में बच्ची डूबकर नहीं मर सकती। नाले में करीब डेढ़ फिट से अधिक मिट्टी है। बच्ची की हत्या की गई है। - संतोष कुमार मद्धेशिया, पिता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक शव पर कहीं चोट के निशान नहीं मिले हैं। बच्ची के फेफड़े में पानी भर गया था। इससे डूबने से मौत की पुष्टि हुई है।- कृष्ण कुमार बिश्नोई, एसपी सिटी।

तेरह साल बाद किसी हस्ती को बीयू देगा मानद उपाधि

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय 13 साल बाद फिर से मानद उपाधि देने जा रहा है। 30 सितंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह में अहमदाबाद स्थित इसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के निदेशक नितिन देसाई को ये उपाधि दी जाएगी। इससे पहले बीयू पूर्व प्रधानमंत्री से लेकर फिल्म अभिनेता तक को ये उपाधि दे चुका है। केंद्रीय मंत्री रहे रामविलास पासवान ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से परास्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। साथ ही उन्हें मानद उपाधि भी बीयू ने दी थी। मगर मानद उपाधि की सूची में सबसे बड़ा नाम पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह का शामिल है। हालांकि, उन्हें निवास स्थान पर जाकर यह उपाधि दी गई थी। इसके अलावा महानायक अमिताभ बच्चन को भी बीयू ने डॉक्टरेट ऑफ साइंस की उपाधि से नवाजा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी को भी ये उपाधि बीयू दे चुका है। इसी तरह, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे प्रो. एआर किदवई, हरियाणा के गवर्नर रहे बाबू परमानंद, एमपी के राज्यपाल रहे भाई महावीर, झांसी के प्रथम सांसद राघुनाथ विनायक धूलेकर, पूर्व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री सुशीला नय्यर, यूजीसी चेयरमैन रह चुके प्रो. हरि प्रताप गौतम, लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष रहे माताप्रसाद, पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद, जापान यूनिवर्सिटी के चांसलर रहे दायसाकू ईकेटा को भी बीयू द्वारा मानद उपाधि से नवाजा जा चुका है। इसके अलावा कई वैज्ञानिकों को भी डॉक्टरेट की उपाधि मिल चुकी है। अंतिम बार दो जनवरी 2009 को हुए दीक्षांत समारोह में राजनायिक रहे नरेंद्र सिंह सरीला को बीयू ने ये उपाधि दी थी। फिर 13 साल तक बीयू ने किसी को भी मानद उपाधि नहीं दी। इस दीक्षांत समारोह में बीयू फिर से मानद उपाधि देने जा रहा है।

पत्नी से रातभर दरिंदगी; बेटा- मेरे मरने के बाद थाने जाना और वीडियो दिखा देना

बस्ती। रुधौली कांड में दिल दहला देने वाली जानकारियां पुलिस को मिली हैं। बुधवार की रात पति नशे में धुत था। मगर दरिंदे नशे में भी सजग थे। बारी-बारी से उसकी पत्नी को हवस का शिकार बनाते गए। काली रात खत्म हुई। नई सुबह हुई, लेकिन यह घटना कभी न भूलने बिसरने वाली बन गई। पति के शराब की खुमारी उतरी तो उसे एहसास हुआ कि जीवन संगिनी के साथ बहुत गलत हो गया। बस्ती की नगर पंचायत रुधौली इलाके में बिचौलिए के दबाव में जहर खाने वाले दंपती में पत्नी ने भी शुक्रवार को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। पति की बृहस्पतिवार को ही मौत हो गई थी। महिला की मौत के बाद एक वीडियो सामने आया। इसके बाद पुलिस ने आनन-फानन बिचौलिए समेत दो पर सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी कर ली। पुलिस दोनों से दुष्कर्म के अलावा जमीन और बिचौलिए की रकम के संबंध में पूछताछ कर रही है। वीडियो में पति-पत्नी ने उन बिचौलियों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया है, जिन दोनों ने उसकी जमीन बेचवा कर रकम हड़प ली है। जहर खाने के बाद वीडियो में पति बता रहा है कि आदर्श सिंह और त्रिलोकी ने उसकी पत्नी के साथ रात भर दुष्कर्म किया और उसका वीडियो भी बनाया। इससे आहत होकर वह दोनों जहरीला पदार्थ खाकर जान दे रहे हैं। यही बात पत्नी ने भी वीडियो में कही है। इसके बाद मृतक के भाई ने दोनों आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर शुक्रवार को दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

सुबह दंपती ने कीटनाशक खा लिया था। दोनों को मौत का अंदेशा हुआ तो दरिंदों की कारस्तानी बयां करता वीडियो अपने मोबाइल फोन में बना लिया। वीडियो बनाते समय उसका 11 साल का बेटा पहुंच गया तो मां ने कहा कि जब मैं मर जाऊंगी तो यह बात पुलिस को बता देना। कुछ ही देर बाद दोनों की हालत बिगड़ने लगी तो बेटे ने शोर मचाकर परिवार के अन्य लोगों को बुला लिया। परिवार के लोग दोनों को सीएचसी ले गए। वहां से जिला अस्पताल रेफर होने के बाद इलाज के दौरान पति ने दम तोड़ दिया। पत्नी को डॉक्टरों ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। शुक्रवार को उसने भी दम तोड़ दिया। मां की मौत की जानकारी होते ही बेटे ने बताया कि मम्मी के साथ गलत काम हुआ। उनके मोबाइल फोन में वीडियो है, जिसमें मम्मी-पापा खुद यह बात बता रहे हैं। वह मोबाइल गोरखपुर में इलाज कराने के दौरान परिवारीजनों के पास था।

आनन-फानन दंपती के रिश्तेदारों ने मोबाइल फोन खोला तो वीडियो देख उनकी आंखें फटी रह गईं। वीडियो में दंपती रात भर हुई दरिंदगी की दास्तां बयां करते नजर आ रहे थे। इसी आधार पर मृतक के भाई ने थाने में तहरीर दी। वहीं देर रात तक शवों के अंतिम संस्कार के लिए ऊहापोह की स्थिति बनी रही। पुलिस के दबाव के बावजूद परिवार वालों ने रात में अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। पति नशे में था धुत, पत्नी से रातभर की दरिंदगी

रुधौली कांड में दिल दहला देने वाली जानकारियां पुलिस को मिली हैं। बुधवार की रात पति नशे में धुत था। मगर दरिंदे नशे में भी सजग थे। बारी-बारी से उसकी पत्नी को हवस का शिकार बनाते गए। काली रात खत्म हुई। बृहस्पतिवार को नई सुबह हुई, लेकिन यह घटना कभी न भूलने बिसरने वाली बन गई। पति के शराब की खुमारी उतरी तो उसे एहसास हुआ कि जीवन संगिनी के साथ बहुत गलत हो गया। कुरेदा तो पत्नी ने रातभर की आपबीती सुना डाली। शायद दरिंदों से पार पाना, उनके लिए मुश्किल था, इसलिए घर में रखी जहर की पुड़िया दोनों निगल गए। हां, मौत करीब देख इतना साहस जरूर जुटा ले गए कि दरिंदों को सजा दिलाने लिए खुद का वीडियो बना लिया। इसका साक्षी बना दंपती का 11 साल का बेटा।

रुधौली नगर पंचायत क्षेत्र में दंपती के जहर खाकर जान देने की घटना ने सबको झकझोर कर रख दिया है। वैसे तो दरिंदगी की पीड़िता ने आपबीती बयां करती वीडियो बनाकर एक रात की पूरी घटना को सामने ला दिया है, लेकिन सिर्फ उसी रात की दरिंदगी की वजह से दोनों ने जहर खा लिया, यह गांव वालों के समझ से परे है। लोगों का कहना है कि इससे पहले भी जरूर कुछ न कुछ ऐसा हुआ होगा, जो दोनों को गंवारा नहीं था। यहां तक पुलिस भी शुक्रवार शाम तक उहापोह की स्थिति में रही। हालांकि, नामजद तहरीर और वीडियो फुटेज मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार करने में देर नहीं की। घटना स्थल की जांच करने पहुंचे एसपी गोपाल कृष्ण चौधरी ने भी जमीन संबंधी विवाद का नाम लिया। जिसकी वह जांच कराने की बात कह रहे थे।

आसपास के लोगों और वहां मौजूद रिश्तेदारों का कहना है इस मामले में जितनी बातें सामने आई हैं, उससे कहीं ज्यादा अभी छिपी हुई हैं। खुलकर कोई कुछ बोल नहीं पा रहा है। खासकर अलग रहने वाले मृतक के भाई और उनकी पत्नी वीडियो में बताई गई बातों को ही सही बता रही है। कुछ रिश्तेदारों ने जमीन बेचने की बात कबूल की।

चार मीटर जमीन बेचने की सामने आई बात

सड़क से करीब 50 मीटर दूर खेत में दंपती अपना मकान बनाकर बुजुर्ग पिता और तीन बच्चों के साथ रहता था। उसके घर से सटा हुआ दरिंदगी के एक आरोपी का भी प्लाट है, जिसका बेसमेंट बनाकर छत लगाई गई है, मगर कमरे नहीं बने हैं। इसके सामने से लेकर करीब सौ मीटर का मृतक का प्लाट है जिसके छोर पर चार मीटर चौड़ाई की जमीन उसने इन्हीं बिचौलियों के माध्यम से किसी को बेच दी थी। उस प्लाट की गहराई ज्यादा होने की वजह से पांच मीटर में ही एक बिस्वा रकबा बन जाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वहां जमीन का रेट चार से पांच लाख रुपये मीटर है। इस तरह से पांच मीटर जमीन की कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि मृतक ने अपने बुजुर्ग पिता को किसी बहाने तहसील ले जाकर जमीन बैनामा करा दिया है, जिसकी रजिस्ट्री में दोनों आरोपी गवाह हैं। हालांकि, यह कोई नहीं बता पाया कि वह जमीन किसके हाथ बेची गई है और रुपये मिल गए हैं या बाकी हैं।

आरोपी आदर्श चलवाता है जेसीबी, त्रिलोकी के पास ट्रैक्टर

दंपती के वार्ड का ही निवासी दरिंदगी का आरोपी आदर्श सिंह जेसीबी चलवाने का व्यवसाय करता है। नगर पंचायत रुधौली में उसकी जेसीबी चलती थी, मगर भुगतान फंस जाने की वजह से वह कुछ दिनों से उसे वहां से निकाल लिया है। जबकि आरोपी त्रिलोकी का अपना ट्रैक्टर-ट्रॉली है। जहां आदर्श ही जेसीबी मिट्टी खोदने का काम लेता है, वहीं त्रिलोकी मिट्टी की ढुलाई करता है। घर के बगल में प्लाट होने की वजह से त्रिलोकी मृतक के घर आता-जाता रहता था। गांव वाले बताते हैं कि वे लोग साथ बैठकर शराब पिया करते थे।

बेटा-मेरे मरने के बाद थाने जाना और वीडियो दिखा देना...

आंख के सामने माता-पिता को मौत के मुंह में समाते देख चुके 11 साल के बेटे को गहरा सदमा लगा है। बाकी दो बच्चों को भले ही उतनी समझ न हो, लेकिन बड़े बेटे ने जो बताया, वह सुनकर कलेजा मुंह को आ जाता है। शायद बड़ा होता तो वह भी इतनी बेबाकी से न कह पाता। पूछने पर उसने कहा कि पापा ने बताया कि बेटा, तुम्हारी मां के साथ गलत काम हुआ है। उसने बताया कि वह जब मम्मी-पापा के पास पहुंचा तो दोनों लोग बिस्तर पर पड़े कराहते हुए दीवार से मोबाइल फोन टिका कर वीडियो बना रहे थे। मम्मी बोलीं-बेटा अभी किसी से कुछ मत कहना। मेरे मर जाने के बाद थाने जाकर पुलिस को सब बता देना।

संक्षिप्त समाचार

25 सितम्बर को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित होगी पोषण पाठशाला

बहराइच। मा. मंत्री महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में 25 सितम्बर 2023 को मध्यान्ह 12:00 बजे से अपरान्ह 02:00 बजे के मध्य ''कुपोषण का प्रकार, कारण एवं 06 माह से छोटे शिशु के लिए पोषण सेवाए'' विषय पर ''पोषण पाठशाला'' का आयोजन किया गया है। वर्चुअल माध्यम से आयोजित होने वाली पोषण पाठशाला के लिंक **https;//wcbcast.gov.in/up/icds** (वेबकास्ट डाट जीओवी डाट इन/यूपी/आईसीडीएस) के माध्यम से जिले के समस्त आशा, आशा संगिनी, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व मिनी कार्यकत्रियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।

जनपद स्तरीय क्रियान्वयन एवं समन्वय समिति की बैठक 27 सितम्बर को

बहराइच। जिला पंचायत राज अधिकारी राघवेन्द्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि जिलाधिकारी मोनिका रानी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 27 सितम्बर 2023 को सायं 05:00 बजे जनपद स्तरीय क्रियान्वयन एवं समन्वय समिति की बैठक आहूत की गयी है। बैठक में ससमय से प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

एससी/एसटी व पिछड़ा वर्ग के युवक-युवतियों के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण

बहराइच। अनुसूचित जाति/जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के युवक एवं युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए उद्योग निदेशालय, उत्तर प्रदेश कानपुर द्वारा संचालित सामूहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत विभिन्न ट्रेडों हेतु 04 माह का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष के मध्य तथा शैक्षिक योग्यता कक्षा 08 न्यूनतम है 20 अक्टूबर 2023 तक डीआईयूपीएमएसएमई डाट यूपीएसआईडीसी डाट जीओवी डाट इन अथवा एमएसएमई डाट यूपीएसआईडीसी डाट जीओवी डाट इन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी को आनलाइन आवेदन करते समय पासपोर्ट साइज़ की फोटो, जाति प्रमाण-पत्र, आाार कार्ड, शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड तथा आईएफएससी सहित बैंक खाता की प्रति की आवश्यकता होगी। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त उद्योग ने बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी मेडिकल नर्सिंग (आया) व इलेक्ट्रिशियन तथा अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के अभ्यर्थी मेडिकल नर्सिंग (आया) व दर्जी ट्रेड हेतु आवेदन कर सकते हैं।

फंदे से लटकता मिला किशोर का शव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के कादीपुर गांव में शुक्रवार की भोर में एक किशोर का शव आवासीय मड़हे में लगे लोहे के एंगल में फंदे से लटकता मिला। पुलिस को सूचना दिए बिना परिजनों ने अंतिम संस्कार कर दिया। कादीपुर गांव निवासी संजय कुमार (17) पुत्र सत्यम ने किसी बात से क्षुब्ध होकर पड़ोस के आवासीय मड़हे में लगे हुए लोहे के एंगल में फंदे से शव लटकता मिला। परिजनों को घटना की जानकारी शुक्रवार को तड़के भोर में हुई, जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन के अनुसार यह किशोर काफी हसमुख स्वभाव का था तथा मिलनसार था। किस बात को लेकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की यह खुद उनके समझ में नहीं आ रहा है। हालांकि परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए बगैर ही युवक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इस बाबत थाना प्रभारी जफराबाद किशोर कुमार चौबे ने बताया कि किशोर के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोई सूचना नहीं मिली है।

एसओ के सामने ही मंडल अध्यक्ष ने दी गाली, एफआईआर दर्ज

जालौन। बरसठी थाना क्षेत्र के परियत गांव में जमीन के विवाद को लेकर दो दिन पहले दोनों पक्ष थाने पहुंचा था। वहां बातचीत के दौरान एसओ के सामने ही भाजपा के मंडल अध्यक्ष ने बूथ अध्यक्ष व उसकी पत्नी को गाली दे दी। इस मामले में बूथ अध्यक्ष की पत्नी की तरफ से दी गई गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मंडल अध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। परियत गांव में भाजपा के मंडल अध्यक्ष केपी मिश्रा व बूथ अध्यक्ष काजू पाठक के बीच जमीन का विवाद है। दो दिन पहले ही कब्जे को लेकर दोनों पक्ष थाने पहुंचा। वहां एसओ गोविंद देव मिश्रा के सामने ही दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करने लगा। इसी बीच आरोप है कि मंडल अध्यक्ष केपी मिश्रा ने बूथ अध्यक्ष व उसकी पत्नी को गोली दे दी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद इस मामले में बूथ अध्यक्ष काजू पाठक की पत्नी सीता पाठक की तहरीर पर पुलिस ने मंडल अध्यक्ष केपी मिश्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

कुएं में मिले महिला के शव की हुई शिनाख्त

जौनपुर। क्षेत्र के निजामुद्दीनपुर गांव में बीते मंगलवार को कुएं से बरामद महिला के शव की शिनाख्त उसके परिजनों ने बृहस्पतिवार की देर शाम कर लिया है। परिजनों के अनुसार उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। निजामुद्दीनपुर गांव के सीवान में मंगलवार को कुएं में मिले महिला के शव को शिनाख्त के लिए पुलिस ने मरचरी हाउस में रख दिया था। कुएं के पास बरामद चश्मा व चप्पल की जानकारी लेने थाने पर गांव का ही युवक अजय कुमार गौतम पहुंचा। उसने बताया कि दोनों सामान उसकी दादी फुल्लन देवी का है। पुलिस अजय को मोरचरी हाउस ले गई। शव देखते ही अजय ने पहचान कर लिया। पूछताछ में उन्होंने थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह को बताया कि उसकी दादी मानसिक रूप से बीमार थी, जिसका इलाज मनोचिकित्सक से कराया जा रहा था। इस बाबत थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

369 महिलाओं को एलाट हुआ विद्यालय, 51 ने छोड़ी काउंसिलिंग

जौनपुर। गैर जनपद से स्थानांतरित होकर आई महिला शिक्षकों के स्कूल का आवंटन दूसरे दिन बृहस्पतिवार को पूरा हो गया। कुल 420 महिलाओं की काउंसिलिंग होनी थी। इसमें से 369 महिलाएं ही काउंसलिंग में शामिल हुईं। शेष 51 महिला शिक्षक काउंसलिंग में शामिल नहीं हुईं। काउंसलिंग 20 सितंबर से शुरू हुई है। 21 सितंबर को दूसरे दिन 22 सितंबर को रात 7.20 बजे महिला शिक्षकों की काउंसलिंग पूरी कराई गई। इसके बाद पुरुष शिक्षकों की काउंसलिंग शुरू हुई। काउंसलिंग के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भी विद्यालय आवंटन को लेकर सुबह से ही बीएसए कार्यालय परिसर में शिक्षकों की काफी भीड़ रही। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस भी तैनात रही। विद्यालय का आवंटन के लिए पुरुष शिक्षकों को दिन भर इंतजार करना पड़ा। बीएसए डॉ. गोरखनाथ पटेल ने बताया कि मेरिट के हिसाब से स्कूल के आवंटन की प्रक्रिया पूरी कराई जा रही है।

निरीक्षण में एसपी ने बीट दरोगाओं पर कसी पेंच

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा ने शुक्रवार को कोतवाली में औचक निरीक्षण करने के दौरान बीट दरोगाओं पर पेंच कसी। लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करने के बाद उन्होंने कहा कि समय से विवेचनाओं का निस्तारण करने के साथ ही क्षेत्र के अपराधियों को चिन्हित करें। कोतवाली में बैठने के बजाय आप सब क्षेत्र में चक्रमण करें। उन्होंने सीओ अशोक कुमार सिंह व प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय से अपराध व अपराधियों के बारे में विस्तृत जानकारी लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला हेल्पडेस्क, जनसुनवाई रजिस्टर, हिस्ट्रीशीटर रजिस्टर, तहसील दिवस पर जनसुनवाई शिकायत, समाधान दिवस की शिकायतें, गैंगस्टर रजिस्टर, गुंडा एक्ट में की गई कार्यवाही, सीसीटीएनएस आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज के इर्द-गिर्द पुलिस का बराबर चक्रमण होना चाहिए। अपराध अपराधियों के साथ ही शोहदों पर भी विशेष नजर रखी जाए। यदि कहीं से बच्चियों की कोई शिकायत आ रही है तो उसकी गंभीरता से लेना सुनिश्चित करें।

बदलते मौसम में बढ़े डेंगू के मरीज

जालौन। बदलते मौसम में नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। सीएचसी में गुलौली निवासी दो लोग डेंगू से पीड़ित मिले हैं। सीएचसी की ओपीडी में हर दिन लगभग 500 मरीज आते हैं। इसमें ज्यादातर मरीज खांसी, जुकाम और बुखार के होते हैं। क्षेत्र के ग्राम गुलौली में दो मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई है। इसमें हससान का इलाज सीएचसी में चल रहा है। उसकी बहन और भाई भी अस्पताल में भर्ती हैं। हालांकि उन लोगों में डेंगू की पुष्टि नहीं हुई है। ग्राम निवासी शरीफ, अनस, युसूफ का कहना है कि गांव के एक और बच्चे की जांच में डेंगू की पुष्टि हुई थी, जिसका इलाज कानपुर में चल रहा है। सीएचसी के चिकित्सक डॉ. शेख शहरयार के अनुसार गुलौली गांव में बुखार पीड़ितों की संख्या बहुत अधिक है। उनका इलाज सीएचसी के अलावा विभिन्न निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दिनेश बरदिया के अनुसार बरसात के समय में मौसमी बीमारियां प्रतिवर्ष आती हैं। इसमें घबराने की जरूरत नहीं है। इलाज के लिए अस्पताल में पर्याप्त सुविधा है।

आकांक्षात्मक ब्लाक हुजूरपुर में आयोजित हुआ 02 दिवसीय चिन्तन शिविर

बहराइच संवाददाता

बहराइच। जनपद बहराइच के अन्तर्गत नीति आयोग द्वारा हुजूरपुर विकास खण्ड को आकांक्षात्मक ब्लाक के रूप में चयनित किया गया है। आकांक्षात्मक ब्लाक हुजूरपुर में नीति आयोग द्वारा निर्धारित सूचकांकों में उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित करने के उद्देश्य से विकास की रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी के निर्देश पर 02 दिवसीय चिन्तन शिविर का आयोजन किया गया। विकास भवन सभागार में 21 व 22 सितम्बर को आयोजित चिन्तन शिविर में क्षेत्र पंचायत प्रमुख अजीत प्रताप सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत सदस्यों के अतिरिक्त जिला विकास अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, परियोजना निदेशक, उपायुक्त श्रम रोजगार, उपायुक्त स्वतः रोजगार, जिला पंचायत राज अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी हुजूरपुर सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

चिन्तन शिविर के दौरान ग्राम्य विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग, चिकित्सा एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा एवं कृषि विभाग, पेयजल एवं आपूर्ति व अन्य विभागों तथा बैकिंग सेक्टर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा विकास का रोडमैप तैयार करने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये। दो दिवसीय चिन्तन शिविर में लगभग 2500 लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया। चिन्तन शिविर में प्राप्त हुए सुझावों एवं विचारों के आधार पर आकांक्षात्मक ब्लाक के विकास के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार तैयार नीति आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा 30 सितम्बर 2023 को आकांक्षात्मक ब्लाक प्रोग्राम का शुभारम्भ किया जायेगा।

चलती ट्रेन से कूदी युवती की मौत, नहीं हुई शिनाख्त

जौनपुर। क्षेत्र के सरायखेम गांव के पास हड़बड़ाहट में युवती ट्रेन से कूद गई। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की तहकीकात में जुटी है। घटना बृहस्पतिवार की रात आठ बजे की है। जौनपुर से रायबरेली जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से युवती कहीं जा रही थी। ट्रेन में मौजूद यात्रियों के मुताबिक जंघई स्टेशन पर ट्रेन रुकी तो युवती ने एक यात्री से मोबाइल मांगा और किसी से बात करने लगी। बात करते-करते ट्रेन तेज गति से चलने लगी, तो युवती घबड़ा गई और यात्री का मोबाइल देकर वह हड़बड़ाहट में सरायखेम गांव के पास कूद गई। उसकी उम्र करीब 20 साल बताई जा रही है। वह जींस व टी-शर्ट पहने हुई थी।

युवती कहां की थी और कहां जा रही थी, अब तक इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। रात भर उसका शव पड़ा रहा। सुबह लोगों ने युवती का शव देखा तो हड़कंप मच गया। घटना की सूचना थानाध्यक्ष राजाराम द्विवेदी को गांव के लोगों ने दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष राजाराम द्विवेदी का कहना है कि घटना की जानकारी घटना के चश्मदीद रहे एक यात्री ने मुंगराबादशाहपुर थाने में दी है। इससे घटना की वास्तविक जानकारी हो सकी है। युवती की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है।

विद्यालयों में बच्चों की 70 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति सुनिश्चित करायें बीईओ-डीएम

बहराइच। विभिन्न विभागों की परियोजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से शुक्रवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी मोनिका रानी ने उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि विभिन्न विभागों के परियोजनाओं के लिए मांगी गयी भूमि की तलाश कर सम्बन्धित विभाग को यथाशीघ्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि परियोजनाओं का निर्माण कार्य समय से शुरू हो सके।

प्रशासकीय विभागों को निर्देश दिये गये कि सम्बन्धित तहसील से समन्वय कर यथाशीघ्र भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुए निर्माण कार्य प्रारम्भ कराये। जल जीवन मिशन की परियोजनाओं हेतु उपलब्ध करायी गयी भूमि से सम्बन्धित किसी प्रकार की समस्या का सम्बन्धित तहसील, जल निगम व सम्बन्धित कार्यदायी संस्था संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर समस्या का समाधान कराते हुए तत्काल आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं एवं कार्यो की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि विद्यालयों में बच्चों की कम से कम 70 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करायी जाय। खण्ड शिक्षा अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये गये कि बच्चों के अभिभावकों से भेंट कर उन्हें बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करें। बच्चों के अभिभावकों का मोबाइल नम्बर एकत्र कर बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजने के लिए बल्क एसएमएस भेजने की व्यवस्था की जाय। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि ब्लाक स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा नियमित रूप से मानक के अनुसार विद्यालयों का निरीक्षण किया जाय। बीएसए को अन्य लम्बित विभागीय कार्यो को यथाशीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर डीडीओ महेन्द्र कुमार पाण्डेय, सीएमओ डॉ एस.के. सिंह, एसडीएम सदर डॉ पूजा यादव, नानपारा अजित परेस, कैसरगंज पंकज दीक्षित, महसी राकेश कुमार मौर्या, पयागपुर दिनेश कुमार, मोतीपुर संजय कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक नरेन्द्र पाण्डेय, बीएसए अव्यक्तराम तिवारी, ईओ नगर पालिका प्रमीता सिंह, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत बहराइच शैलेन्द्र कुमार, नानपारा कृष्ण कुमार, कैसरगंज सौरभ निगम, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी वी.पी. सत्यार्थी, खण्ड विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

अध्यक्ष और सभासदों ने ईओ के खिलाफ खोला मोर्चा, मनमर्जी करने का आरोप

हरदोई। मल्लावां नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी और कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ अध्यक्ष और सभासदों ने मोर्चा खोल दिया है। पालिका अध्यक्ष के नेतृत्व में सभासदों ने शुक्रवार को डीएम से मुलाकात कर अधिशासी अधिकारी के कारनामे बताए।

सभासदों और अध्यक्ष की बात सुनकर डीएम भी सन्न रह गए। इसके बाद उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि अपनी तैनाती स्थल पर ही रात्रि विश्राम करें। कंप्यूटर ऑपरेटर से वाहन चलवाने समेत कोई भी निजी कार्य न कराएं। नगर पालिका अध्यक्ष तरन्नुम के नेतृत्व में डीएम को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि अधिशासी अधिकारी मनमाने ढंग से कार्यालय आते हैं। महज एक या दो घंटे ही कार्यालय में बैठते हैं। आरोप है कि आउटसोर्सिंग कर्मचारी चंद्रशेखर भारती उर्फ राजू कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर तैनात है, लेकिन उससे वाहन चालक और निजी कर्मचारी की तरह लिया जा रहा है। यह मामला सात जून को हुई बोर्ड की बैठक में भी उठा था। आरोप है कि नगर पालिका में कर्मचारियों के पीएफ का रुपया भी समय से जमा न होने के कारण खातों को सीज करा दिया गया था, क्योंकि अधिशासी अधिकारी पूरा पक्ष नहीं रख पाए थे।

अधिशासी अधिकारी पर आरोप है कि वह लखनऊ आवास से मनमाना कार्य करते हैं। इस दौरान सभासद विनीत कुमार, अनूप कुमार, पूर्णिमा तिवारी, मयंक अग्निहोत्री, शिखा वर्मा, मायादेवी, सगीर अहमद अंसारी, केशनू, मोहम्मद अफसर, हाशनू आदि मौजूद रहे।

बारावफात त्यौहार के दृष्टिगत तैनात किये गये मजिस्ट्रेट

बहराइच। शासन द्वारा निर्गत गाइड लाइन का पालन कराते हुए ईद-ए-मिलाद (बारावफात) के त्यौहार को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढ़ंग से सम्पन्न कराये जाने के मद्देनजर जिला मजिस्ट्रेट मोनिका रानी द्वारा मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गयी है। इसके अलावा कन्ट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है जिसका दूरभाष नम्बर 05252-230132 है।

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश के अनुसार मुसाफिर खाना हेतु तहसीलदार न्यायिक, छावनी चौराहा हेतु तहसीलदार सदर व बी.एस.ए., दरगाह शरीफ के लिए नायब तहसीलदार सदर, छोटी तकिया हेतु मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पीपल तिराहा हेतु जिला गन्नाधिकारी तथा घण्टाघर हेतु जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी व जिला प्राबेशन अधिकारी, बहराइच की ड्यूटी लगायी गयी है। इसके अलावा थाना क्षेत्र अन्तर्गत भी मजिस्ट्रेट तैनात किये गये हैं, जो सम्बन्धित थाना क्षेत्र के प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्ष के साथ समन्वय स्थापित कर सम्पूर्ण थाना क्षेत्र में शान्ति व्यवस्था सुनिश्चित करायेंगे। थाना कोतवाली नगर के लिए तहसीलदार बहराइच, कोतवाली देहात के लिए सहायक अभियन्ता लघु उद्योग निर्माण खण्ड बहराइच, थाना दरगाह शरीफ में सहा.नि.सह. समिति बहराइच, थाना पयागपुर के लिए बी.डी.ओ. पयागपुर, थाना विशेश्वरगंज के लिए बीडीओ विशेश्वरगंज, थाना कोतवाली नानपारा में बी.डी.ओ. बलहा, थाना रिसिया के लिए बीडीओ रिसिया, थाना नवाबगंज के लिए बीडीओ नवाबगंज को सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

इसी प्रकार थाना रूपईडीहा के लिए तहसीलदार नानपारा, थाना मोतीपुर के लिए तहसीलदार मिहींपुरवा (मोतीपुर), थाना सुजौली के लिए नायब तहसील मिहींपुरवा, थाना कोतवाली मुर्तिहा के लिए सहा. अभि. स.न.ख. प्रथम नानपारा मनीष कुमार, थाना हुजूरपुर के लिए बी.डी.ओ. हुजूरपुर, थाना रानीपुर के लिए बी.डी.ओ. चित्तौरा, थाना फखरपुर के लिए बी.डी.ओ. फखरपुर, थाना कैसरगंज के लिए बी.डी.ओ. कैसरगंज, थाना जरवल के लिए बी.डी.ओ. जरवल, थाना हरदी के लिए तहसीलदार महसी, थाना बौण्डी के लिए बी.डी.ओ. तेजवापुर, थाना खैरीघाट बी.डी.ओ. शिवपुर, थाना रामगॉव के लिए नायब तहसीलदार महसी तथा थाना मटेरा के लिए नायब तहसीलदार नानपारा को सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। बारावफात त्यौहार को सकुशल एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के निमित्त नगर क्षेत्र के लिए नगर मजिस्ट्रेट बहराइच को ओवर आल प्रभारी नामित किया गया है जो पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर के साथ समन्वय रखते हुए त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे तथा कानून एवं शान्ति व्यवस्था पर सतर्क दृष्टि बनाये रखेंगे।

इसी प्रकार अन्य तहसील क्षेत्रों में सम्बन्धित उप जिला मजिस्ट्रेट सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अपने तहसील क्षेत्र में त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराना सुनिश्चित करेंगे तथा शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु उत्तरदायी होंगे।

त्यौहार के अवसर पर नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु अधीक्षण अभियन्ता विद्युत तथा जनपद के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में त्यौहार के अवसर पर पानी, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा छुट्टा एवं आवारा/प्रतिबन्धित जानवरों को नियन्त्रित रखने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी तथा नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

जिला अस्पताल में डीएम को नहीं मिले आठ डॉक्टर

उरई। डीएम राजेश कुमार पांडेय ने शुक्रवार की सुबह आठ बजे जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पर्ची काउंटर, ओपीडी, सर्जरी ओपीडी, लैब पैथोलॉजी, दंत रोग, सीटी स्कैन, नाक, कान, गला, अल्ट्रासाउंड, एक्सरे ओपीडी, दवा भंडारण कक्ष, इमरजेंसी वार्ड, सर्जिकल वार्ड, एक्सीडेंटल वार्ड, डेंगू वार्ड, आयुष्मान भारत वार्ड आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान आठ डॉक्टर गैरहाजिर मिले। सीएमओ डॉ. एनडी शर्मा को निर्देश दिए कि अनुपस्थित चिकित्साधिकारी ईएनटी डॉ. बीपी सिंह, मेंटल काउंसलर अर्चना विश्वास, डायबिटीज़ एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. गोपालकृष्ण सोनी, परामर्शदात्री स्वाति श्रीवास्तव, ऑर्थो सर्जन डॉ. एमएस सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद कुमार, जिला क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. डीके भिटौरिया, टीबी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. कौशल किशोर का स्पष्टीकरण लिया जाए। कहा कि सभी चिकित्सक समय से ड्यूटी करें और मरीजों को बेहतर इलाज मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण में मिला कि चिकित्सक का स्थानांतरण होने के बाद भी उनके नाम की पट्टिका लगी हुई है। सीएमएस को तत्काल नामपट्टिका हटाने के निर्देश दिए। डीएम ने मरीजों का हालचाल जाना। अस्पताल की सुविधाओं के बारे में फीडबैक भी लिया। आयुष्मान भारत वार्ड में गंदगी देख संबंधित कर्मचारियों की सेवा समाप्त करने की चेतावनी दी। साथ ही निर्देश दिए कि साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने दवा वितरण कक्ष का निरीक्षण कर दवाओं की उपलब्धता की व्यवस्था देखी तथा निर्देशित किया कि चिकित्सकों द्वारा बाहर की दवा न लिखी जाए, यह सुनिश्चित रहे। इस दौरान एडीएम नमामि गंगे विशाल यादव, सिटी मजिस्ट्रेट अरुण कुमार मिश्रा, सीएमएस डॉ. अवनीश बनौधा भी मौजूद रहे।

सहपऊ के पूर्व चेयरमैन भगवती प्रसाद दिवाकर का निधन, खुद व पत्नी रहे नगर पंचायत अध्यक्ष, अब है पुत्रवधू

हाथरस। भगवती प्रसाद दिवाकर साल 2012 से 2017 पर नगर पंचायत अध्यक्ष रहे हैं। उससे पहले उनकी पत्नी चन्द्रवती देवी भी 2000 से 2005 तक नगर पंचायत अध्यक्ष रहीं। इस बार उनकी पुत्रवधू शीला देवी नगर पंचायत अध्यक्ष चुनी गई हैं। हाथरस में सहपऊ कस्बा के पूर्व चेयरमैन एवं वर्तमान चेयरमैन शीला देवी के सुसर भगवती प्रसाद दिवाकर का शनिवार शाम साढ़े चार बजे निधन हो गया। उनके निधन से कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई।

भगवती प्रसाद दिवाकर की दो दिन पहले तबीयत खराब हो गई थी और उनका आगरा में उपचार कराया गया। ठीक होने पर परिजन उन्हें घर ले आया थे। उनके पुत्र महेश दिवाकर ने बताया कि शनिवार की शाम को अचानक उनकी तबीयत फिर से खराब हो गई। उनको निजी चिकित्सक के पास ले गए, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भगवती प्रसाद दिवाकर साल 2012 से 2017 पर नगर पंचायत अध्यक्ष रहे हैं। उससे पहले उनकी पत्नी चन्द्रवती देवी भी 2000 से 2005 तक नगर पंचायत अध्यक्ष रहीं। इस बार उनकी पुत्रवधू शीला देवी नगर पंचायत अध्यक्ष चुनी गई हैं।

पूर्व चेयरमैन का अंतिम संस्कार रविवार को उनके बड़े पुत्र सुरेश दिवाकर के आने पर किया जाएगा। वह इस समय अरूणाचल प्रदेश में आईटीबीपी में सूबेदार के पद पर तैनात हैं। उनको सूचना दे दी गई है। पूर्व चेयरमैन के निधन की सूचना पर पूरे कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई। भाजपा के मंडल अध्यक्ष अंशुल शर्मा, सतेंद्र शर्मा, कांग्रेस नगर अधक्ष्य वीरेन्द्र जैसवाल एवं कस्बे के अन्य गण्यमान्य नागरिक उनके आवास पर पहुंचे और शोक संवेदना जताई।

सपा जिलाध्यक्ष समेत 50 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

जालौन। कैलिया पुलिस ने सपा जिलाध्यक्ष और सींगपुरा मंदिर के महंत समेत तकरीबन 50 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का आरोप है कि सौहार्द बिगाड़ने वाले भाषण दिए गए और बिना परमिशन कार्यक्रम कर धारा 144 का उल्लंघन किया गया था। पार्टी जिलाध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर से सपा खेमे में खलबली है। उधर, सपा जिलाध्यक्ष ने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया है। कैलिया थाने के दरोगा रामचंद्र वर्मा ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि 18 सितंबर को वह हमराही सिपाहियों के साथ क्षेत्र भ्रमण पर जब कैमरा गांव पहुंचे तो देखा कि सींगपुरा कैमरा के जंगल में स्थित सिद्धबाबा मंदिर के पुजारी रनछोरदास महाराज शाम करीब तीन बजे धारा 144 लागू होने के बावजूद दीपराज गुर्जर और राघवेंद्र सिंह की अगुवाई में लगभग 40-50 लोग गुर्जर समाज के लोगों को इकट्ठा कर धर्म, मूलवंश, भाषा, जन्मस्थान आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता का संप्रवर्तन व सौहार्द बिगाड़ने वाला काम कर रहे थे। पुलिस ने रनछोरदास महाराज, दीपराज गुर्जर, राघवेंद्र सिंह सहित तकरीबन 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 153 ए (1) बी तथा धारा 188 सीआरपीसी में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

1.49 करोड़ की लागत से पक्के नाले का निर्माण कार्य शुरू

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना मोड़ के पास से नैंशन नाला तक नगर पंचायत की ओर से एक करोड़ 49 लाख की लागत से बनने वाले पक्के नाले का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इससे गौराबादशाहपुर कस्बे के साथ-साथ आस-पास के गांवों को सहूलियत मिलेगी। गौराबादशाहपुर थाना मोड़ के पास नगर पंचायत की ओर से एक करोड़ 49 लाख की लागत से बनने वाले पक्के नाले का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से कस्बे के बमैला, सखैला मोहल्लों में लोगों के घरों तक बारिश का पानी चला जाता था, कई दिन जलभराव होने से लोगों में संक्रामक बीमारियों का भी भय बना रहता था। अब इस समस्या से नगरवासियों को निजात मिलेगी। ईओ डॉ. अनुपम सिंह ने बताया है कि अगर लोकनिर्माण विभाग द्वारा बंजारेपुर शिवमंदिर के पास अधूरी पुलिया को जोड़ दिया जाए तो ईदगाह के पास हर समय जमा पानी भी निकल जाएगा और नयनसंड मोड़ तक जलनिकासी की समस्या खत्म हो जाएगी। इस नाले को छह माह में बनाने का निर्देश ठेकेदार को दिया गया है। जिसमें एक करोड़ 49 लाख खर्च किया जाएगा।

उत्पीड़न और वसूली में रिटायर्ड पुलिसकर्मी को पांच साल की सजा

उरई। युवक का उत्पीड़न कर रुपये वसूलने का आरोप सिद्ध होने के बाद रिटायर पुलिसकर्मी को कोर्ट ने पांच साल का कारावास और 14 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। मामला मानवाधिकार आयोग के आदेश पर दर्ज किया गया था।

शासकीय अधिवक्ता महेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम चटसारी निवासी वीरेंद्र पाल सिंह कौरव ने वर्ष 2001 में मानवाधिकार आयोग को शिकायती पत्र भेजकर आरोप लगाया था कि कैलिया थाने में तैनात सात पुलिसकर्मी उसका उत्पीड़न कर रुपये वसूलते हैं। रुपये न देने पर फर्जी केस में फंसाने की धमकी देते हैं। मानवाधिकार आयोग के आदेश पर सात पुलिस कर्मियों के खिलाफ रुपये वसूलने व मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। सुनवाई से पहले पीड़ित की मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने सातों पुलिस कर्मियों के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। 22 साल बाद स्पेशल डकैती कोर्ट में चले ट्रायल के शुक्रवार को मामले की सुनवाई पूरी हुई। दोनों पक्षों की अधिवक्ताओं की जिरह और बयानों के आधार पर डकैती कोर्ट के न्यायाधीश अंचल लवानिया ने छह पुलिसकर्मियों को दोषमुक्त कर दिया। वहीं थाना कृष्णानगर लखनऊ निवासी हरीलाल कश्यप को दोषी पाते हुए पांच साल के कारावास और 14 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

अर्थदंड न देने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि दोषी पुलिस कर्मी हीरालाल अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

थाने में भिड़े भाजपाई, एसओ के सामने ही मंडल अध्यक्ष ने बूथ अध्यक्ष और उसकी पत्नी को दी गाली

जौनपुर। यूपी के जौनपुर जिले के बरसठी थाने में शुक्रवार को दो भाजपाई आमने-सामने हो गए। जमीन विवाद के एक मामले में भाजपा के मंडल अध्यक्ष ने बूथ अध्यक्ष व उसकी पत्नी को गाली दे दी। जौनपुर जिले के बरसठी थाना क्षेत्र के परियत गांव में जमीन के विवाद को लेकर दो दिन पहले दोनों पक्ष थाने पहुंचा था। वहां बातचीत के दौरान एसओ के सामने ही भाजपा के मंडल अध्यक्ष ने बूथ अध्यक्ष और उसकी पत्नी को गाली दे दी।

इस मामले में बूथ अध्यक्ष के पत्नी की तरफ से दी गई गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मंडल अध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। परियत गांव में भाजपा के मंडल अध्यक्ष केपी मिश्रा व बूथ अध्यक्ष काजू पाठक के बीच जमीन का विवाद है। दो दिन पहले ही कब्जे को लेकर दोनों पक्ष थाने पहुंचा। वहां एसओ गोविंद देव मिश्रा के सामने ही दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करने लगा।

इसी बीच आरोप है कि मंडल अध्यक्ष केपी मिश्रा ने बूथ अध्यक्ष औरउसकी पत्नी को गाली दे दी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद इस मामले में बूथ अध्यक्ष काजू पाठक की पत्नी सीता पाठक की तहरीर पर पुलिस ने मंडल अध्यक्ष केपी मिश्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

समाधान दिवस का जायज़ा लेने थाना रामगांव पहुॅचे डीएम व एसपी

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को आयोजित होने वाले थाना समाधान दिवस का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा ने थाना रामगांव का निरीक्षण कर मौजूद फरियादियों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण कराए जाने के निर्देश दिए। थानाध्यक्ष शशि कुमार राना ने बताया गया कि 05 प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए हैं। जिसमें 01 का निस्तारण कर दिया गया है। शेष 04 प्रार्थना पत्रों के निस्तारण हेतु पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम मौके पर भेजी गयी है।

समाधान दिवस के दौरान डीएम व एसपी ने निर्देश दिया कि कार्यवाही के लिए मौके पर गए अधिकारी कर्मचारी साक्ष्य हेतु वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी भी कर लें तथा मौके पर मौजूद लोगों से गवाही भी करवा लें। डीएम व एसपी ने निर्देश दिया कि अभियान संचालित कर चकमार्गों व रास्तों को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाय। डीएम व एसपी ने कहा कि थाना समाधान दिवस पर निस्तारण की गणवत्ता बेहतर होने पर तहसील व जिला स्तर पर फरियादी को जाने के ज़रूरत नहीं पड़ेगी। आसन्न त्यौहारों के दृष्टिगत कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाएं रखने हेतु प्रभावी रूप से गश्त की जाय। समाधान दिवस के अवसर पर विकास खण्ड तेजवापुर की ग्राम पंचायत बौकहा मतरा चमारनपुरवा नि. सुमन देवी पत्नी स्व. बुधई व रिंकू प्रसाद पुत्र स्व. बुधई को आयुष्मान कार्ड का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी तेजवापुर अजय प्रताप सिंह व अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

त्रिगुट
सोमवार 25 सितम्बर 2023

महिला आरक्षण बिल चुनावी झुनझुना

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास हो गया है। सभी दलों ने इसका समर्थन किया है। मात्र दो सदस्यों ने आरक्षण बिल के खिलाफ मतदान किया है। भारतीय जनता पार्टी एनडीए गठबंधन और कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन से जुड़े सभी राजनीतिक दलों ने इस बिल का समर्थन किया है। इंडिया गठबंधन के सदस्यों ने जो संशोधन प्रस्ताव पेश किए थे। वह ध्वनिमत से निरस्त हो गए। इसके बाद बिल में मतदान हुआ और 454 सदस्यों ने बिल के समर्थन में मतदान किया। नई संसद में सर्वसम्मति से पास होने वाला यह पहला बिल बन गया है। भारतीय जनता पार्टी इस बिल को मास्टर स्ट्रोक बता रही है। भारतीय जनता पार्टी को विश्वास है, कि महिलाओं के आरक्षण बिल से उसे 2024 के लोकसभा चुनाव और 5 विधानसभा के चुनावों में इसका लाभ भाजपा को मिलेगा। महिलाएं बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट करेगी। भारतीय जनता पार्टी ऐसा सोच रही है, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है। बिल में जो प्रावधान किए गए हैं, उसके अनुसार 2028 के विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव के समय ही महिलाओं का आरक्षण लागू हो सकता है। यह इतना ज्यादा समय है, कि इस चुनाव में इसका कितना असर होगा, यह कहना मुश्किल है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी राम भरोसे और महिला आरक्षण के बल पर चुनाव जीतने की कामना कर रही है। वही इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल और कांग्रेस दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, एसटी और एससी वर्ग को एक साथ जोड़कर कमंडल की राजनीति को मंडल की राजनीति से काटने की एक बड़ी पहल की है। राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण के बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो स्वयं दलित नेता है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल पर दलित और पिछड़ी जाति की महिलाओं को आरक्षण देने का मुद्दा उठाया है। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने, सभी वर्गों की महिलाओं को जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व देने की बात कही है। सोनिया गांधी ने तो यहां तक कह दिया कि यह बिल तुरंत लागू किया जाए। 33त्न आरक्षण महिलाओं को आने वाले विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में लागू किया जाए। कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने जनगणना और परिसीमन को आधार बनाकर 5 साल तक आरक्षण टालने का विरोध सदन के अंदर, बड़ी मुखरता के साथ किया है। भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकाल के अंतिम समय पर महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। इसके पहले भी काला धन वापस लाने महंगाई खत्म करने 2 करोड बेरोजगारों को प्रतिवर्ष रोजगार देने काला धन वापस आने पर हर किसी को 15-15 लाख रुपए देने नोटबंदी के बाद भी काला धन वापस आने और गरीबों को पैसे देने की बात कही गई थी। उस समय नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और विश्वसनीय दोनों ही चरम सीमा पर थी। जिसका लाभ 2019 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिला। पिछले 4 वर्षों में जिस तेजी के साथ महंगाई बढ़ी है। आम आदमी पर कर्ज का बोझ बढ़ा है। आम आदमी के ऊपर लगातार टैक्स बढ़ता चला जा रहा है। निम्न और मध्यम वर्ग का जीवन बड़ा मुश्किल हो गया है। वह अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहा है। जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग में सरकार को लेकर अविश्वसनियता बढ़ी है। मोदी सरकार की लोकप्रियता घटी हैं। आम आदमी मुखरता के साथ अब सरकार का विरोध कर रहा है। 15 लाख और 2 करोढ़ रोजगार देने, महंगाई कम करने और अच्छे दिन के जो वायदे किए गए थे। वह भी जुमला साबित हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में महिला आरक्षण का प्रभाव महिलाओं पर किस तरह पड़ेगा। इसको लेकर सोशल मीडिया और समूह में महिला आरक्षण को लेकर तरह-तरह की आशंका व्यक्त की जा रही है। आम धारणा बन रही है, कि यदि सरकार महिला आरक्षण बिल लागू कर रही थी। संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था। सरकार को अभी महिला आरक्षण लागू कर देना चाहिए था। इससे भाजपा और केंद्र सरकार की विश्वसनीयता, महिला मतदाताओं के बीच में बढ़ती। भाजपा के पक्ष में महिलाएं ज्यादा से ज्यादा वोट भी करती। आगे आने वाली सरकार इस बिल के अनुसार काम करती है, या नहीं। इसमें कोई बदलाव कर देती है। धारा 370 और एनआरसी के मामले में सरकार ने कानून तो पास कर लिए लेकिन अभी तक सरकार नियम नहीं बना पाई। सरकार ने किसानों के लिए जो तीन कानून बनाए थे उन्हें विरोध के कारण वापस लेना पड़ा। सरकार की विश्वसनीयता को लेकर आम मतदाताओं के बीच में चर्चाएं होती हैं। भारत का मतदाता बहुत होशियार है। समय आने पर वह बड़ी बुद्धिमत्ता के साथ निर्णय करता है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस राष्ट्रीय राजनीतिक दल है। इनके प्रतिबद्ध मतदाताओं की संख्या कभी भी 20-22 फ़ीसदी से ज्यादा नहीं रही। चुनाव के दौरान जो हवा चलती है, उसके अनुसार मतदाता अपना रुख बदलता है। 2013-14 में भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी के पक्ष में हवा बह रही थी। जिसका लाभ भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी को दो लोकसभा चुनाव में मिल चुका है। कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। जिन वादों पर और जिन मुद्दों पर सरकार बनी थी।

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मे छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईर्ष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांश व्यक्ति ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भँवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भँवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं। हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इन्द्रिय विषय-भोगों की सामग्री में बहुत वृद्धि हुई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक वृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख मे रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में वृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

वंदनीय है देश का विपक्ष

राकेश अचल

भारत के जिस विपक्ष को देश के अवतार पुरुष पानी पी-पीकर कोसते हैं आज उस विपक्ष की वंदना करा चाहिए क्योंकि उसने नयी बोतल में पुरानी शराब जैसा होते हुए भी महिला आरक्षण विधेयक यानि नारी शक्ति वंदन विधेयक लोकसभा में पारित करा दिया । राजनीति से ऊपर उठकर किये गए इस सहयोग के लिए अब सत्ता पक्ष को अपनी सनातनी ऐंठ छोड़कर देश के विपक्ष का अभिनंदन करने के साथ ही उसे घमंडिया गठबंधन कहना छोड़ देना चाहिए क्योंकि विपक्ष ने सरकार का सहयोग कर ये प्रमाणित कर दिया की वो घमंडिया नहीं बल्कि असली इंडिया [आईएनडीआईए] गठबंधन है। जैसा कि मै पहले दिन से कहता आ रहा हूँ कि इस विधेयक को संख्या बल के आधार पर लोकसभा और राज्य सभा में भी आसानी से पारित कराया जा सकता है ,सो वैसा ही हुआ । ये ध्वनिमत से भी पारित हो सकता था यदि इसको लेकर विधेयक को सदन में लाने से पहले विपक्ष को भी विश्वास में लिया गया होता । दुर्भाग्य ये है कि सरकार देश का ही नहीं विपक्ष का भी विश्वास नहीं चाहती। सरकार का अपना आत्मविश्वास है। सरकार अपने डांवाडोल आत्मविश्वास के सहारे ही आगामी चुनाव की वैतरणी पार करना चाहती है। ऐसी आत्ममुग्ध सरकार को नारी शक्ति वंदन विधेयक के पारित होने पर मेरी भी बधाई और शुभकामनाएं। नारी शक्ति वंदन विधेयक के पक्ष में में 454 वोट पड़े, जबकि इसके विरोध में 2 मत पड़े। जाहिर है कि पूरा देश नारी शक्ति की वंदना करना चाहता है। ख़ुशी की बात ये है कि इस विधेयक के लोकसभा में बहुमत से पारित होने पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी खुश हुए। उन्होंने अपनी ख़ुशी ट्वीट कर जाहिर की। बेहतर होता कि वे अपनी ख़ुशी और विपक्ष के सहयोग के प्रति अपनी कृतज्ञता लोकसभा में ही जाहिर करते। लेकिन अवतारी लोग ऐसा करते तो शान नहीं चली जाती ? इस विधेयक के खिलाफ मतदान करने वाले एआइएमआइएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और उनकी ही पार्टी के सांसद इम्तियाज जलील ने भी यदि विधेयक के समर्थन में मतदान किया होता तो इससे सोने में सुहागा कहा जाता। जाहिर है कि लोकसभा में पारित नारी शक्ति विधेयक आधा -अधूरा और आकाश कुसुम जैसा आभासी है किन्तु अढ़ाई आबादी के अधिकारों को रेखांकित करने वाला तो है ही । तमाम विसंगतियों और असहमतियों के बावजूद इस विधेयक पर एकजुटता की आवश्यकता थी,औवेसी को इस मुद्दे पर अपनी असहमति के साथ भी विधेयक के साथ खड़ा होना था। इस जेबी संगठन की असहमति और खिलाफत से अब एक ही अर्थ निकला जाएगा कि ये संगठन और इसके नेता नारी शक्ति की वंदना के खिलाफ हैं या नारी शक्ति से भय खाते हैं। विधेयक की विसंगतियों पर देश के अधिकाँश राजनितिक दलों ने बहस के दौरान उँगलियाँ उठाई । सरकार की जमकर धुलाई भी की लेकिन अंततः विधेयक का स्मार्थन किया। उन दलों ने भी जो अतीत में इस विधेयक कि विसंगतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते हुए इसकी खिलाफत करते रहे हैं। यहां खास तौर पर मै समाजवादी पार्टी,बहुजन समाज पार्टी ,राजद, जेडीयू का उल्लेख करना चाहता हूँ।

देश की आधी आबादी को इस विधेयक के लोकसभा में पारित होने के बाद ज्यादा खुश होने की आवश्यकता नहीं है । अभी इसे राज्य सभा में भी जाना है । वहां भी ईश्वर करे ये विधेयक पारित हो जाये ताकि देश की संसद पर महिला विरोधी होने का कलंक न लगे। इस विधेयक के कानून बनने से भी देश की आधी आबादी का कुछ कल्याण नहीं होने वाला । ये विधेयक काल्पनिक है । इसके अमल में आने के लिए देश की महिलाओं को लम्बी प्रतीक्षा करना होगी। पहले लोकसभा और विधान सीटों का परिसीमन होगा,फिर जनगणना होगी तब कहीं जाकर तय किया जाएगा कि किसको कितना आरक्षण मिले ? भारत दुनिया के तमाम देशो की तरह आज भी पितृ सत्तात्मक देश है । हालाँकि देश के कुछ हलकों में मातृ सत्ता को भी प्रमुखता दी जाती है ,किन्तु इनकी संख्या बहुत कम है। देश कि पितृ सत्तात्मक प्रवृत्ति ने ही आजादी के 75 साल बाद भी महिलाओं को उनके अधिकारों से वांछित रखा । इस मामले में देश के सभी राजनितिक दलों का चरित्र कमोवेश एक जैसा ही रहा। कांग्रेस ने महिलाओं को स्थानीय निकायों और पंचायतो में 33 फीसदी आरक्षण देकर आधी आबादी को उनका हक देने का श्रीगणेश भी किया लेकिन वो भी अपने लम्बे कार्यकाल में इस क़ानून को विधानसभाओं और लोक सभा के लिए लागू नहीं करा सकी। जब तक उसके पास संख्या बल नहीं था और तब भी जबकि उसके पास अकूत संख्या बल था । आज की सरकार से तब भी ज्यादा। आज की सरकार का नेतृत्व कर रही भाजपा के पास तो कुल 303 सीटें हैं जबकि 1984 में कांग्रेस के पास 404 सीटें थी । इस आंकड़े तक शायद ही भाजपा कभी पहुँच पाए। कांग्रेस भी चाहती तो उसी समय नारी शक्ति की वंदना करने के लिए आरक्षण विधेयक ला सकती थी,किन्तु कांग्रेस ने ये अवसर खो दिय। बाद में न उसके पास 1984 जैसा प्रचण्ड बहुमत मिला और न ये विधेयक पारित हो पाया। कांग्रेस ने इस विधेयक को क़ानून बनवाने के लिए भरपूर कोशिश भी की लेकिन कांग्रेस के किसी भी नेतृत्व ने अपने आपको अवतार नहीं बताया और हमेशा सदन कि भावनाओं का सम्मान करते हुए आगे बढ़ी। कांग्रेस भी चाहती तो आज की तरह एक आधा-अधूरा और काल्पनिक विधेयक पारित करा सकती थी ,लेकिन कांग्रेस भाजपा की तरह दुस्साहसी पार्टी नहीं है। आज की तारीख में तो बिलकुल नहीं है। कांग्रेस के हाथों में भी जनता की आँखों में किसी समय काफी धूल हुआ करती थी किन्तु आज ये धूल सत्तारूढ़ भाजपा के हाथों में है जो उसने बड़ी ही एहतियात के साथ देश कि महिलाओं की आँखों में झौंक दी है। अब देश की महिलाएं जब तक इस धूल को साफ़ करेंगी तब तक एक आम चुनाव और हो चुकेगा। उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा । उसके लिए उन्हें फिर एक चुनाव का इन्तजार करना पडेगा।

आने वाले दिन चुनावों के दिन है। चुनावों में राजनितिक दल जनता की आँखों में धूल झौंकने का दुस्साहस करते आये हैं। राजनीतिक दल कभी धूल झौंकते हैं,कभी झुनझुने बजाते हैं ,कभी लालीपॉप बांटते हैं। सतर्कता जनता को बरतना होती है। जहाँ भी जनता असावधान होती है वहां उसके न अच्छे दिन आते हैं और न खतों में पंद्रह लाख रूपये। न महंगाई रुकती है और न बेरोजगारी। सियासत दुकानदारी में बदल जाती है। हर राजनितिक दल जनता को हिप्टोनाइज कर अपना उल्लू सीधा करना चाहता है । कर भी लेता है। अब जिसके हाथ में उल्लू आता है वो हर शाख पर उल्लुओं को बैठा देता है। आपके इर्दगिर्द देखिये ,हकीकत सामने आ जाएगी। नारी शक्ति की वंदना का विधेयक लेकर आयी सरकार के सामने ही मणिपुर जलता है । हरियाणा दहकता है। दलितों के सर पर मूत्राभिषेक किया जाता है ,किन्तु ये सरकार न लज्जित होती है और न माफ़ी मांगती है। गौर करने वाली बात श्रीमती सोनिया गांधी की है सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस महिला आरक्षण बिल का समर्थन करती है, मैं इस बिल के समर्थन में खड़ी हूं , यह मेरी जिंदगी का मार्मिक समय है। पहली बार निकाय चुनाव में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने वाला बिल मेरे जीवनसाथी राजीव गांधी ही लाए थे। बाद में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में ये विधिक आया। उसका नतीजा है कि आज देशभर के स्थानीय निकायों में हमारे पास 15 लाख चुनी हुई महिला नेता हैं। राजीव गांधी का सपना अभी आधा ही पूरा हुआ है, इस बिल के पास होने के साथ ही वह पूरा होगा। कांग्रेस पार्टी इस बिल का समर्थन करती है। हमें इस बिल के पास होने की खुशी हैं, लेकिन एक चिंता भी है. मैं सवाल पूछना चाहती हूं कि पिछले 13 साल से महिलाएं राजनीतिक जिम्मेदारी का इंतजार कर रही हैं। अभी उनसे और इंतजार करने के लिए कहा जा रहा है। बहरहाल पूरा देश चाहता है कि युगावतार झूठ से बाहर आकर सच के साथ देश की सेवा करें। 2047 तक ही क्यों पूरी सदी तक करें। देश को तो सेवा से मतलब है ,सेवकों की शक्ल-सूरत और कद -काठी से नहीं ।वे कीचड़ में सने हैं या उनके हाथ में लालटेन है ,इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे उम्मीद है कि विधेयक पर विपक्ष की और से मिले सहयोग के लिए सत्ता उस जर्सी गाय का भी आभार मानेगी जो अभी भी सदन की सदस्य है । उस पांच करोड़ की गर्ल फ्रेंड रखने वाले शशि थरूर का भी आभार मानेगी जो अभी भी चुनकर सदन में बैठे है। सरकार को चारा घोटाले में सजा काट रहे लालू यादव की पार्टीका भी आभार मानना चाहिए। सरकार के ऊपर बंगाल की ममता ,बिहार की जेडीयू ,पंजाब की आप और केरल की वामपंथी सरकार का भी अहसान चढ़ गया है। इस अहसान को उतारने की नहीं बल्कि इसे सम्मान देने की जरूरत है ताकि देश आम सहमति से विकास के रस्ते पर आगे बढ़ सके।

27 साल से इंतजार में है महिला आरक्षण व्यवस्था

डॉ श्रीगोपाल नारसन

सन 1996 के बाद से कई बार महिला आरक्षण विधेयक संसद के पटल पर रखा गया और हर बार इसे विरोध का ही सामना करना पड़ा।सन 2019 के लोकसभा चुनाव से भी दो साल पहले सन 2017 में कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम महिला आरक्षण विधेयक को लेकर पत्र लिखा था। महिला आरक्षण बिल 2010 के राज्यसभा से पास होने के बाद भी लोकसभा में पेश नहीं हो सका था, इसी वजह से अभी तक यह महिला आरक्षण विधेयक अधर में लटका हुआ है। महिला आरक्षण विधेयक का सिलसिला 12 सितंबर सन 1996 से शुरू हो गया था,उस समय भी यह बिल पटल पर रखा गया, लेकिन सदन में विरोध के कारण यह विधेयक पास नहीं हो सका , इसके बाद सन 1999,सन 2003,सन 2004 और सन 2009 में भी महिला आरक्षण बिल के पक्ष में माहौल नहीं बन सका, इस कारण यह विधेयक पास नहीं हो सका।लेकिन अब नई संसद में कदम रखते ही फिर महिला आरक्षण विधेयक उस समय चर्चाओं में आ गया जब इसे पुनः लोकसभा के पटल पर रखा गया।महिला आरक्षण की बाबत बिल लाने की बात एक दिन पहले ही पुरानी संसद में कांग्रेस ने की थी। इस मुद्दे पर आखिरी बार कुछ सार्थक कदम सन 2010 में उठाया गया था, जब राज्यसभा ने हंगामे के बीच बिल पास कर दिया था और मार्शलों ने कुछ सांसदों को बाहर कर दिया था, जिन्होंने महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का विरोध किया था, हालांकि यह विधेयक रद्द हो गया क्योंकि यह बिल लोकसभा से पारित नहीं हो सका था। जब संसद के पटल पर पहली बार सन 1996 में महिला आरक्षण बिल रखा गया था, उस समय में एचडी देवगौड़ा की सरकार थी। उक्त महिला आरक्षण बिल को विरोधों का सामना करना पड़ा था।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया। इस विधेयक में महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण किया गया है। लोकसभा में भी अब महिलाओं के लिए 181 सीटें आरक्षित होंगी।महिलाओं को लोकसभा और अलग-अलग राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। यह कानून बनने के बाद सदन में महिलाओं की संख्या कम से कम 33 प्रतिशत बढ़ जाएगी। महिला आरक्षण की अवधि 15 साल तक के लिए नियत की गई है। भविष्य में इसकी अवधि बढ़ाने का अधिकार लोकसभा के पास होगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल मंजूर हुआ तो लोकसभा और राज्यसभा के साथ राज्यों की विधानसभाओ की तस्वीर बदल जाएगी। अभी तक देश के आधे से अधिक राज्यों की विधानसभाओ में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 10 प्रतिशत से भी कम है। हिमाचल और पुडुचेरी जैसे राज्यों में तो सिर्फ एक-एक महिला विधायक है।देश के विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं में महिला विधायकों की संख्या भी बढ़ जाएगी। जिससे देश की राजनीति भी बदलेगी। एक बदलाव और होने की उम्मीद है, वह यह कि अब रानी की कोख से सिर्फ राजा नहीं निकलेगा, बल्कि गरीब-गुरबा के पेट से रानी भी पैदा हो सकेगी। जब से लोकतंत्र में हक मिला है तब गरीब की कोख से निकले बेटे राजा बनते रहे है। परन्तु अब बेटियां या फिर माताएं बहने भी जनप्रतिनिधि बन सकेंगी। अभी तक देश की 19 राज्यों की विधानसभाओ में महिलाओं की भागीदारी 10 प्रतिशत से भी कम है। महिलाओं की भागीदारी का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 68 सदस्यों वाली हिमाचल प्रदेश की विधानसभा में सिर्फ एक महिला विधायक है। पिछले 50 साल में हिमाचल से सिर्फ तीन महिला लोकसभा सांसद बनी है। 30 सदस्यों वाली पुडुचेरी विधानसभा में भी सिर्फ एक महिला विधायक है। उत्तराखंड की 70 सीटों वाली विधानसभा में कभी भी महिला विधायकों की संख्या आठ से अधिक नहीं हुई है। बड़े राज्यों में भी महिलाओं को उनकी आबादी के हिसाब से प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है। 33 प्रतिशत महिला आबादी को आरक्षण मिले तो उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 132 सीटों पर महिलाओं पर कब्जा हो जाएगा। अभी तक 403 विधायकों वाली विधानसभा में सिर्फ 48 महिलाएं विधायक हैं। उत्तर प्रदेश से महिला आरक्षण लागू होने पर 26 महिलाएं लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर सकेगी। बिहार विधानसभा में 243 सीटें हैं और फिलहाल 26 महिला विधायको की सदन में मौजूदगी है। महिला आरक्षण विधेयक पारित होते ही 80 सीटों पर महिलाओ की दावेदारी होगी। जबकि लोकसभा में 13 महिलाएं बिहार से चुनी जाएंगी। मध्यप्रदेश की 230 सदस्यों वाली विधानसभा में भी 76 महिला विधायक चुनी जाएंगी। मध्यप्रदेश में लोकसभा की 29 सीट है, इस दृष्टि से 10 सीटों पर महिलाओं का कब्जा होगा। 288 विधानसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में सिर्फ 23 महिला विधायक हैं। 48 लोकसभा सीटों में 8 पर महिलाओं को सन 2019 में जीत मिली थी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल 2023 पारित होने पर विधानसभा में 96 और लोकसभा में 16 महिलाएं महाराष्ट्र से चुनी जाएंगी।इसी तरह राजस्थान की 203 सदस्यों वाली विधानसभा में महिला विधायकों की संख्या 27 है, जबकि 3 महिलाएं ही लोकसभा में राज्य से चुनी गईं है। राजस्थान में लोकसभा की 25 सीटें हैं। महिला आरक्षित होने के बाद राज्य से 8 महिला सांसद चुनी जाएंगी और विधानसभा में भी 66 महिला सदस्य चुनी जाएंगी। अभी तक दिल्ली विधानसभा में सिर्फ 8 महिलाएं हैं, जबकि कुल सीटों की संख्या 70 है।महिला बिल पास होने पर दिल्ली में 23 महिलाएं विधायक होंगी व 3 महिलाएं सांसद चुनी जाएंगी। 117 विधायकों वाले पंजाब में भी 39 सीटों पर महिलाओं का कब्जा होगा। 2022 में हुए चुनाव के दौरान पंजाब विधानसभा में सिर्फ 13 महिलाओं को जीत मिली थी।

चिलचिलाती जलवायु

विजय गर्ग

कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के अनुसार, जून से अगस्त तक फैली यह गर्मी वैश्विक स्तर पर सबसे गर्म रही, औसत तापमान 16.77 डिग्री सेल्सियस रहा, जो ऐतिहासिक औसत से 0.66 डिग्री सेल्सियस अधिक है। दुनिया भर के उपग्रहों, जहाजों, विमानों और मौसम स्टेशनों से एकत्र किए गए व्यापक डेटा पर आधारित ये अभूतपूर्व निष्कर्ष, हमारे ग्रह की बिगड़ती स्थितियों की एक गंभीर तस्वीर पेश करते हैं। आँकड़े चौंका देने वाले हैं. अगस्त 2023 में, विशेष रूप से, वैश्विक-औसत सतह हवा का तापमान 16.82 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 के अगस्त के औसत को 0.71 डिग्री सेल्सियस से अधिक और 2016 में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को 0.31 डिग्री सेल्सियस से तोड़ दिया। जुलाई और जून भी पीछे नहीं रहे, हाल के इतिहास में उनके सबसे गर्म महीनों से 0.33 डिग्री सेल्सियस और 0.13 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। ये बढ़ता तापमान महज़ विसंगतियाँ नहीं है बल्कि दुनिया के लिए एक भयावह खतरे की घंटी है। इस गर्मी की जलवायु रिपोर्ट के सबसे चिंताजनक पहलुओं में से एक समुद्र की सतह के तापमान में लगातार वृद्धि है। अगस्त 2023 में सभी महीनों में सबसे अधिक वैश्विक मासिक औसत समुद्री सतह का तापमान देखा गया, जो 20.98 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जो अगस्त के औसत से 0.55 डिग्री सेल्सियस अधिक था। इस चिंताजनक प्रवृत्ति के साथ, भूमध्यरेखीय पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में अल नीनो की स्थितियाँ विकसित होती रहीं, जिससे वैश्विक जलवायु उथल-पुथल में योगदान हुआ। ध्रुवीय बर्फ की स्थिति भी उतनी ही चिंताजनक है। अंटार्कटिक समुद्री बर्फ का स्तर रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिर गया, जिससे मासिक मूल्य औसत से 12 प्रतिशत कम दर्ज किया गया, जो उपग्रह अवलोकन की शुरुआत के बाद से अगस्त के लिए सबसे बड़ी नकारात्मक विसंगति है। हालांकि आर्कटिक समुद्री बर्फ का स्तर थोड़ा बेहतर रहा, लेकिन यह औसत से 10 प्रतिशत कम रहा, फिर भी सुरक्षित स्तर से काफी दूर है। ये परेशान करने वाले आंकड़े हमसे तत्काल ध्यान देने और ठोस वैश्विक कार्रवाई की मांग करते हैं। इसके अलावा, दुनिया ने अगस्त 2023 के दौरान महत्वपूर्ण जल विज्ञान संबंधी उतार-चढ़ाव का अनुभव किया। मध्य यूरोप और स्कैंडिनेविया को औसत से अधिक आर्द्र परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप भारी वर्षा और विनाशकारी बाढ़ आई। पूर्वी यूरोप भी अत्यधिक नमी से जूझ रहा है। इसके विपरीत, दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका, उत्तरी मेक्सिको, एशिया के बड़े हिस्से और अधिकांश दक्षिण अमेरिका औसत से अधिक शुष्क परिस्थितियों से पीड़ित थे। वर्षा पैटर्न में इन अनियमित बदलावों से आजीविका, कृषि और जल संसाधनों को खतरा है, जो जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित करता है। एक राष्ट्र के रूप में भारत वैश्विक जलवायु परिवर्तन के परिणामों से अलग नहीं रह सकता। हिमालयी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हाल की घटनाएं, जहां अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन ने कहर बरपाया, दुखद अनुस्मारक के रूप में काम करती हैं। जलवायु संबंधी आपदाएँ बढ़ रही हैं, और भारतीय शहर अक्सर तापमान रिकॉर्ड टूटने के गवाह बन रहे हैं। स्थिति गंभीर है, और यह कार्रवाई की तात्कालिकता का प्रमाण है। दुर्भाग्य से, भयावह रूप से बढ़ती जा रही दुर्दशा का कोई अंत नहीं दिख रहा है। कॉपरनिकस जलवायु परिवर्तन सेवा की उप निदेशक सामंथा बर्गेस ने एक सख्त चेतावनी जारी की है जिसकी गूंज विश्व स्तर पर होनी चाहिए। वह कहती हैं, वैज्ञानिक साक्ष्य जबरदस्त हैं - जब तक हम ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बंद नहीं कर देते, तब तक हम अधिक जलवायु रिकॉर्ड और समाज और पारिस्थितिक तंत्र पर अधिक तीव्र और लगातार चरम मौसम की घटनाओं को देखना जारी रखेंगे। यह स्पष्ट घोषणा इसे पुष्ट करती हैजलवायु संकट का डटकर मुकाबला करने की जिम्मेदारी हम सभी पर है। ग्लोबल वार्मिंग को संबोधित करना एक ऐसा प्रयास है जिसके लिए राष्ट्रों, समुदायों और व्यक्तियों के एकजुट प्रयासों की आवश्यकता है। निष्क्रियता के परिणाम इतने भयानक होते हैं कि उन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। हमें एंटोनियो गुटेरेस के शब्दों पर ध्यान देना चाहिए, जो बुद्धिमानी से कहते हैं, हमारे पास खोने के लिए एक पल भी नहीं है। जलवायु परिवर्तन का ख़तरनाक ख़तरा मंडरा रहा है और इसके प्रभाव हमारी आँखों के सामने आने लगे हैं। हम आत्मसंतुष्ट होने का जोखिम नहीं उठा सकते; हमें अब कार्रवाई करनी चाहिए. सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वच्छ, अधिक टिकाऊ ऊर्जा स्त्रोतों की ओर परिवर्तन और परिवहन, उद्योग और कृषि में पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाना आवश्यक कदम हैं। दुनिया भर की सरकारों को उत्सर्जन पर अंकुश लगाने और टिकाऊ प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कड़ी नीतियां लागू करनी चाहिए। शिक्षा और जागरूकता भी समाधान के प्रमुख घटक हैं।

विचार-निर्विचार, चिंतन-अचिंतन

पूरा विश्व, विचारों पर चलता है, सारे आविष्कार, युध्द, आतंकवाद, साहित्य सृजन, भाषण, प्रवचन, तू-तू, मैं-मैं सब विचारों की देन है। विचार ही सब कार्यों को अंजाम देता है। भक्ति, प्रार्थना, व्यवहार, सेवा सब विचारों की देन है। हम सोचते हैं तो करते हैं होता है। अब प्रश्न यह है कि विचार कैसे हो, दो श्रेणियों में बांटा गया है उन्हें, सकारात्मक, नकारात्मक, सकारात्मकता निर्माण करती है, नकारात्मकता विध्वंस, मनुष्य ने सभ्यता को ऊंचाई तक पहुंचाया है एक तरफ तो दूसरी तरफ नृशंसता के गर्त में भी। जैसे विचार वैसा वातावरण और वृत्त। विचार करना सुविचार करना कोई किसी को जबरदस्ती नहीं सीखा सकता क्योंकि संस्कार, लालन-पालन, शिक्षा, मनन-चिंतन, संगति, वातावरण से विचारों में परिवर्तन होता है। पता नहीं यह दुनिया कब से बनी है, मनुष्य ने सोचना कब से शुरू किया, उसमें कैसे-कैसे परिवर्तन होते गया यह एक बड़ा गूढ़ विषय है। इस पर शास्त्र रचे जा सकते हैं। विचारों ने ही तो इतना ज्ञान इस विश्व को दिया है विज्ञान, साहित्य, शिक्षा, राजनीति, धर्म, कानून, जैसे-जैसे आवश्यकताएं होती गई या बढ़ती गई सब आविष्कार या रचना होती गई। आतंकवाद, विस्तारवाद, युध्द भी विचारों का खेल है। नेतृत्व के गलत विचारों का खामियाजा पूरे देश को देना होता है, कौम हो देना होता है। धार्मिक उन्माद भी कुछ गलत विचारों की देन है। बुध्दिहीन या कम बुध्दि वाले लोगों को बुध्दिमान चालाक लोग भेड़ों की तरह हांक कर अपने ढंग से उपयोग या दुरुपयोग करते हैं। इन्सान का अपना वजूद जब कमजोर होता है तो वह हिप्मोटाइज हो जाता है दूसरों से और पीछे-पीछे चलने लगता है, उसे पता नहीं होता कि वह कुएं में जाएगा या खाई में। हर कर्म के पीछे विचार होता है। सत्कर्म और बुरे कर्म। बिना विचारे कोई कुछ नहीं करता, यह अलग बात है कि कितनी गहराई और गंभीरता से विचार किया जाता है। आदमी हमेशा विचारों के हिंडोले में हिचकोले खाता रहता है, कभी आनंददायक कभी दुख देने वाले विचारों से स्वास्थ्य, विचार से रोग, वीरोचित कार्य कायराना कार्य। इसलिए विचारों को सुधार लीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। मेडिकल इंसान और रिसर्च में भी यही पाया गया है कि रोग विचारों की देन है नकारात्मक विचारों की। सकारात्मक विचारों से, आशा, विश्वास से लोग निरोग होते देखे गए हैं। गीता में कहा गया है चित्त वृध्दि निरोध की स्थिति में आना याने सब दृष्टि से संतुलन, शांति, आनंद, निर्भयता में जीना।

राजस्थान में अपनों से परेशान भाजपा

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में विधानसभा के चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं वैसे-वैसे भाजपा की अंदरूनी मुश्किलें बढ़ती जा रही है। एक तरफ भाजपा राजस्थान में चार अलग-अलग क्षेत्र में परिवर्तन संकल्प यात्राओं का आयोजन कर चुनावी माहौल बनाने में जुटी हुई हैं। वही पार्टी के वरिष्ठ नेता पार्टी को लगातार संकट में डाल कर परेशान कर रहे हैं। पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता रहे कैलाश मेघवाल पार्टी के लिए गले की फांस बने हुए हैं। हालांकि भाजपा ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया है और आने वाले समय में उनका पार्टी से निष्कासन तय माना जा रहा है। कैलाश मेघवाल प्रकरण से भाजपा को बेवजह शर्मिंदगी तो उठानी पड़ी ही साथ ही डैमेज कंट्रोल भी करना पड़ रहा है। इसका कारण केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल है। अर्जुन राम मेघवाल शुरू से ही विवादों में रहे हैं। उनके चलते बीकानेर क्षेत्र में पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे देवीसिंह भाटी को पार्टी छोड़नी पड़ी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में देवीसिंह भाटी ने अर्जुनराम मेघवाल पर उनकी पुत्रवधू पूनम कँवर भाटी को चुनाव में हरवाने का आरोप लगाया था। मेघवाल अपने पुत्र रविशेखर को जिला परिषद का चुनाव लड़वा कर भी काफी विवादों में रहे थे। हालांकि उनका पुत्र रवि शेखर राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल की पत्नी आशा देवी से 2783 वोटो से हार गया था। अर्जुन राम मेघवाल का पुत्र रवि शेखर भी अक्सर विवादों में बना रहता है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समर्थक देवीसिंह भाटी भैरोंसिंह शेखावत व वसुंधरा सरकार में मंत्री रह चुके हैं। उनका बीकानेर क्षेत्र में खासा प्रभाव माना जाता है। पिछले दिनों उन्होंने भाजपा में शामिल होने का प्रयास किया था। मगर अर्जुनराम मेघवाल ने उनके भाजपा प्रवेश में अड़ंगा लगा दिया था। उसके बाद भाटी ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल से मिलकर राजनीतिक गठबंधन बनाने के संकेत दिए थे। यदि देवीसिंह भाटी हनुमान बेनीवाल के साथ चुनावी गठबंधन बनाते हैं तो उसका नुकसान भाजपा को ही उठाना पड़ेगा। पिछले दिनों जोधपुर जिले के सूरसागर से विधायक सूर्यकांता व्यास ने केंद्रीय मंत्री व जोधपुर के सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत पर हमला बोलकर पार्टी में पनप रही गुटबाजी को और हवा दे दी है। कुछ दिनों पूर्व भाजपा की वरिष्ठ विधायक सूर्यकांता व्यास ने अपनी मांगों को पूरा करने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का सार्वजनिक रूप से आभार जताया था। जिससे खफा होकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सूर्यकांता व्यास पर व्यंग्य कसते हुए कहा था कि बच्चे और बूढ़े का मन एक सा हो जाता हैं। उनके कही बातों को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। इस पर सूर्यकांता व्यास खफा हो गई थी और उन्होंने गजेंद्र सिंह के बहाने भाजपा आलाकमान को चेतावनी दे डाली की 93 साल की उम्र में भी वह अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी भी और जीतेगी भी। चुनावी समय में इस तरह की बातों से पार्टी का माहौल खराब होता है। एक तरफ माहौल बनाने के लिए भाजपा दूसरे दलों के नेताओं व पूर्व ब्यूरोक्रेट्स को पार्टी में शामिल करवा रही है। वहीं दूसरी तरफ उनके अपने ही वरिष्ठ नेताओं की बयान बाजी पार्टी पर भारी पड़ रही है। कैलाश मेघवाल, देवीसिंह भाटी, सूर्यकांता व्यास यह सभी नेता पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नजदीकी माने जाते हैं। इनको लेकर पार्टी में बेवजह चल रही बयानबाजी से वसुंधरा राजे भी नाराज बताई जा रही है। वसुंधरा राजे समर्थकों का मानना है कि भाजपा के नेताओं द्वारा ही वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ बेवजह बयानबाजी कर उनकी उपेक्षा करने से पार्टी कमजोर होगी।

अर्जुन राम मेघवाल, गजेंद्र सिंह शेखावत जैसे नेता जो केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री भी है। उनको तो सबको साथ लेकर चलने की नीति अपनानी चाहिए। मगर वरिष्ठ नेता स्वयं ही बेवजह की बयान बाजी कर विवादों को जन्म दे रहे हैं। राजस्थान भाजपा में चल रहे मौजूदा घटनाक्रम के कारण ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने जन संकल्प परिवर्तन यात्राओं से भी दूरी बना ली है। उनके समर्थक भी यात्राओं में नाम मात्र की उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। एक तरफ तो भाजपा सुभाष महरिया, ज्योति मिर्धा, सवाईसिंह चौधरी जैसे दिग्गज जाट नेताओं को पार्टी में शामिल करवा कर प्रदेश में कांग्रेस को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। दूसरी तरफ उनके अपने ही नेता पार्टी में एक दूसरे की टांग खींचने में लगे हुए हैं। भाजपा में व्याप्त अंदरूनी गुटबाजी को थामने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कई बार राजस्थान का दौरा कर मीटिंग ले चुके हैं। उसके उपरांत भी भाजपा में आपसी टांग खिंचाई पर रोक नहीं लग पाई है।

राजस्थान में भाजपा के पास पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अलावा ऐसा कोई लोकप्रिय चेहरा नहीं है जिनको आगे कर वह चुनाव जीत सके। भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे को चेहरा बनाकर चुनाव नहीं लड़ना चाहता है। इसी कारण पार्टी सामूहिक नेतृत्व की बात कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान की कमान अपने हाथों में थाम रखी है। वह चाहते हैं कि अगला विधानसभा चुनाव उनके चेहरे व कमल के निशान पर लड़ा जाए। किसी एक को नेता प्रोजेक्ट नहीं किया जाए। इसी के लिए प्रधानमंत्री स्वयं बार-बार राजस्थान की यात्रा कर जन सभाओं को संबोधित कर रहे हैं जिससे भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया जा सके। राजस्थान में भाजपा पहले वरिष्ठ नेताओं के टिकट काटना चाहती थी। मगर जिस तरह से कैलाश मेघवाल, सूर्यकांता व्यास ने खुलकर चुनाव लड़ने की बात कही है उससे पार्टी आलाकमान को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। कैलाश मेघवाल व सूर्यकांता व्यास 90 साल से अधिक उम्र के होने के बावजूद पूरी तरह राजनीति में सक्रिय है। यदि भाजपा आलाकमान अगले विधानसभा चुनाव में इन नेताओं के टिकट काटता है तो कर्नाटक की तरह राजस्थान में भी वरिष्ठ नेता बगावत कर सकते हैं। कैलाश मेघवाल, सूर्यकांता व्यास सहित बहुत से वरिष्ठ नेताओं का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से संपर्क बना हुआ है। जिससे भाजपा को आशंका होने लगी है कि यदि इनका टिकट काटा गया तो वो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ मिलकर चुनाव लड़ सकते हैं। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में करारी हार झेलने के बाद भाजपा आलाकमान भी हर कदम सोच समझ कर उठाने को मजबूर हो गया है। पार्टी आलाकमान को इस बात का एहसास हो गया है कि राजस्थान का मौजूदा नेतृत्व विधानसभा चुनाव जीतवाने में सक्षम नहीं है। जब तक पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को साथ नहीं लिया जाएगा तब तक राजस्थान में कांग्रेस को हरा पाना मुश्किल होगा। मौजूदा राजनीतिक समीकरण से लग रहा है कि अब भाजपा पुराने नेताओं को फिर से टिकट देने जा रही है। पार्टी नेतृत्व नहीं चाहता है की टिकट काटकर नेताओं को बगावत का अवसर दिया जाए राजस्थान विधानसभा का चुनाव जीतना है तो भाजपा आलाकमान को अर्जुन राम मेघवाल, गजेंद्र सिंह शेखावत जैसे बयानवीर नेताओं के बयानों पर रोक लगानी होगी। पार्टी में सौम्य छवि व जनाधार वाले नेताओं को आगे कर चुनाव मैदान में उतरना होगा। तभी भाजपा मजबूत हो पाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी यशोभूमि से 2024 के लिए बड़ा राजनीतिक संदेश देने में सफल रहे

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जितने भी लोकार्पण कार्यक्रम किये हैं उन सभी अवसरों पर सर्वप्रथम वह श्रमिकों का सम्मान करते हैं व उनका मनोबल बढ़ाते हैं। यशोभूमि में भी उन्होंने सर्वप्रथम वहां काम करने वाले सभी प्रकार के विश्वकर्मा भाई बहनों से बातचीत की और उनका मनोबल बढ़ाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर राजधानी दिल्ली में एशिया के सबसे बड़े प्रदर्शनी व कांफ्रेंस सेंटर यशोभूमि राष्ट्र को समर्पित करते हुए इसी नवीन प्रांगण से 18 प्रकार के पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों की लाभ पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के माध्यम से सुथर, बढ़ई, नाव निर्माता, अस्त्रकार, लोहे का काम करने वाले, टोकरी, चटाई, झाड़ू बनाने वाले, कॉयर बुनकर, गुड़िया और खिलौना निर्माता, पारंपरिक सुनार, कुम्हार, जूते बनाने वाले, हथौड़ा और टुलकिट निर्माता, ताला बनाने वाले, मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाले, पत्थर तोड़ने वाले राजमिस्त्री, बाल काटने वाले, मालाकर, कपड़े धोने वाले, दर्जी, मछली पकड़ने का जाल बनाने वाले आदि कार्य कार्य करने वाले हुनरमंद भाई बहनों को 3 लाख तक बिना गारंटी ऋण देने की घोषणा की है। विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत स्किल अपग्रेडेशन के लिए ट्रेनिंग और 500 रुपये का स्टाइपेंड भी दिया जाएगा और यह हुनरमंद अपने हाथों से जो उत्पाद तैयार करेंगे उन तैयार उत्पादों के लिए क्वालिटी सर्टिफिकेशन, ब्रांडिंग और उनकी मार्केटिंग में भी सरकार की ओर से सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। प्रारम्भिक चरण में विश्वकर्मा योजना में 13000 करोड़ रुपये जारी किये हैं। यह योजना तीन लाख कामगारों के लिए विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर एक अनुपम उपहार है। यह माना जा रहा है कि इस योजना से 30 लाख परिवारों की वित्तीय स्थिति में बड़ा परिवर्तन आएगा। इस योजना से छोटे व्यवसायों और श्रमिकों को अपना व्यापार बढ़ाने और आर्थिक स्थिति सुधारने में भी मदद मिलेगी।

समाज के लाखों पारंपरिक कौशल वाले भाई-बहनों के लिए विश्वकर्मा योजना आशा की नई किरण बनकर आई है। इस योजना के माध्यम से भारत के स्थानीय सामान को वैश्विक बनाने में भी बहुत सहयोग मिलेगा। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र ने उपस्थित विश्वकर्माओं को संबोधित करते हुए कहा कि जब बैंक आपको गारंटी नहीं मानता है तो मोदी आपको गारंटी देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई विश्वकर्मा योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति, अनुसचित जनजाति व समाज के वंचित वर्ग के लोगों का मन जीतने की भी एक बड़ी पहल की है। यह पारंपरिक कार्य करने वाले अधिकतर कारीगर व शिल्पकार समाज के लोग इन्हीं वर्गों से आते हैं। भारतीय जनता पार्टी समाज के इन वर्गो को सशक्त करने के लिए संकल्पवान है क्योंकि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का युग प्रारम्भ हुआ है और उसके पूर्व से भी समाज का यह वर्ग भाजपा के साथ जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यशोभूमि के लोकार्पण और विश्वकर्मा योजना के शुभारम्भ के उपलक्ष्य पर गहरे राजनैतिक निहितार्थ वाला वक्तव्य दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह विशिष्ट कार्यशैली रही है कि अब तक उन्होंने जितने भी लोकार्पण कार्यक्रम किये हैं उन सभी अवसरों पर सर्वप्रथम वह श्रमिकों का सम्मान करते हैं व उनका मनोबल बढ़ाते हैं। यशोभूमि में भी उन्होंने सर्वप्रथम वहां काम करने वाले सभी प्रकार के विश्वकर्मा भाई बहनों से बातचीत की और उनका मनोबल बढ़ाया।

प्रधानमंत्री ने अपने कार्यकाल में भारत मंडप और यशोभूमि जैसे सेंटर दिये हैं जो विकसित भारत का स्वप्न तो पूरा करेंगे ही साथ ही आगामी समय में लाखों युवाओं के लिए रोजगार के वाहक बनेंगे। दोनों ही केन्द्रों पर विश्व भर के लोग अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, बैठकों

और प्रदर्शनियों के लिए आएंगे इससे लाखों युवाओं को रोजगार और पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों को भी काम मिलेगा। आगामी दिनों में भारत मंडप और यशोभूमि कांफ्रेंस पर्यटन के केंद्र बिंदु बनकर भी उभरने वाले हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में आगामी पर्वो को देखते हुए देशवासियों से लोकल उत्पाद खरीदने का एक बार फिर आग्रह करते हुए कहा कि जिसमें हमारे विश्वकर्मा साथियों की छाप और भारत की मिट्टी की महक हो वही उत्पाद उपयोग करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के माध्यम से सनातन संस्कृति का भी सन्देश दिया है क्योंकि हिंदू धर्म के आगामी दिनों में जितने भी पर्व व तिथियां आने वाली हैं उसमें जितनी भी छोटी से छोटी सामग्री व उत्पाद प्रयोग में लाए जाते हैं वह सभी वंचित समाज के इन्हीं पारंपरिक कारीगरों व शिल्पकारों की मदद से ही बनाये जाते हैं। एक कालखंड बीच में ऐसा भी आ गया था कि हमारे पारंपरिक कारीगर व शिल्पकार जो उत्पाद बनाते व बेचते थे उस पर चीनी उत्पादों का दबदबा होता जा रहा था और हमारे कारीगर अपनी कला छोड़ने को मजबूर हो रहे थे। नई विश्वकर्मा योजना से ऐसे ही कारीगरों की कला को नया जीवन मिलेगा। यह योजना पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए आचार संहिता लागू करने से पूर्व ही प्रारम्भ कर दी गई है और माना जा रहा है कि इन सभी राज्यों में इस योजना का प्रचार अवश्य किया जाएगा क्योंकि इस योजना के लाभार्थी चुनावी राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

जन आर्शीवाद यात्रा से मुखर हुआ समृद्धता का संदेश

निलय श्रीवास्तव

जन आर्शीवाद यात्रा का समापन पहले विभिन्न स्थानों पर 21 सितंबर को होगा इसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितम्बर को भोपाल के जम्बूरी मैदान में कार्यकर्ता महाकुंभ का आयोजन होगा। महाकुंभ को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सम्बोधित करेंगे। यहीं भोपाल में जन आर्शीवाद यात्रा का समापन हो जायेगा। जनहित में लिए गए हर एक फैसलें की समीक्षा करने तथा क्रियान्वित योजनाओं के परिणाम जानने के लिए सरकार लाख जतन कर रही है। जन आर्शीवाद यात्रा उसी के अंतर्गत एक कड़ी है। इससे यह प्रमाणित होता है कि मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार पक्षपातपूर्ण रवैया न अपनाकर आमजन के हितों को सर्वोपरि मान अपने उत्तरदायित्व का निर्वाहन पूरी निष्ठा के साथ कर रही है। इससे सरकार का मानवीय पहलू उभरकर सामने आया है।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश पहले सपना था लेकिन अब हकीकत बनकर हमारी आँखों के सामने आ चुका है। देश में मध्यप्रदेश की प्रशंसा होती है, स्वयं प्रधानमंत्री नेरेन्द्र मोदी मध्यप्रदेश की कई बार सराहना कर चुके हैं। यहाँ के जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा विकास कार्यों की वे हमेशा तारीफ करते हैं। जब कभी विकास के मामलों में लगातार पिछड़ते जा रहे राज्यों पर गहन चिंतन-मनन होता है तब मध्यप्रदेश का उदाहरण सबके सामने प्रस्तुत किया जाता है। कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश को रोल मॉडल बनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी प्रभावित हैं। शिवराज सिंह की कर्तव्यपरायणता का जिक्र वे अपने भाषण में अक्सर करते हैं। शिवराज हैं भी तारिफ के काबिल, क्योंकि अपनी अकर्मण्यता, कौशल्य के दम पर उन्होंने मध्यप्रदेश को अग्रणी स्थान दिलाया है। इसमें कोई अतिष्योक्ति नहीं कि वे यहाँ चल रहे विकास कार्यों की समय-समय पर समीक्षा करते हैं और कमी पाये जाने पर उस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के निर्देश अफसरों को देते हैं। अपनी अपार व्यस्तता के बीच समय-समय पर शिवराज सिंह प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों का भ्रमण कर वहाँ चल रहे विकास कार्यों की जानकारी लेते हैं। कमियां मिलने पर उन्हें दूर करने के फैसले तुरंत लिये जाते हैं। इस मामले में लापरवाही बरतने वाले शासकीय अमले को बर्खास्त करने के समाचार अक्सर अखबारों की सुर्खियां बनते हैं। इससे स्वतरू ही प्रमाणित होता है कि सरकार किसी भी कीमत पर प्रशासनिक लापरवाही बर्दाश्त करने के खिलाफ है। दूसरी तरफ भ्रष्टाचार के मामले मिलने पर भी सरकार का कठोर रवैया सभी ने देखा है। जन आर्शीवाद यात्रा के माध्यम से प्रदेश के लोगों के बीच पहुँचकर उनके दुख-दर्द में शामिल होकर उनकी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी लेने का अभिनव प्रयोग सिर्फ मध्यप्रदेश में ही हो रहा है। जन आर्शीवाद यात्रा राजनीति से परे हटकर प्रदेश के लोगों के बीच पहुँचने का एक अभिनव प्रयोग है। देश के किसी राज्य में शायद ही इस तरह यात्रा निकाली जाती हो। याद दिलाना होगा कि वर्ष 2017-18 के दौरान भी मध्यप्रदेश में जन आर्शीवाद यात्रा निकाली गयी थी। पूर्व की भांति इस वर्ष यह यात्रा आरम्भ हो चुकी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जन आर्शीवाद यात्रा को अपार लोकप्रियता और जन सहयोग मिल रहा है। इसे देखकर विपक्ष के लोग बौखलाये हुए हैं। विपक्ष की आलोचना, टीका-टिप्पणी को नजरअंदाज कर यह यात्रा दिनोंदिन अपने गंतव्य पर आगे बढ़ रही है। सिर्फ यह एक यात्रा नहीं बल्कि मिशन है। इस वर्ष तीन सप्ताह चलने वाली जन आर्शीवाद यात्रा प्रदेश के अनेक स्थानों से गुजरेगी। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के अन्य राजनेता सरकार की उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचा रहे हैं। यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत हो रहा है। देखा जा रहा है कि लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना, उज्जवला योजना सहित युवा वर्ग के लिये मुख्यमंत्री सीखो-कमाओं योजना से लाभांवित हुए लोग अपार उत्साह के साथ सरकार पर अपना विश्वास व्यक्त कर रहे हैं। जन आर्शीवाद यात्रा का समापन पहले विभिन्न स्थानों पर 21 सितंबर को होगा इसके बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितम्बर को भोपाल के जम्बूरी मैदान में कार्यकर्ता महाकुंभ का आयोजन होगा। महाकुंभ को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सम्बोधित करेंगे। यहीं भोपाल में जन आर्शीवाद यात्रा का समापन हो जायेगा। जनहित में लिए गए हर एक फैसलें की समीक्षा करने तथा क्रियान्वित योजनाओं के परिणाम जानने के लिए सरकार लाख जतन कर रही है। जन आर्शीवाद यात्रा उसी के अंतर्गत एक कड़ी है। इससे यह प्रमाणित होता है कि मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार पक्षपातपूर्ण रवैया न अपनाकर आमजन के हितों को सर्वोपरि मान अपने उत्तरदायित्व का निर्वाहन पूरी निष्ठा के साथ कर रही है। इससे सरकार का मानवीय पहलू उभरकर सामने आया है। सरकार से सभी को अपेक्षाएं हैं। इस खुशहाल तथा शांत प्रदेश को यदि देश के मानचित्र में विकासशील राज्य के रूप में पहचान दिलाना है तो सभी को बदले की भावना से की जा रही राजनीति को त्यागकर तथा सत्ता का मोह छोड़कर सिर्फ प्रदेश के हित के बारे में सोचना होगा। जन आर्शीवाद यात्रा जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार अपने उत्तरदायित्व का निर्वाहन कर रही है, लेकिन प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व बनता है कि वह सरकार के कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कराये। आने वाले वर्षों में हम मध्यप्रदेश में विकास का ऐसा इतिहास लिखेंगे जिसमें नौजवानों के पास काम होगा, किसानों के पास दाम होगा और महिलाओं का सम्मान होगा। याद रखना होगा कि सामाजिक द्वेष, आपसी मतभेद और धार्मिक उन्माद को भुलाकर ही हम स्वर्णिम मध्यप्रदेश की अवधारणा को पूरा कर सकेंगे। मध्यप्रदेश में लम्बे समय से मुख्यमंत्री पद पर अपनी जिम्मेदारी का निर्वाहन करने वाले शिवराज सिंह चौहान पर विरोधियों ने कई सवाल खड़े किये हैं। लेकिन कहते हैं कि साँच को आँच नहीं, आज भी वे एक यौद्धा की तरह मैदान में डटे हुए हैं तथा प्रदेशवासियों की मदद के लिये सदैव तत्पर रहते हैं। एक कुशल राजनेता का यह सबसे बड़ा सद्गुण है। प्रदेश के लोगों के दुख-दर्द जानने के लिये सिर्फ जन आर्शीवाद यात्रा ही नहीं बल्कि गांधी जी के रास्ते पर चलते हुए जनता के आँसू पोंछने वे कई बार अनशन पर भी बेठे हैं।

निणर्यों पर कानूनी बाध्यता नहीं है, इसलिए अप्रभावी नजर आता है जी-20

योगेंद्र योगी

जी-20 की बैठक में खूब तड़क-भड़क नज़र आती है। 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के प्रमुखों का जुटना, एजेंडा तय करना लेकिन गहराई से देखें तो अभी तक जी-20 से कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। इस तरह के आर्थिक प्लेटफॉर्म तभी ज़्यादा कामयाब होते हैं जब दुनिया में भूराजनीतिक तनाव कम हों। द्विपक्षीय समझौतों को छोड़ कर सामूहिक तौर पर जी-20 के सदस्यों पर कोई बाध्यता नहीं है कि वो जी-20 के मंच पर किए अपने किए वादों को निभाएं ही। जी-20 के पास भी ऐसा कोई साधन नहीं है, जिसके तहत इन वादों को लागू करने के लिए कुछ किया जा सके।

जी-20 की अब तक कि सबसे बड़ी उपलब्धि साल 2008 के आर्थिक संकट को मैनेज करना था। तब आर्थिक संकट को काबू करने में इस समूह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं जी-20 ने आईएमएफ़ और वर्ल्ड बैंक में कुछ सार्थक बदलाव भी किए। इसके बावजूद जलवायु परिवर्तन जैसे मसले हैं जिन पर पेरिस समझौते के बाद भी कुछ नहीं हुआ। जिस तरह यूनाइटेड नेशन्स में बातचीत होती है लेकिन उनके पास धन है जिसका इस्तेमाल कुछ मामलों में किया जा सकता है। जी-20 में ऐसा नहीं है। ऊपर से देखें तो जी-20 की बैठक में खूब तड़क-भड़क नज़र आती है। 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के प्रमुखों का जुटना, एजेंडा तय करना लेकिन गहराई से देखें तो अभी तक जी-20 से कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। इस तरह के आर्थिक प्लेटफॉर्म तभी ज़्यादा कामयाब होते हैं जब दुनिया में भूराजनीतिक तनाव कम हों। अभी ऐसी स्थिति है कि ये तनाव बहुत ज़्यादा हावी हैं। बड़ी शक्तियां आपस में एक दूसरे के साथ काम करने को तैयार नहीं हैं। उन्हें साथ लाना बड़ी चुनौती होती जा रही है। वैश्विक तनाव का प्रभाव केवल जी-20 पर हुआ है, ऐसा नहीं है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भी डेडलॉक है क्योंकि रूस-चीन एक तरफ़ हैं और पश्चिमी देश एक तरफ़ हैं। कोविड के समय विश्व स्वास्थ्य संगठन ने काम नहीं किया क्योंकि चीन ने वहां अड़ंगे लगाए। डब्ल्यूटीओ काम नहीं कर रहा। जी-20 एक नया संगठन है, जिसमें आर्थिक हालातों को सुधारने की बात की गई है, लेकिन इसका कोई ख़ास असर विश्व पर नहीं हुआ। 1999 में गठन के बाद से समूह के अधिकांश साझे बयान बस बयान तक ही सीमित रह गए। जैसे रोम में साल 2021 शिखर सम्मेलन के दौरान जी20 नेताओं ने कहा था कि वे सार्थक और प्रभावी कार्यों के साथ ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करेंगे, विदेशों में कोयला बिजली संयंत्रों के वित्तपोषण को समाप्त करेंगे। बाद में साल 2022 में अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने बताया कि दुनिया भर में कोयला आधारित बिजली उत्पादन एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। कोयले में निवेश 10 प्रतिशत बढ़कर 150 अरब डॉलर होने की उम्मीद है। इससे कार्बनजनित प्रदूषण में बढ़ोत्तरी हुई है।

मई में हिरोशिमा में जी7 नेताओं द्वारा निरंतर जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने में तेजी लाने पर सहमति जताने के बावजूद जी20 की ओर से रोडमैप पर सहमति नहीं बन पाई। वर्ष 2021 में, जी-20 ने एक बड़े टैक्स सुधार का समर्थन किया जिसमें प्रत्येक देश के लिए कम से कम 15 प्रतिशत का वैश्विक न्यूनतम कर शामिल था। इसने नए नियमों का भी समर्थन किया जिसके तहत अमेजन् जैसे बड़े वैश्विक व्यवसायों को उन देशों में कर का भुगतान करना होगा जहां उनके उत्पाद बेचे जाते हैं, भले ही वहां उनके कार्यालय न हों। ग्लोबल टैक्स एग्रीमेंट एक बड़ा कदम था लेकिन ये अब तक

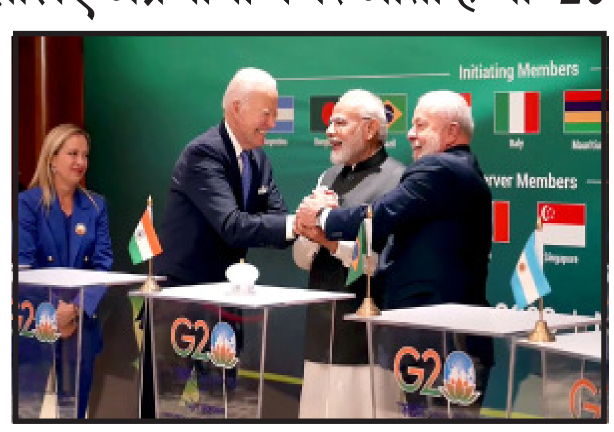

लागू नहीं हुआ। साल 1999 से पहले कुछ सालों से एशिया आर्थिक संकट से जूझ रहा था, जिसे देखते हुए जर्मनी में जी8 देशों की बैठक हुई और जी20 का गठन किया गया। इसमें सभी मजबूत अर्थव्यवस्था वाले 20 देशों के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों को बुलाया गया। संगठन का मकसद वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर आपसी चर्चा कर हल निकालना था। साल 2008 की वैश्विक मंदी के बाद यह निर्णय लिया गया कि इस बैठक में सभी देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी हिस्सा लेंगे। जी20 समिट दुनिया के 20 देशों द्वारा मिलकर बनाया गया एक शक्तिशाली ग्रुप है। साल 1999 में इसकी स्थापना की गई। इसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देशों द्वारा मिलकर आपसी सहयोग के लिए बनाया गया था। इसमें भारत, चीन, अमेरिका, रूस, जर्मनी, जापान के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, इंडोनेशिया, साउथ अफ्रीका सउदी अरब, तुर्किये, मेक्सिको, साउथ कोरिया, यूरोपीय संघ और अर्जेंटीना शामिल हैं। युरोपियन यूनियन सहित कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन इसके आमंत्रित सदस्य हैं। दिखने में जी-20 बहुत ताकतवर वैश्विक संगठन नजर आता है। इसके सदस्य देशों के पास मिलाकर दुनिया की 80 प्रतिशत जीडीपी, 60 प्रतिशत आबादी और 75 प्रतिशत ग्लोबल ट्रेड है। ऐसे में इस सम्मेलन में लिया गया फैसला दुनिया की इकोनॉमी पर बड़ा असर डाल सकता है, लेकिन फैसले पर अमल हो इसकी कोई गारन्टी नहीं है। यही वजह है कि जी-20 अपने अस्तित्व में आने के बाद से लेकर अभी तक विश्व को कोई ठोस दिशा नहीं दे सका है। इसके सदस्य देश आपस में द्विपक्षीय या त्रिपक्षीय आधार पर कोई समझौता अपने देशों के फायदे के लिए बेशक कर लें, किन्तु उसका वैश्विक लाभ मिलता नजर नहीं आता है। उदाहरण के तौर पर भारत ने अमरीका, यूएई सहित अन्य देशों से निजी तौर पर ऐसे ही समझौते किए हैं।

जी-20 देशों के समूह के पास बैठक के दौरान लिए गए निर्णयों की पालना की बाध्यता के लिए जब तक कोई कानूनी उपाय नहीं किए जाएंगे, तब तक भारी-भरकम नजर आने वाले इस संगठन की प्रासंगिकता पूरी नहीं हो पाएगी। इसके विपरीत संयुक्त राष्ट्र संगठन में जब कोई प्रस्ताव पारित किया जाता है कि तो सभी देशों को उसके मानने की बाध्यता होती है। नहीं मानने की सूरत में उस देश की आलोचना के साथ कई तरह के प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इसका उदाहरण ईरान है। परमाणु शक्ति को लेकर ईरान पर कई प्रतिबंध लगाए गए हैं। ऐसे ही कानून जब तक जी20 के निर्णयों को लागू करने के लिए नहीं बनेंगे, तब तक यह संगठन अपने सर्वोच्च उद्देश्य तक नहीं पहुंच सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

डेंगू का एक मरीज मिला, पांच को टाइफाइड

हापुड़। सीएचसी और जिला अस्पताल की ओपीडी में शुक्रवार को 564 बुखार के मरीज पहुंचे। इनमें एक मरीज में डेंगू और पांच में टाइफाइड मिला। अधिकांश मरीज वायरल बुखार से पीड़ित थे। प्लेटलेट्स गिरने से मरीजों का बुरा हाल है। लीवर और सांस की नली में सूजन भी बन रही है। मौसम में बदलाव से मौसमी बुखार फैल रहा है। मच्छरजनित रोग भी मरीजों की सेहत तोड़ रहे हैं। शुक्रवार को सीएचसी की ओपीडी में 1342 मरीज आए, इसमें 376 मरीज बुखार से पीड़ित थे। इसके अलावा जिला अस्पताल की ओपीडी भी बुखार के मरीजों से भरी रहीं। इन मरीजों की जांच में सिंभावली के रहने वाले एक मरीज में डेंगू की पुष्टि हुई। सरकारी लैब ने एलाइजा टेस्ट के बाद डेंगू की रिपोर्ट दी। इसके अलावा हापुड़ सीएचसी में जांच के दौरान पांच मरीजों में टाइफाइड मिला। बुखार से पीड़ित मरीजों में कमजोरी उन्हें चलने नहीं दे रही है। जिला अस्पताल के वार्ड में शुक्रवार को छह मरीज भर्ती कराने पड़े। अस्पतालों के वार्डों को रिजर्व किया गया है, जिनमें मच्छरदानी युक्त बेड तैयार कराए गए हैं। हालांकि जिला अस्पताल को छोड़कर अभी दूसरे अस्पतालों में मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है। जिले में अब डेंगू से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़कर 30 पहुंच गई है। जबकि 23 से अधिक मलेरिया के रोगी खोजे गए हैं।

ठेकेदार न मिलने से ठंडे बस्ते में गया ऑटोमैटेड टेस्टिंग स्टेशन का प्रस्ताव

फतेहपुर। एआरटीओ में स्वचालित (ऑटोमैटेड) टेस्टिंग स्टेशन का प्रस्ताव एक साल से ठंडे बस्ते में है। इसकी वजह स्टेशन बनाने के लिए कोई कंपनी या फर्म का टेंडर में रूचि नहीं दिखाना है। ऑटोमैटेड स्टेशन में अधिक शुद्धता और कम समय के साथ वाहनों की फिटनेस होती। अभी मैन्युअल टेस्टिंग में अधिक समय लगता है और कई तरह की खामियों की गुंजाइश बनी रहती है। वहीं हर समय वाहनों की लंबी कतार लगी रहती है। वर्ष 2022 सितंबर में एआरटीओ कार्यालय में ऑटोमैटेड टेस्टिंग स्टेशन बनाने का प्रस्ताव शासन की तरफ से आया था। उसका निर्माण पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के तहत होना है। स्टेशन बनाने के लिए करीब छह एकड़ जमीन चाहिए। विभाग ने इसका टेंडर कराने के बाद काफी प्रचार-प्रसार किया। लेकिन अब तक टेंडर लेने के लिए किसी ने आवेदन नहीं किया। अब विभागीय कार्रवाई भी सुस्त पड़ गई है और स्टेशन अब तक फाइल में ही चल रहा है।

ऑनलाइन होगा मृतक व सेवानिवृत्त कर्मियों के बकाया देयकों का मानदेय

हरदोई। बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों और मृतक आश्रितों को देयकों का भुगतान ऑनलाइन किया जाएगा। विभाग में लंबित प्रकरणों का निस्तारण न होने पर महानिदेशक स्कूल शिक्षा की ओर से आदेश जारी किए गए है। इससे सेवानिवृत और मृतक आश्रितों को काफी राहत मिलेगी। बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात शिक्षक और कर्मचारियों को सेवानिवृत्त होने के बाद देयकों के भुगतान के लिए महीनों विभागीय लिपिकों के चक्कर काटने पड़ते थे। इसके बावजूद भी उनका भुगतान नहीं किया जाता था और उनको आर्थिक दोहन किया जाता था। यही हाल मृतक आश्रितों के साथ होता था। विभाग में ऐसे प्रकरण काफी समय से लंबित है। कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य विभाग के चक्कर काट रहे हैं। जिसकी शिकायत महानिदेशक स्कूल शिक्षा को की गई थी। जिस पर महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने शिक्षक व कर्मचारियों के एरियर की भांति देयकों का भुगतान ऑनलाइन करने के निर्देश जारी किए है। इसके अनुसार मृतक और सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों का भुगतान मानव संपदा पोर्टल पर एरियर माड्यूल के अनुसार किया जाएगा। कर्मचारियों का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड नहीं है, उसको अपलोड किया जाए और उसी के अनुसार उनको भुगतान किया जाए ताकि समय से देयकों का भुगतान किया जा सके। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के पत्र आने के बाद बीएसए विजय प्रताप सिंह ने सभी खंड शिक्षा अधिकारी व पटल सहायक को कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

विद्यालयों की जनपदीय खेल प्रतियोगिता में हो रहा खेल

हरदोई। जनपदीय माध्यमिक व बेसिक विद्यालयों की खेल प्रतियोगिता में खेल हो रहा है। खेल प्रतियोगिता में टीम और खिलाड़ी खोजे नहीं मिल रहे है। प्रतियोगिताएं सिर्फ रस्म अदायगी तक सिमट कर रह गई है। इससे जिले के विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका नहीं मिल रहा है। जनपदीय माध्यमिक विद्यालयों की खेल प्रतियोगिताएं 12 जुलाई से चल रही है। इन प्रतियोगिताओं के लिए अलग-अलग विद्यालयों को मेजबानी दी गई है। प्रतियोगिता में 632 माध्यमिक विद्यालयों की टीमों को विभिन्न खेलों में प्रतिभाग करना था। जनपदीय के साथ मंडलीय प्रतियोगिता का भी शेड्यूल जारी है। इसमें भी जनपद स्तर पर विजेता टीम के खिलाड़ियों को प्रतिभाग करना है। माध्यमिक विद्यालयों की खेलकूद प्रतियोगिता के साथ ही महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने बेसिक शिक्षा विभाग के जूनियर वर्ग के बच्चों को भी शामिल करने के निर्देश दे दिए गए है। वर्तमान में दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों की संयुक्त रूप से खेल प्रतियोगिताएं चल रही हैं। मगर इसके बावजूद खेल प्रतियोगिताओं के लिए न तो टीम मिल रही है और न ही खिलाड़ी ही पहुंच पा रहे है। जिससे प्रतियोगिताएं औपचारिकता भर साबित हो रही है।

औद्योगिक गलियारे के लिए भूमि अधिग्रहण का किसानों ने किया विरोध

हरदोई। गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे तहसील बिलग्राम में प्रस्तावित औद्योगिक गलियारे का भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों के साथ किसानों ने विरोध किया। एसडीएम को ज्ञापन सौंपा और किसानों ने कहा है कि वह अपनी जमीन बेचना नहीं चाहते हैं। गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित औद्योगिक गलियारे के विरोध में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी, बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व किसान तहसील परिसर में एकत्र हुए। किसानों ने एक स्वर में कहा कि हम किसी कीमत पर अपनी जमीन बेचना नहीं चाहते। भाकियू के जिलाध्यक्ष राज बहादुर सिंह यादव के नेतृत्व में किसानों ने प्रदर्शन भी किया। जिलाध्यक्ष राज बहादुर सिंह ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे औद्योगिक गलियारा के लिए भूमि का अधिग्रहण किए जाने का प्रस्ताव है, सभी किसान इसका विरोध करते हैं। कहा कि पसनेर, गुरौली, पुसेड़ा, बैफरिया आदि गांव के किसान अपनी जमीन नहीं बेचना चाहते हैं। ज्ञापन में कहा है कि उनकी रोजी-रोटी इसी जमीन से चलती है और वह किसी प्रकार का अधिग्रहण नहीं होने देंगे। कहा कि जोर-जबरदस्ती से जमीन ली गई तो आरपार की लड़ाई लड़ेंगे।

स्कूल बस की चपेट में आकर छात्र की मौत

हरदोई। अतरौली थाना क्षेत्र में स्कूली बस की चपेट में आकर छात्र की मौत हो गई। घटना के बाद चालक बस छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने बस कब्जे में ले ली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अतरौली थाना क्षेत्र के जमुनीपुर निवासी ब्रज किशोर उर्फ लल्लन का पुत्र अमन (12) लखनऊ जनपद के बक्शी का तालाब में स्थित एक कांवेंट स्कूल का विद्यार्थी था। वह कक्षा पांच में पढ़ता था। शुक्रवार को स्कूल की बस से गांव आया था। बस से उतरने के बाद वह सड़क किनारे खड़ा हो गया। इसी दौरान चालक ने बस को बैक किया तो अमन बस की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई और पुलिस को जानकारी दी गई। प्रभारी निरीक्षक बृजेश मिश्र ने बताया कि बस कब्जे में ले ली गई है। मृतक चार भाई बहनों में तीसरे नंबर का था। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पत्नी को लेने ससुराल गए युवक की मौत, परिजन बोले-कर दी हत्या

झांसी। पत्नी को लेने उसके मायके गए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक के परिजन ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। सीपरी बाजार के बूढ़ा निवासी राजेश (25) पुत्र भगवान अपनी पत्नी कविता व चार बच्चों के साथ किराये के मकान में रहता था। 20 सितंबर को राजेश अपने दोस्त के साथ घर में शराब पी रहा था। पत्नी कविता के मना करने पर राजेश ने उसके साथ मारपीट की। इससे नाराज होकर कविता बच्चों को लेकर मायके चली गई। राजेश ने फोन करके कविता को वापस आने को कहा लेकिन, वह लौटने को राजी नहीं हुई। राजेश पत्नी को लेने के लिए अपनी ससुराल पहुंचा। यहां उसका विवाद हो गया। इसके बाद राजेश घर लौट आया। शुक्रवार की सुबह वह दोबारा पत्नी को लेने अपनी ससुराल पहुंचा। पत्नी कविता का कहना है यहां आकर उसने खाना मांगा लेकिन, कुछ देर बाद राजेश को उल्टियां होने लगीं। वह अचेत होकर गिर पड़ा। ससुराल के लोग उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। लेकिन, कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत की आशंका जाहिर की है। उधर, सूचना मिलने पर राजेश के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। उन लोगों ने राजेश के ससुरालजनों पर हत्या का आरोप लगाया। परिजनों के अनुसार राजेश परिवार का इकलौता कमाने वाला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बदल रहा है गोरखपुर-गोरखपुर जंक्शन का पुनर्विकास कार्य, सिटी सेंटर की तरह दिखेगा जल्द

गोरखपुर। 15 जनवरी, 1885 को सोनपुर से मनकापुर तक मीटर गेज रेल लाइन के निर्माण के साथ ही गोरखपुर रेलवे स्टेशन अस्तित्व में आया। वर्ष 1886 में गोरखपुर से उस्का बाजार लाइन के निर्माण के साथ ही गोरखपुर जंक्शन स्टेशन बन गया। वर्ष 1981 में छपरा से मल्हौर तक का आमान परिवर्तन हुआ और गोरखपुर जंक्शन बड़ी लाइन से देश के अन्य महानगरों से जुड़ गया। गोरखपुर रेलवे जंक्शन को पुनर्विकसित कर विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने के लिए निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जल्दी ही कार्यदायी संस्था भी नामित कर दी जाएगी। स्टेशन के पुनर्विकास कार्य पर 498 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। स्टेशन की नई डिजाइन एवं डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) स्वीकृत हो चुकी है। बीते 7 जुलाई को प्रधानमंत्री ने इसकी आधारशिला रखी थी। स्टेशन का पुनर्विकास आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया जाएगा। गोरखपुर जंक्शन पर कुल 10 प्लेटफॉर्म हैं। इस स्टेशन से जिले के अलावा निकटवर्ती जनपदों देवरिया, कुशीनगर और महाराजगंज एवं पड़ोसी देश नेपाल के लोगों का आवागमन होता है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 93,000 यात्रियों का आवागमन होता है। इस स्टेशन से प्रतिदिन 91 जोड़ी यात्री ट्रेनें सभी प्रमुख महानगरों एवं नगरों के लिए चलाई जाती हैं। भविष्य में यहां 1,68,000 लोगों के प्रतिदिन आवागमन को ध्यान में रखते हुए खाका तैयार किया गया है।

सिटी सेंटर के रूप में विकसित होगा स्टेशन

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि गोरखपुर जं. स्टेशन के पुनर्विकास मॉडल में स्थानीय सांस्कृतिक विरासत एवं वास्तुकला को भी शामिल किया गया है। वर्तमान में मुख्य स्टेशन भवन का निर्माण 5,855 वर्ग मीटर एवं द्वितीय प्रवेश द्वार का निर्माण 720 वर्ग मीटर में होगा। प्रस्तावित स्टेशन का निर्माण 17,900 वर्ग मीटर एवं द्वितीय प्रवेश द्वार का निर्माण 7,400 वर्ग मीटर में किया जाएगा। 10,800 वर्ग मीटर में रूफ प्लाजा होगा, जहां फूड आउटलेट, वेटिंग हॉल, एटीएम एवं किड्स प्ले एरिया का प्रावधान किया जाएगा। रूफ प्लाजा से प्लेटफॉर्मों तथा प्रवेश एवं निकास द्वार पर 38 लिफ्ट, 22 एस्केलेटर लगाए जाएंगे। 300 वर्ग मीटर में टिकट खिड़कियां बनाई जाएंगी। स्टेशन परिसर में कंजेशन फ्री प्रवेश एवं निकास का प्रावधान किया जाएगा। दो मल्टी परपज वाणिज्यिक टॉवर बनाए जाएंगे। इसमें मल्टी लेवल कार पार्किंग, बजट होटल, कामर्शियल शॉप इत्यादि का प्रावधान होगा। प्रस्तावित मेट्रो स्टेशन एवं बस स्टेशन से स्काई वॉक-वे से लिंक किया जाएगा। कार, टू व्हीलर्स, थ्री व्हीलर्स की पार्किंग क्षमता 427 से बढ़ाकर 838 की जाएगी। दोनों प्रवेश द्वार के सर्कुलेटिंग क्षेत्र में हरित पट्टी (ग्रीन बेल्ट) विकसित की जाएगी। प्रस्तावित मॉडल के अनुरूप कार्य के लिए डीपीआर तैयार कर ली गई है।

138 साल पहले बना था गोरखपुर स्टेशन

15 जनवरी, 1885 को सोनपुर से मनकापुर तक मीटर गेज रेल लाइन के निर्माण के साथ ही गोरखपुर रेलवे स्टेशन अस्तित्व में आया। वर्ष 1886 में गोरखपुर से उस्का बाजार लाइन के निर्माण के साथ ही गोरखपुर जंक्शन स्टेशन बन गया। वर्ष 1981 में छपरा से मल्हौर तक का आमान परिवर्तन हुआ और गोरखपुर जंक्शन बड़ी लाइन से देश के अन्य महानगरों से जुड़ गया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में की शादी, अब दहेज के लिए पत्नी को किया बेघर

कन्नौज। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि एक जेठ अधिवक्ता है। वह झूठे मुकदमा में फंसाने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कन्नौज जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में शादी करने के बाद अब ससुरालीजन विवाहिता को अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे हैं। मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने उसको मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता दिव्यांग है। वह बोल नहीं सकती है। उसने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सदर कोतवाली क्षेत्र के आसरा आवास कॉलोनी बलही निवासी इंदर सिंह की पुत्री प्रियंका दिव्यांग है। वह बोल नहीं सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उसकी शादी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत नितिन कुमार कुशवाहा के साथ हुई थी।

शादी के बाद से ही पति नितिन कुमार कुशवाहा, ससुर महेश, जेठ ब्रजमोहन, शिव मोहन व जेठानी बबली अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगी। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। जान से मारने की नियत से उसके साथ मारपीट की गई। जब इतने से उनका मन नहीं भरा, तो उसको घर से निकाल दिया।

झूठे मुकदमा में फंसाने की धमकी दे रहा है जेठ

पीड़िता ने आरोप लगाया है कि एक जेठ अधिवक्ता है। वह झूठे मुकदमा में फंसाने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाल अजय अवस्थी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

साइकिल से स्कूल जा रहे भाइयों को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत

कन्नौज। साइकिल से स्कूल जा रहे दो भाइयों को पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में छोटे भाई की मौके पर ही मौत हो गई। बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। आसपास के लोगों ने हादसे के बाद भाग रही कार को रोक लिया और चालक को पीटा। पुलिस ने उसे कार समेत हिरासत में ले लिया है।

यह हादसा गुरुवार सुबह सात बजे ठठिया के इंद्रेश्वर मंदिर के पास हुआ। बताया जा रहा है कि ठठिया थाना क्षेत्र के महसैया गांव निवासी राहुल कटियार परिवार के साथ ठठिया में रहते हैं। उनके दो पुत्र आठ वर्ष का अंश व छह वर्ष का हर्ष कस्बे में स्थित एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा एक व तीन में पढ़ते थे। रोजाना की ही तरह गुरुवार की सुबह दोनों भाई साइकिल से पढ़ने के लिए जा रहे थे। साइकिल को बड़ा भाई अंश चला रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही दोनों भाई ठठिया के इंद्रेश्वर मंदिर के पास पहुंचे तो पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने हर्ष को मृत घोषित कर दिया जबकि अंश की हालत गंभीर बनी हुई है। मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बाढ़ का पानी सिमटने के साथ गांवो में कीचड़ व गंदगी का अंबार

हरदोई। कटियारी क्षेत्र में बाढ़ का पानी अब सिमटने लगा है। इसके बाद गांवों के मार्ग कट जाने से आवागमन ठप होने के साथ कीचड़ व गंदगी से बाढ़ प्रभावित लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इससे गांवों में संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका है। सितंबर के 20 दिन में 38 लोगों में टाइफायड के लक्षण मिले हैं। गंगा, रामगंगा नदी में बैराजों से छोड़े जाने वाले पानी से यहां पर गंगा, रामगंगा व गर्रा के साथ गंभीरी व नीलम नदी में पानी बढ़ने से अगस्त माह से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। बाढ़ के पानी से करीब 100 गांव की फसले बर्बाद हुईं हैं। एक दर्जन मार्ग क्षतिग्रस्त होने से आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दोबारा आई बाढ़ में एक दर्जन नए गांवों को भी बाढ़ के पानी ने अपनी चपेट में ले लिया था। इसमें मोल्हनपुर, सुरजूपुर दुर्जना, नगला भूपतिपुर, सिरसा, बर्रा आदि गांव भी पानी से पूरी तरह घिर गए थे। हालांकि अब बाढ़ का पानी सिमटने लगा है। इससे गांव में कीचड़ व गंदगी से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में बुखार समेत तमाम बीमारियों ने पैर पसारने शुरू कर दिए।

गोरखपुर विश्वविद्यालय-स्वदेशी ज्ञान को बढ़ावा देगा डीडीयू, लागू होगा इंडियन नॉलेज सिस्टम

गोरखपुर। नई शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा के छात्रों को उनके शैक्षणिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को लागू करने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी इसको लेकर पहल शुरू कर दी है। गोरखपुर विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान प्रणाली (इंडियन नॉलेज सिस्टम) जल्द लागू करने पर विचार किया जाएगा।

इसे लेकर कुलपति प्रो. पूनम टंडन और मिनिस्ट्री ऑफ हायर एजुकेशन की टीम के बीच बुधवार को बैठक की गई। जिसमें खगोल विज्ञान की वैदिक अवधारणाओं से लेकर प्लास्टिक सर्जरी, आयुर्वेद से योग तक भारतीय ज्ञान प्रणाली पर पाठ्यक्रम शुरू करने पर निर्णय लिया गया। युवाओं के बीच स्वदेशी भाषाओं और ज्ञान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय ज्ञान प्रणाली को लागू किया जा रहा है। भारतीय ज्ञान प्रणाली प्राचीन काल से भारत में उच्च स्तर पर विकसित है। कुलपति और उच्च शिक्षा की टीम के बीच हुई बैठक में स्नातक एवं परास्नातक कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली से जुड़े पाठ्यक्रम पर विचार किया गया। इसे क्रेडिट पाठ्यक्रम में रूप में शुरू करने का निर्णय लिया गया है। छात्र को भारतीय ज्ञान प्रणाली में क्रेडिट पाठ्यक्रम लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इन पाठ्यक्रम के संचालन में एमएचआरडी वित्तीय सहयोग भी प्रदान करेगा। भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित इन नए पाठ्यक्रमों में फाउंडेशन और कुछ ऐच्छिक कोर्स हैं। ऐच्छिक कोर्स में भारतीय भाषा विज्ञान, भारतीय वास्तु शास्त्र, भारतीय तर्क, धातु शास्त्र आदि हैं। इनमें भारतीय ज्योतिषीय उपकरण, मूर्ति विज्ञान, बीज गणित, भारतीय वाद्य यंत्र, जल प्रबंधन भी हैं। फाउंडेशन कोर्स में वेदांग, भारतीय सभ्यता व साहित्य, भारतीय गणित, ज्योतिष, भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान व भारतीय कृषि जैसे विषय शामिल होंगे।

नई शिक्षा नीति के तहत भारतीय ज्ञान को दिया जा रहा बढ़ावा

नई शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षा के छात्रों को उनके शैक्षणिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को लागू करने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी इसको लेकर पहल शुरू कर दी है। इसके अंतर्गत उच्च शिक्षा के छात्रों को उनके शैक्षणिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में खगोल विज्ञान की वैदिक अवधारणाओं से लेकर प्लास्टिक सर्जरी, आयुर्वेद से लेकर योग तक भारतीय ज्ञान प्रणाली पर पाठ्यक्रम लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

गोविवि कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान प्रणाली (इंडियन नॉलेज सिस्टम) लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसको लेकर मिनिस्ट्री ऑफ हायर एजुकेशन टीम के साथ बैठक की गई है। जल्द ही भारतीय ज्ञान प्रणाली को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

बच्चे से कुकर्म और हत्या में आजीवन कारावास

उरई। बकरियां चराने गए बच्चे के साथ कुकर्म कर हत्या कर सबूत मिटाने का दोष सिद्ध होने पर स्पेशल न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मोहम्मद आजाद ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोषी पर 55 हजार रुपये का अर्थदंड भी ठोका है।

शासकीय अधिवक्ता विश्वजीत सिंह गुर्जर ने बताया कि कैलिया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने सात अक्तूबर 2017 को पुलिस को तहरीर देते हुए बताया था कि 6 अक्तूबर 2017 को उसका दस वर्षीय पुत्र बकरियां चराने के लिए खेत में गया था। जहां पर गांव के ही बनमाली बरार (55) ने उसके साथ कुकर्म किया था। राज खुलने के डर से उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी और शव नाले में फेंक दिया था। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर 11 अक्तूबर 2017 को बनमाली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस मामले की विवेचना कर रहे तत्कालीन उप निरीक्षक प्रभुनाथ ने बनमाली के खिलाफ चार जनवरी 2018 को न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल कर दिया था।

क्विज में शुभी दुबे-तान्या अव्वल

जालौन। अमरचंद्र महेश्वरी इंटर कॉलेज में शुक्रवार को कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के तत्वावधान में विभिन्न प्रतियोगिताएं आओ खुद को निखारें चरण के अंतर्गत कराई गईं। सबसे पहले क्विज कराई गई। इसमें दो दो-विधार्थियों के समूह बनाए गए थे। प्रतियोगिता में मुस्कान, शिवा पाटकर, अरुण कुमार, आयुष, शुभी दुबे, शिखा, तान्या, गौरी अग्रवाल, समीक्षा, अदिति ने प्रतिभाग किया। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभी दुबे-तान्या, द्वितीय स्थान समीक्षा-शिवा पाटकर और तृतीय स्थान शिखा-मुस्कान ने प्राप्त किया। समाज में व्याप्त दहेज प्रथा की कुरीतियों पर नाटक कशिश, अक्षरा, सुनामी, स्नेहा, आंशिका, निहारिका आदि ने प्रस्तुत किया। रंगोली प्रतियोगिता में सिद्धांत, जागृति नायक, न्यासा, रिद्धि नायक, इलमा आदि ने प्रतिभाग किया। कविता प्रतियोगिता में नितिन, नैंसी, मेघा नायक, शालिनी, अनामिका, आकांक्षा सक्सेना, नव्या आदि ने सहभागिता की। भाषण प्रतियोगिता में कृष्णा निहारिका, आफरीन, अंशिका परिहार, आयत, नव्या सोनी, इरम, ऋषिका पुरोहित आदि ने प्रतिभाग किया। इसमें आयत ने बाजी मारी। मेहंदी प्रतियोगिता में शिल्पी वर्मा, राधिका, सिद्धि नायक, कशिश, ऋषिका पुरोहित, प्रतीक्षा, आयुषी प्रजापति, वैष्णवी झा, अंजू, कशिश शिवानी लखेरा, शिल्पी, अलशिफा, शिफा, तान्या आदि ने हाथों पर सुंदर मेहंदी रचाई। इसमें कशिश ने प्रथम, शिवानी ने द्वितीय और तान्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में इशू कुशवाहा, मुस्कान, रिया, सानिया बानो, नम्रता कुशवाहा, रागिनी, सौरभ, दीक्षा, अंश आदि ने नशा मुक्ति को लेकर संदेशात्मक पोस्टर बनाए। जिसमें प्रथम ईशु कुशवाहा, द्वितीय नम्रता कुशवाहा और तृतीय स्थान दीक्षा ने प्राप्त किया। दिल्ली के हंसराज कॉलेज की अदिति पुरोहित ने प्रतियोगिताओं में जज की भूमिका निभाई। आयोजक पारसमणि अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया।

मुकेश के सिर पर किए अनगिनत वार, अधिक रक्तस्त्राव से हुई मौत

हापुड़। लज्जापुरी गली नंबर 10 में हुई मुकेश कर्दम की निर्मम हत्या के मामले में पुलिस अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। लेकिन मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह खुलासा जरूर हुआ है कि मुकेश की हत्या के दौरान सिर पर लोहे की किसी वस्तु से अनगिनत वार किए गए। इसके अलावा उसका हल्का गला काटा गया। ऐसे में घंटों तक रक्तस्त्राव होने के बाद उसने दम तोड़ दिया।

शव तीन दिन पुराना है, ऐसे में जिस दिन मुकेश के फोन से संपर्क होना बंद हुआ, उसी दौरान उसकी हत्या हुई। टैंट व किराना व्यापारी मुकेश कर्दम लज्जापुरी में पत्नी कृष्णा व दो पुत्र व एक पुत्री के साथ रहते थे। 18 सितंबर को मुकेश अपनी पत्नी व बच्चों के साथ ससुराल गया था। पत्नी व बच्चों को ससुराल छोड़कर वह घर लौट आया था। 19 सितंबर की रात तक पत्नी ने मुकेश से बातचीत की थी। इसके बाद उसने फोन नहीं उठाया। किसी अनहोनी की आशंका के कारण बृहस्पतिवार सुबह पत्नी बच्चों के साथ वापस लौटी तो उसका शव घर के आंगन में पड़ा मिला। मुकेश के मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और उसके हाथ पैर बंधे थे। ससुराल पक्ष के शक पर पुलिस ने मृतक के भाइयों को हिरासत में लिया था। आशंका थी कि जमीन के विवाद में भाइयों ने ही उसका कत्ल किया है। लेकिन पूछताछ में पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। पुलिस ने कुछ लोगों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की है। लेकिन मामले में कोई सफलता अभी तक नहीं मिली है।

सीसीटीवी में घर में घुसता नजर आ रहा व्यक्ति

आसपास के सीसीटीवी में देर रात केवल एक व्यक्ति घर में घुसता नजर आ रहा है। जो तड़के निकला। लेकिन सवाल ये है कि एक व्यक्ति इस हत्याकांड को अंजाम नहीं दे सकता। छत का रास्ता खुला होने के कारण आशंका है कि छत के रास्ते भी हत्यारे घर में दाखिल हुए। अब पुलिस आसपास के अन्य सीसीटीवी व मृतक की कॉल डिटेल खंगाल रही है।

परास्नातक में प्रवेश के लिए मांगे आवेदन

हाथरस। डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की बीए, बीकॉम और बीएससी का अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित हो चुका है। अब विद्यार्थी परास्नातक में प्रवेश के लिए प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। हाथरस के पीसी बागला डिग्री कालेज ने परास्नातक संकाय में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों से आवेदन मांगे हैं। आवेदन से पहले विद्यार्थी को राजा महेंद्र प्रताप राज्य विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना वेब रजिस्ट्रेशन कराना होगा। पीसी बागला डिग्री कालेज के प्राचार्य डॉ0 महावीर सिंह छोंकर ने पत्र जारी कर कहा है कि डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की बीए, बीकॉम और बीएससी का अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित हो चुका है। अब विद्यार्थी परास्नातक में प्रवेश के लिए प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। परास्नातक में प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थी को सबसे पहले राजा महेंद्र प्रताप राज्य विश्वविद्यालय की वेबसाइट ह्ळश्चह्यह्वह्न.ड्डष्द्बठ्ठ पर ऑनलाइन वेब रजिस्ट्रेशन कराना होगा। वेब रजिस्ट्रेशन कराने के बाद कालेज से प्रवेश फार्म लेना पड़ेगा।

बंद पड़ा पूछताछ केंद्र-कितनी देर में आएगी ट्रेन, जानने के लिए भटकते रहे यात्री

हाथरस। हाथरस सिटी स्टेशन पर एक भी दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन नहीं है। यहां कई ट्रेनें सप्ताह में एक दिन, दो दिन, तीन दिन व पांच दिन संचालित होती हैं। इन ट्रेनों को संचालन के दिन को लेकर अक्सर यात्री संशय में रहते हैं।

पूछताछ केंद्र बंद होने से उन्हें इसकी जानकारी नहीं हो पाती। पूर्वोत्तर रेलवे के हाथरस सिटी रेलवे स्टेशन पर पूछताछ केंद्र बंद होने से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेनों के आने के समय की जानकारी के साथ ही उनके संचालन की स्थिति जानने के लिए यात्रियों को स्टेशन पर भटकना पड़ रहा है। लगातार मांग करने के बावजूद पूछताछ केंद्र को बहाल नहीं किया गया है।

हाथरस सिटी रेलवे स्टेशन पर हर रोज पांच जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों के साथ ही 12 से अधिक साप्ताहिक, द्विसाप्ताहिक व त्रैसाप्ताहिक ट्रेनों का संचालन होता है। इस रेल मार्ग से गुजरने वाली कुछ एक को छोड़कर लगभग सभी ट्रेनों का ठहराव हाथरस सिटी स्टेशन पर है। यहां से हर रोज औसतन चार हजार यात्री यात्रा करते हैं। बावजूद इसके यहां के पूछताछ केंद्र को बंद कर दिया गया है, जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

139 के बारे में नहीं जानते आम यात्री

सिटी रेलवे स्टेशन पर 130 नंबर मिलाकर ट्रेनों के आवागमन का समय जानने के संदेश स्टेशन पर लगाए गए हैं, लेकिन यह व्यवस्था आम यात्रियों की समझ में नहीं आती। वह टिकट काउंटर, आरक्षण काउंटर व स्टेशन मास्टर से ही पूछताछ करने पहुंच रहे हैं। इस कारण वहां विवाद की स्थिति भी पैदा हो रही है।

मथुरा छावनी में चालू है पूछताछ केंद्र

हाथरस सिटी स्टेशन पर कुछ एक को छोड़कर लगभग सभी ट्रेनों का ठहराव है। बावजूद इसके यहां पूछताछ केंद्र को बंद कर दिया गया, जबकि मथुरा छावनी स्टेशन पर हाथरस की अपेक्षा बहुत कम ट्रेनों का ठहराव है। तब भी वहां पूछताछ केंद्र पर तीन कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

साप्ताहिक ट्रेनों के संचालन जानकारी मुश्किल

हाथरस सिटी स्टेशन पर एक भी दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन नहीं है। यहां कई ट्रेनें सप्ताह में एक दिन, दो दिन, तीन दिन व पांच दिन संचालित होती हैं। इन ट्रेनों को संचालन के दिन को लेकर अक्सर यात्री संशय में रहते हैं। पूछताछ केंद्र बंद होने से उन्हें इसकी जानकारी नहीं हो पाती।

पूछताछ केंद्र के संचालन की आवश्यकता अधिक महसूस न होने के कारण इसे बंद किया गया है। ट्रेनों के आवागमन की घोषणा समय-समय पर की जाती है। टिकट खिड़की पर ट्रेन के बारे में अगर जानकारी मांगता है तो दे दी जाती है। -विपिन कुमार सारस्वत, मुख्य वरिष्ठ वाणिज्य अधीक्षक, हाथरस सिटी

संसद में नारी वंदन- हाथरस में महिलाओं को प्रवेश से रोक रहा मंदिर प्रबंधन, पालिकाध्यक्ष श्वेता को लिखा चरण सेवक

हाथरस। संत पंडित गया प्रसाद महाराज को बृज आंचल के परम संत के नाम से जाना जाता है। उनके हाथरस जिले में हजारों की संख्या में अनुयायी है। उनको करीब से जानने वाले लोग बताते हैं कि पंडित गया प्रसाद महिलाओं से दूरी बनाकर रहते थे और कभी महिलाओं से पैर स्पर्श नहीं कराते थे। विशेष सत्र बुलाकर संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण बिल पास कराकर नारी वंदन किया जा रहा है।

दूसरी ओर हाथरस के संत गया प्रसाद मंदिर में प्रबंधन ने महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगा रखी है। अब इस मंदिर के प्रवेश द्वार पर महिला पालिकाध्यक्ष को चरण सेवक बताते हुए बोर्ड लगाने पर नया विवाद शुरू हो गया है। सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। दो साल पहले नगर पालिका अध्यक्ष आशीष शर्मा ने शहर के प्राचीन घंटाघर स्थित चौक पर संत पंडित गया प्रसाद महाराज के मंदिर का निर्माण कराया था। इस मंदिर पर आज भी सुबह-शाम सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। शाम को आरती व संकीर्तन होता है। मंदिर गेट पर महिलाओं के प्रवेश पर रोक के पोस्टर भी चस्पा है।

बोर्ड पर श्वेता दिवाकर चरण सेवक लिखा हुआ है

संत पंडित गया प्रसाद महाराज को बृज आंचल के परम संत के नाम से जाना जाता है। उनके हाथरस जिले में हजारों की संख्या में अनुयायी है। उनको करीब से जानने वाले लोग बताते हैं कि पंडित गया प्रसाद महिलाओं से दूरी बनाकर रहते थे और कभी महिलाओं से पैर स्पर्श नहीं कराते थे। दूर से ही महिलाओं को उनके दर्शन करने की अनुमति हुआ करती थी। यही वजह है कि गोवर्धन आश्रम सहित उनके मंदिरों में महिलाओं के प्रवेश पर रोक है। अब नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी द्वारा पंडित जी के मंदिर के बाहर लगे बोर्ड पर चरण सेवक श्वेता चौधरी लिखवाकर एक नए विवाद को हवा दे दी है।

श्रीकृष्ण की भक्ति कैसे की जाती है। यह जानना हो तो संत गया प्रसाद जी का जीवन इसका उदाहरण है। पूज्य संत गया प्रसाद महाराज महिलाओं से दूरी रखते थे। दूर से ही महिलाएं उनके दर्शन कर सकती थी। -आचार्य सीपु जी महाराज

पूज्य संत पंडित गया प्रसाद महाराज में हजारों लोगों की आस्था है। उन्होंने कभी भी महिलाओं से चरण स्पर्श तक नहीं कराया।

यहीं वजह है कि आज भी उनके आश्रम में महिलाएं बाहर से ही दर्शन करती हैं। -पंडित पंकज शास्त्री, धार्मिक विद्वान

मेरे संज्ञान में यह मामला नहीं हैं। इस प्रकरण और वहां मेरा नाम किसने लिखवाया, इसकी जानकारी कर रही हूं। -श्वेता चौधरी, पालिकाध्यक्ष

किशोर ने मां के जेवर चोरी कर दोस्त को दे दिए

हाथरस। नगर के एक मोहल्ले का 13 वर्षीय किशोर मां के जेवर चोरी कर दोस्त को देता रहा। दोस्त भी जेवर के बदले अपने भाई और पिता से पैसे लेकर उसे देता रहा।

यह पैसा दोस्तों की पार्टी पर खर्च होता रहा। जब अभिभावकों को बच्चों की इस हरकत का पता चला तो अभिभावक कोतवाली पहुंच गए। वहां इसे लेकर बातचीत चल रही थी। नगर के एक मोहल्ले का निवासी छठवीं कक्षा के छात्र ने पहले अपनी मां के कुछ जेवर चोरी किए। उसने यह जेवर अपने दोस्त को देकर इनके बदले पैसे लाने के लिए दोस्त ने जेवर अपने पिता को दे दिए तो पिता ने दो हजार रुपये पुत्र को दे दिए। यह पैसा इन बच्चों ने खाने-पीने पर खर्च कर दिया। इसके बाद किशोर को इसकी लत पड़ गई। वह जेवर देकर पैसा लेता रहा और मौज करता रहा। एक हफ्ते पूर्व जब किशोर की मां को जेवर नहीं मिले तो उसने बच्चे पर सख्ती की। बच्चे ने पूरा सच बता दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत, रेलवे लाइन के पास पड़ा मिला शव

हाथरस। बुजुर्ग श्रीनिवास शुक्रवार की रात को घर से निकल गए। वह बस्तोई हॉल्ट व नगला रति रेलवे स्टेशन की सीमा के बीच गांव जाऊ इनायतपुर माइनर के निकट ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। हाथरस के हसायन कोतवाली क्षेत्र की सलेमपुर पुलिस चौकी के गांव बस्तोई में 62 वर्षीय वृद्ध की पूर्वोत्तर रेलवे रेलखंड मथुरा-कासगंज रेलमार्ग स्थित गांव जाऊ माइनर के निकट ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सुबह जब ग्रामीणों ने ट्रेन से कटे हुए वृद्ध का शव रेलवे लाइन के निकट पड़ा देखा, तो गांव के चौकीदार को सूचना दी। सूचना मिलते ही सलेमपुर चौकी प्रभारी ने मय पुलिस बल के पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांव बस्तोई निवासी श्रीनिवास गांव में ही खेती कर अपना जीवन यापन करते थे। श्रीनिवास शुक्रवार की रात को घर से निकल गए। श्रीनिवास बस्तोई हॉल्ट व नगला रति रेलवे स्टेशन की सीमा के बीच गांव जाऊ इनायतपुर माइनर के निकट ट्रेन की चपेट में आ गए। ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत हो गई। शनिवार की सुबह घूमने व खेतों पर चारा लेने के लिए गए ग्रामीणों ने मृतक श्रीनिवास को देखकर ट्रेन से कट जाने की जानकारी गांव जाऊ के चौकीदार और गांव बस्तोई के ग्रामीणों को दी। ग्रामीणों ने सलेमपुर चौकी प्रभारी रामनरेश व थानाध्यक्ष धीरज कुमार गौतम को ट्रेन से बुजुर्ग के कटने की सूचना दी। सलेमपुर चौकी प्रभारी रामनरेश ने घटना स्थल पर पहुंचकर शव की शिनाख्त कराई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शाम को श्रीनिवास का शव गांव पहुंचा। श्रीनिवास के शव का परिजनों के द्वारा अंतिम सस्कार कर दिया गया। मामले के बारे में थानाध्यक्ष धीरज कुमार गौतम ने बताया कि गांव बस्तोई के एक 62 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई थी। ग्रामीणों व परिजनों की सूचना पर शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

महिला मॉल कर्मी से गैंगरेप का चौथा आरोपी गिरफ्तार, जेसीपी क्राइम बोले- टीम को मिलेगा 50,000 का इनाम

कानपुर। एडीसीपी दक्षिण अंकित शर्मा ने कहा कि जेसीपी क्राइम की ओर से जांच करने वाली पूरी टीम को 50,000 का इनाम देने की घोषणा की गई है। कानपुर के सेन पश्चिमपारा क्षेत्र में पिछले रविवार शाम को हुए गैंगरेप के मामले में पुलिस ने चौथे आरोपी को शनिवार सुबह औरैया चौराहे से गिरफ्तार कर लिया है। चौथे आरोपी की पहचान गुजैनी थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई है। मनोज ने भी पकड़े जा चुके तीन एन आरोपियों के साथ मिलकर पहले युवक को पीटा और उसके बाद युवती के साथ दुष्कर्म किया था। घटना के बाद से फरार हो गया था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी। बता दें कि मामले में पुलिस तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अब इन सभी आरोपियों की कोर्ट में शिनाख्त परेड कराई जाएगी, जिसमें पीड़िता इन आरोपियों को मजिस्ट्रेट के सामने पहचान करेगी। उसके बाद उनके खिलाफ आगे कार्रवाई की जाएगी। एडीसीपी दक्षिण अंकित शर्मा ने कहा कि जेसीपी क्राइम की ओर से जांच करने वाली पूरी टीम को 50,000 का इनाम देने की घोषणा की गई है।

शव से पुलिस कर्मी ने चुराए थे पुश्तैनी जेवर, थाना प्रभारी के खिलाफ परिवाद दर्ज

कन्नौज। उच्चाधिकारियों से शिकायत करने पर बिना विधिक उत्तराधिकार के निखिल की पत्नी प्रियंका को जेवर सौंप दिए। तीनों पर मिलकर जेवरात हड़पने का आरोप लगाया। कानपुर में मां के शव से पुश्तैनी जेवर चुरा लेने और विवाद बढ़ने पर धोखे से देवरानी को दे देने का आरोप लगाते हुए नजीराबाद के आरके नगर निवासी जितेंद्र कुमार वर्मा ने सीएमएम कोर्ट में नजीराबाद थाना प्रभारी कौशलेंद्र प्रताप सिंह, रामकृष्ण नगर चौकी प्रभारी रवि कुमार व अपनी देवरानी प्रियंका वर्मा के खिलाफ परिवाद दर्ज कराया है। जितेंद्र का कहना है कि 12 अप्रैल को उसके छोटे भाई निखिल कुमार उर्फ विवेक ने आत्महत्या कर ली थी। वहीं मां राजकुमारी का मृत शरीर भी पड़ा था। सूचना पर पहुंचे थाना व चौकी प्रभारी ने मां के शव से पहने हुए तीन लाख रुपये कीमत के सोने के कंगन, चेन व अंगूठियां उतार लीं। इसकी कोई लिखा-पढ़ी नहीं की। अंतिम संस्कार के बाद जब पुश्तैनी जेवर वापस मांगे, तो झूठे मुकदमे में फंसा दिया। उच्चाधिकारियों से शिकायत करने पर बिना विधिक उत्तराधिकार के निखिल की पत्नी प्रियंका को जेवर सौंप दिए। तीनों पर मिलकर जेवरात हड़पने का आरोप लगाया। बता दें कि प्रभारी की इस हरकत से पुलिस महकमे का नाम खराब हुआ है।

कांस्टेबल की धमकी- तू मुझे नहीं जानता, मेरे दादा ने ढाई हजार कत्ल किए

कानपुर। कानपुर में व्यापारी से गाली गलौज करते नशे में धुत हेड कांस्टेबल का वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में कांस्टेबल कह रहा है कि तू मुझको नहीं जानता, मेरे दादा ने ढाई हजार मर्डर किए हैं। एसीपी चकेरी की जांच में हेड कांस्टेबल दोषी मिला। इस पर डीसीपी को रिपोर्ट सौंपी गई है। कानपुर के नर्वल थाना क्षेत्र में व्यापारी से गालीगलौज और धमकी देते नशे में धुत हेड कांस्टेबल सुरेंद्र दुबे के दो वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए। वायरल वीडियो में हेड कांस्टेबल कह रहा है कि मैं कौशांबी का रहने वाला हूं, अभी तू मुझको नहीं जानता, मेरे दादा ने ढाई हजार मर्डर किए हैं। अभी गुंडों की फौज बुला दूंगा। हेकड़ी निकल जाएगी। व्यापारी नेता महेश वर्मा ने वायरल वीडियो के आधार पर पुलिसकर्मी की शिकायत डीसीपी पूर्वी से की थी। आरोप है कि हेड कांस्टेबल ने नर्वल निवासी बाइक रिपेयरिंग का काम करने वाले दुकानदार से शराब के नशे में गाली-गलौज करते हुए धमकी दी थी। डीसीपी पूर्वी शिवाजी शुक्ला ने मामले की जांच एसीपी चकेरी अमरनाथ यादव को दी थी। शुक्रवार को एसीपी चकेरी ने वायरल वीडियो के आधार पर पीड़ित के बयान दर्ज किए। प्राथमिक जांच में हेड कांस्टेबल दोषी पाया गया है। एसीपी चकेरी अमरनाथ यादव ने बताया कि जांच रिपोर्ट डीसीपी पूर्वी को भेज दी गई है।

एक-दूसरे के जीवन, स्वतंत्रता, गरिमा की रक्षा करना पति-पत्नी का कर्तव्य

झांसी। परिवार न्यायालय ने पत्नी के भरण-पोषण के लिए प्रतिमाह सात हजार रुपये की राशि निर्धारित की है। पति का तर्क था कि उसका वेतन साढ़े सोलह हजार रुपये है। परिवार न्यायालय ने कहा, तथ्यों का सही आकलन नहीं किया गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि विवाह के बने रहने तक कमाने वाले पति या पत्नी का कर्तव्य है कि वह एक-दूसरे के जीवन, स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा करें। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति राजेंद्र कुमार चतुर्थ की पीठ ने परिवार न्यायालय झांसी की ओर से हिंदू विवाह अधिनियम-1955 की धारा-24 के तहत पारित आदेश को चुनौती देने वाली संतोष कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। परिवार न्यायालय ने पत्नी के भरण-पोषण के लिए प्रतिमाह सात हजार रुपये की राशि निर्धारित की है। पति का तर्क था कि उसका वेतन साढ़े सोलह हजार रुपये है। परिवार न्यायालय ने कहा, तथ्यों का सही आकलन नहीं किया गया। हाईकोर्ट ने कहा, पत्नी के जीवन, स्वतंत्रता और गरिमा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए न्यूनतम राशि प्रदान की जानी चाहिए। पति ने अपनी याचिका में भरण पोषण भत्ता और कम किए जाने की मांग की थी। न्यायालय ने याची पति को पांच हजार रुपये देने का आदेश पारित किया।

दुर्घटना का बहाना बनाकर ठगे 30 हजार रुपये

कन्नौज। रिश्तेदार बनकर भाई के साथ हादसा होने का बहाना बनाकर अज्ञात युवक ने 31 हजार रुपये ठग लिए। मामले में एसपी के आदेश पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव इदुइयागंज निवासी सौरभ सिंह ने एसपी अमित कुमार आनंद के आदेश पर कोतवाली में दर्ज कराए गए मुकदमे में कहा है कि 19 सितंबर की दोपहर एक अज्ञात युवक ने फोन करके कहा कि वह तुम्हारा रिश्तेदार सौरभ बोल रहा हूं। अज्ञात ने बताया कि उसका फोन खराब हो गया है और वह दूसरे युवक के मोबाइल नंबर से बात कर रहा है। मेरे भाई की दुर्घटना हो गई है जो अपोलो हॉस्पिटल लखनऊ में भर्ती है और मुझे रुपये की जरूरत है। 10 हजार रुपये खाते में डालने की बात कही। कुछ ही देर बाद फिर फोन आया और 31,500 रुपये की मांग की गई। इस पर उसने वह रकम खाते में डाल दी। थोड़ी देर बाद जब उसने ठग से फोन पर बात करने का प्रयास किया तो उसका स्विच ऑफ मिला। ठगी की जानकारी होते ही सौरभ सिंह ने मामले की शिकायत एसपी से की। उनके आदेश पर अज्ञात युवक के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नशीला पदार्थ रखने पर युवक को छह साल की सजा

कन्नौज। नशीला पदार्थ (डायजापाम) रखने के मामले में आरोप सिद्ध होने पर विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट के जज नंद कुमार ने छह साल कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर तीन माह का अतिरिक्त कारावास की सजा काटनी पड़ेगी। पुलिस ने सात साल पहले युवक को 340 ग्राम नशीला पाउडर के साथ गिरफ्तार किया था। शासकीय अधिवक्ता सुधीर पांडेय ने बताया कि एसआई उमेश चंद्र चौरसिया ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा था कि 26 अगस्त 2016 को वह एचसीपी श्रीराम पटेल, चीता मोबाइल सिपाही मकसूद अहमद, धर्मेंद्र कुमार के साथ गुखरू रोड मोड़ पर वाहन चेकिंग कर रहे थे। तभी एक संदिग्ध युवक आता हुआ दिखाई पड़ा। उसको जब रोकने के लिए कहा तो नहीं रूका। नेरा रोड पर घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर युवक के पास 340 ग्राम नशीला पदार्थ मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम कपूरापुर गांव निवासी आजाद बताया। पुलिस ने आरोप पत्र कोर्ट में कोर्ट में दाखिल किए। आरोप सिद्ध होने पर बुधवार को विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट के जज नंद कुमार ने दोषी को छह साल कठोर कारावास की सजा और 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

गर्भवती का लिंग जांच इन्कार, करा दिया गर्भपात

कन्नौज। शादी के बाद दहेज में कार न देने पर प्रताड़ित करने लगे। गर्भवती होने पर लिंग परीक्षण कराने से मना करने पर जबरन तीन माह का गर्भपात करा दिया। पीड़िता ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। कस्बे के कालिका नगर निवासी जुली देवी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि परिजनों ने तीन साल पहले सदर कोतवाली क्षेत्र के गोलकुआं निवासी अजय कुमार के साथ शादी की थी। शादी के कुछ दिन बाद ही ससुर की मौत हो गई तो ससुरालीजन आपत्तिजनक भाषा से संबोधित करने लगे। कुछ दिन बाद पति व सास कमलेश कुमारी दहेज में कार की मांग करने लगे। इसी दौरान एक बच्चे को जन्म दिया। कहा कि दहेज की मांग पूरी न होने पर मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना करने लगे। दोबारा गर्भवती की जानकारी होने पर सास ने लिंग परीक्षण कराने की बात कही। मना करने पर पति, सास, समेत सदर कोतवाली क्षेत्र के पाल चौराहा निवासी अर्चना पाल, उदयवीर व दाई अज्ञात ने मिलकर जबरन तीन माह का गर्भपात करा दिया।

आइकोनिक सड़क-नौ करोड़ पहले खर्च कर दिए, अब 15 करोड़ खपाने की तैयारी

15वें वित्त आयोग के बजट से सौंदर्यीकरण पर जोर, मगर टूटी पड़ीं जगह-जगह की सड़कें

झांसी। नगर निगम को 15वें वित्त आयोग का बजट मिला तो शहरवासियों ने नई सड़कें, स्ट्रीट लाइटों से जगमग रास्ते, नए पार्क से लेकर तमाम विकास कार्य होने के सपने संजो लिए थे। मगर इस बजट का ज्यादा पैसा आइकोनिक सड़क के विस्तार के नाम पर खर्च होने जा रहा है। पहले जिस सड़क को बनाने में स्मार्ट सिटी के नौ करोड़ खर्च हो गए, अब फिर से उस पर 15 करोड़ खपाने की तैयारी है मेडिकल कॉलेज गेट नंबर एक से इलाइट, बीकेडी होते हुए ग्वालियर रोड स्थित अटल पथ तक आइकोनिक सड़क बनाई जा रही है। इसके लिए करीब नौ करोड़ रुपये का बजट मंजूर हुआ था। अलग-अलग पैच में बन रही इस सड़क का काफी काम पूरा भी हो चुका है। वहीं, शहर में विकास कार्य कराने के लिए शासन ने मई में 15वें वित्त आयोग की पहली किस्त 8.60 करोड़ रुपये जारी की थी। तीन महीने तक मेयर और नगर निगम के अफसर इस राशि को खर्च नहीं कर पाए। सितंबर में दूसरी किस्त 8.61 करोड़ भी जारी हो गई। अब इस बजट का ज्यादातर पैसा आइकोनिक सड़क के विस्तार पर ही खर्च करने की तैयारी है। इसके लिए नगर निगम के निर्माण विभाग ने प्रस्ताव भी तैयार कर लिया है। जबकि, स्मार्ट सिटी के नाम पर खर्च हो चुके करीब 900 करोड़ रुपये से ज्यादातर विकास कार्य परकोटे के अंदर या फिर आसपास के इलाकों में ही कराए गए। चाहें मैरी हो या फिर हंसारी, भगवंतपुरा हो या फिर गरियागांव, महानगर में होने के बावजूद इन क्षेत्रों में बहुत अधिक विकास कार्य नहीं हो पाया। अभी भी कई क्षेत्रों में सड़कें जर्जर हो चुकी हैं। नगरा हाट के मैदान की सड़क जर्जर है। नालियां टूटी पड़ी हैं। नैनागढ़ से महावीरनपुरा जाने वाले मार्ग की मुख्य बाजार की सड़क में गड्ढे हैं। इसी तरह फिल्टर रोड, नारायण बाग, केकेपुरी, कारगिल पार्क की मुख्य सड़क, सीपरी बाजार से लहरगिर्द जाने वाले मार्ग में भी गड्ढे हैं। इसके बावजूद नगर निगम का फोकस सिर्फ सौंदर्यीकरण कार्य कराने पर है।

पुलिस संग मुठभेड़ में बदमाश के पांव में लगी गोली

झांसी। बाजपेई तालाब के पास पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश पांव में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस उसे चोरी समेत कई मामलों में तलाश रही थी। घायल बदमाश को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। एसपी (आरए) गोपीनाथ सोनी के मुताबिक अग्रसेन डिग्री कॉलेज चौराहे पर बृहस्पतिवार रात थाना प्रभारी जेपी पाल की अगुवाई में पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान कुछ बदमाश बाजपेई तालाब के रास्ते से आ रहे थे। पुलिस ने उनको रोकने की कोशिश की। इस पर बदमाश तेजी से दूसरी ओर भागने लगे। पुलिस के घेरने पर बदमाशों ने तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसी दौरान एक गोली बदमाश के पांव में लग गई। इससे घायल होकर वह गिर पड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम पंकज अग्रवाल पुत्र रतन निवासी बिलैया चौराहा बताया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में की शादी, अब दहेज के लिए पत्नी को किया बेघर

कन्नौज। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि एक जेठ अधिवक्ता है। वह झूठे मुकदमा में फंसाने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कन्नौज जिले में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में शादी कराने के बाद अब ससुरालीजन विवाहिता को अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे हैं। मांग पूरी न होने पर ससुरालीजनों ने उसको मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता दिव्यांग है। वह बोल नहीं सकती है। उसने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सदर कोतवाली क्षेत्र के आसरा आवास कॉलोनी बलही निवासी इंदर सिंह की पुत्री प्रियंका दिव्यांग है। वह बोल नहीं सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उसकी शादी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत नितिन कुमार कुशवाहा के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही पति नितिन कुमार कुशवाहा, ससुर महेश, जेठ ब्रजमोहन, शिव मोहन व जेठानी बबली अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगी। मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट करने लगे। जान से मारने की नियत से उसके साथ मारपीट की गई। जब इतने से उनका मन नहीं भरा, तो उसको घर से निकाल दिया।

झूठे मुकदमा में फंसाने की धमकी दे रहा है जेठ

पीड़िता ने आरोप लगाया है कि एक जेठ अधिवक्ता है। वह झूठे मुकदमा में फंसाने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाल अजय अवस्थी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बालक वर्ग में अभिनव विद्यालय गंधरापुर विजेता

कन्नौज। नगर के हीरालाल वीएन इंटर कॉलेज में जनपदीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बालक, बालिका के जूनियर व सीनियर वर्ग के 17 कॉलेजों की 32 टीमों ने प्रतिभाग किया है। प्रतियोगिता में अंडर-19 बालक वर्ग में अभिनव विद्यालय गंधरापुर विजेता व हीरालाल कॉलेज छिबरामऊ उपविजेता रहा। अंडर-19 बालिका वर्ग में ऋषि भूमि सौरिख विजेता व भारतीय विद्यालय कायमपुर उप विजेता रहा। अंडर-14 बालक वर्ग में अभिनव विद्यालय गंधरापुर विजेता व हीरालाल कॉलेज छिबरामऊ उपविजेता रहा। अंडर-14 बालिका वर्ग में ऋषिभूमि कॉलेज सौरिख विजेता व ऋषिभूमि कॉलेज सौरिख उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के समापन पर प्रधानाचार्य जितेंद्र सिंह यादव ने विजेता व उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को मेडल व ट्राफी दी गई। इस दौरान उप प्रधानाचार्य राधा बल्लभ मिश्रा, कन्नौज के क्रीड़ा सचिव सुनील यादव, क्रीड़ा प्रभारी वीरेंद्र वर्मा, आदित्य गंगवार, राहुल त्रिपाठी, संगीता वर्मा, चंद्रभान यादव, कोशांक यादव, नरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

मंत्री जितिन प्रसाद ने किया दादानगर समानांतर पुल का शिलान्यास

कन्नौज। पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद ने मंधना से गंगा बैराज शुक्लागंज होते हुए मोहनलालगंज लखनऊ तक 105 किलोमीटर लंबे स्टेट हाईवे का चौड़ीकरण जल्द शुरू कराने का ऐलान किया।

कानपुर में पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद ने शनिवार को दादानगर में समानांतर पुल का शिलान्यास किया। सेतु निगम के एमडी मिथिलेश कुमार को स्टेज पर बुलाकर पूछने के बाद ऐलान किया कि 10 दिन में इस पुल का निर्माण शुरू हो जाएगा और इसे 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। मंच से ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति का हवाला देकर अधिकारियों को चेतावनी दी की यदि निर्माण में गड़बड़ी हुई, तो सख्त करवाई की जाएगी। इसलिए समय से मानक के अनुरूप कार्य करें।

इस मौके पर उन्होंने पीडब्ल्यूडी के मुख्य अभियंता संजीव भारद्वाज को मंच पर बुलाकर बरसात का मौसम खत्म होते ही पैच वर्क शुरू करने और दीपावली से पहले बड़ी सड़कों से लेकर गांव तक की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए।

स्टेट हाईवे का चौड़ीकरण जल्द शुरू कराने का ऐलान

उन्होंने मंधना से गंगा बैराज शुक्लागंज होते हुए मोहनलालगंज लखनऊ तक 105 किलोमीटर लंबे स्टेट हाईवे का चौड़ीकरण जल्द शुरू कराने का ऐलान किया। जीटी रोड पर चार लेन के एलिवेटेड रोड निर्माण के निर्माण में भी धन की कमी आड़े न आने देने का ऐलान किया।

अचानक उछल गई थी मंत्री की गाड़ी

दादा नगर से पनकी की ओर आते समय विजयनगर रोड पर बड़े-बड़े स्पीड ब्रेकरों से गुजरने के दौरान पीडब्लूडी मंत्री जितिन प्रसाद की गाड़ी एकदम से उछल गई।

इसके बाद तत्काल मंत्री ने इन ब्रेकरों की मरम्मत कर मानक के अनुरूप बनाने का आदेश दिया है।

निलंबित तीन दरोगा समेत आठ पुलिसकर्मी किए गए बर्खास्त, महकमे में मचा हड़कंप

झांसी। पुलिस कस्टडी से तीन बंदियों के भागने के मामले में निलंबित तीन दरोगा, चार मुख्य आरक्षी समेत एक आरक्षी को बर्खास्त कर दिया।

एक साथ आठ पुलिस वालों की बर्खास्तगी से महकमे में हड़कंप है। झांसी में पुलिस कस्टडी से तीन बंदियों के भागने के मामले को गंभीरता से लेते हुए डीआईजी जोगेंद्र कुमार ने निलंबित तीन दरोगा, चार मुख्य आरक्षी समेत एक आरक्षी को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया। एक साथ आठ पुलिस वालों की बर्खास्तगी से महकमे में हड़कंप है। डीआईजी ने प्रतिसार निरीक्षक को भी चेताते हुए आगे से ऐसी नौबत न आने का अल्टीमेटम दिया है। 19 सितंबर को रेलवे न्यायालय के बाहर वैन से तीन बंदी पुलिस बल को चकमा देकर फरार हो गए। एसएसपी राजेश एस ने सुरक्षा ड्यूटी में तैनात दरोगा सुरेश सिंह यादव, राजेंद्र अनुरागी, पंकज सिंह समेत मुख्य आरक्षी शिवपाल सिंह, सुनील कुमार, संदीप कुमार, जितेंद्र कुमार एवं आरक्षी अनिल कुमार की लापरवाही मानते हुए सभी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इन सबके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू हो गई। इनके खिलाफ जीआरपी में धारा 222 एवं 223 के तहत एफआईआर भी दर्ज कराई गई।

एफआईआर दर्ज होते ही इन पुलिसकर्मियों पर बर्खास्तगी की तलवार लटकने लगी थी। शुक्रवार को डीआईजी जोगेंद्र कुमार ने आरोपी पुलिसकर्मियों के कार्य में लापरवाही की पुष्टि होने पर उनको बर्खास्त कर दिया। डीआईजी की कराई जांच में भी यह बात साफ हुई कि बंदियों को वाहन में बैठाने के बाद कोई पुलिसकर्मी वाहन के पास नहीं था। इसी का फायदा उठाकर बंदी भाग निकले। डीआईजी ने प्रतिसार निरीक्षक को चेतावनी देते हुए आगे से ऐसी घटना पर रोक लगाने के लिए पुलिस लाइन से जाने वाले बंदी कमान की रोजाना ब्रीफिंग कराने के भी निर्देश दिए हैं। डीआईजी जोगेंद्र कुमार सुरक्षा में तैनात किए गए पुलिसकर्मियों की लापरवाही गंभीर हैं। दूसरे पुलिसकर्मियों पर भी इसका असर पड़ सकता है। भविष्य में इस तरह की लापरवाही न हो इस वजह से इन सभी को दंड एवं अपील नियमावली के आधार पर बर्खास्त कर दिया गया।

माली की बाइक चोरी कर भाग रहे चोर को पकड़ा

कन्नौज। माली की बाइक चोरी कर भाग रहे चोर को युवकों ने पीछा कर पकड़ लिया। युवकों ने चोर की धुनाई की और फिर उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया। अब पुलिस आरोपी युवक से पूछताछ कर रही है। नगर के मोहल्ला माली वाली गली निवासी अंशू सैनी ने बताया कि वह बाइक से फूल बेचने फूटी मस्जिद पर आया था। बाइक खड़ी करके वह फूल बेच रहा था। तभी एक युवक आया और उसकी बाइक चुराकर चला गया। कुछ देर बाद देखने पर बाइक गायब थी। वह भाई अंकित व मोहल्ले के ही अंकित के साथ बाइक खोजने निकले तो किड्जी स्कूल के पास युवक को बाइक के साथ दबोच लिया। युवकों ने आरोपी के साथ मारपीट कर दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गई और आरोपी युवक को साथ कोतवाली ले आई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

ट्रेन से गिरकर फिटर की मौत, गेट पर बैठकर कर रहा था सफर

जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

हमीरपुर। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांदा भेजा है। मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड व कंपनी के कार्ड से इसकी पहचान हो सकी। जीआरपी ने इसके परिजनों को सूचना दे दी है। हमीरपुर जिले के भरुआसुमेरपुर कस्बे में जबलपुर-लखनऊ चित्रकूट एक्सप्रेस में सवार एक फिटर की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांदा भेजा है। वहीं, अचानक हुई घटना से परिजनों में कोहराम मचा गया। जनपद बांदा के जसपुरा थाना क्षेत्र के गडरिया ग्राम पंचायत के पड़वनिया डेरा निवासी राजू (31) पुत्र रामरतन यूनीक्यू इंडिया कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लि. में फिटर के पद में कार्यरत था। शनिवार सुबह वह जबलपुर लखनऊ चित्रकूट एक्सप्रेस से कानपुर जा रहा था। तभी कस्बे के रेलवे स्टेशन से ट्रेन चलने के बाद प्लेटफॉर्म के कुछ दूर आगे वह ट्रेन से गिरकर पहियों के नीचे आ गया। इससे उसकी ट्रेन में कटकर मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक गेट पर बैठा हुआ था। तभी झटका लगने पर वह ट्रेन से नीचे गिर गया। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांदा भेजा है।

मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड व कंपनी के कार्ड से इसकी पहचान हो सकी। जीआरपी ने इसके परिजनों को सूचना दे दी है। सूचना पाकर परिजन सीधे बांदा के लिए रवाना हो गए।

साजिशकर्ता सिपाही समेत 24 लोगों के अवैध कब्जे पर गरजा बुलडोजर

प्रशासन की कार्रवाई का विरोध करने पहुंची महिलाओं को फोर्स ने खदेड़ा

कौशांबी। मोहीउद्दीनपुर गौस गांव की जिस आराजी पर अवैध तरीके से कब्जा करने के लिए पीएसी के सिपाही सुरेश सिंह ने अनुसूचित जाति के पिता, पुत्री व दामाद की हत्या कराई वह भी उसकी नहीं हो सकी। हत्याकांड के ठीक आठ दिन बाद शुक्रवार को सीएम योगी का बुलडोजर गरजा। सिपाही सहित छह आरोपी व अन्य 18 लोगों का अवैध कब्जा हटवाया गया। कार्रवाई के दौरान दर्जनों महिलाएं व बच्चे झुंड बनाकर सामने आ गए। वह लोग बुलडोजर का विरोध करने लगे। पुलिस ने लाठी पटक कर सभी को खदेड़ दिया। देर शाम तक अवैध कब्जा हटवाया जाता रहा। चायल तहसील के पंडा चौराहा स्थित आराजी संख्या 344 का रकबा 52 बीघे का है। इस भूमि पर तिहरे हत्याकांड के सूत्रधार सिपाही सुरेश सिंह व आरोपी अमर सिंह, अमित सिंह, अरविंद सिंह, राजेंद्र, अनूप के पिता सुग्रीव सिंह आदि का अवैध कब्जा था। आरोपी अपने सहयोगियों की मदद से इस जमीन पर प्लाटिंग करना चाहते थे। इसके अलावा 18 अन्य लोगों ने भी अवैध कब्जा कर रखा था। इसी भूखंड में मृतक शिवसरन ने भी 10 बिस्वा जमीन का एग्रीमेंट अपनी पत्नी बृजकली के नाम पर लिया था। इसे लेकर सुरेश आदि शिवसरन से रंजिश रखने लगे थे। 15 सितंबर की भोर शिवसरन, उसकी पत्नी व ससुर होरीलाल की हत्या कर दी गई। इसके बाद गांव में सियासियों का जमावड़ा लग गया। पीड़ित परिवार से मुलाकात करने पहुंचे समाज कल्याण मंत्री अरुण असीम के सामने भी पीड़ित परिवार ने अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलवाने की मांग की थी। इसी के बाद प्रशासन आराजी में कुल 24 अवैध कब्जे धारक चिन्हित किए।

सिलिंडर में लीकेज से घर में लगी आग, हजारों का नुकसान

कौशांबी। सिराथू तहसील के टेढ़ीमोड़ अंदावां में दूध उबालने के दौरान रसोई गैस सिलिंडर में लीकेज की वजह से आग लग गई। मौके पर मौजूद गृहस्वामी की पत्नी ने शोर मचाया तो लोगों को जानकारी हुई। आग पर काबू पाया जाता, इससे पहले लपटों ने कमरे को अपनी आगोश में ले लिया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। अंदावां निवासी राजेश कुमार पटेल के मुताबिक बृहस्पतिवार को उसकी पत्नी मनोरमा रसोई गैस पर खाना बनाकर कमरे में पहुंची। दूध बचा होने के कारण कुछ देर बाद वह फिर से उसे उबालने गई। जैसे ही रेग्यूलेटर खोलकर उसने माचिस जलाई तभी आग ने पाइप तथा चूल्हे को चपेट में ले लिया। मनोरमा शोर मचाते हुए बाहर भागी तो परिजन तथा मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे। किसी तरह सिलिंडर को रेग्यूलेटर से अलग किया गया। लेकिन, तब तक आग कमरे तक पहुंच चुकी थी। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना में कमरे में रखा इनवर्टर, बैट्री, मोबाइल, लैपटॉप, मिक्सी मशीन, कपड़े, राशन और छह हजार रुपये सहित काफी समान जल गए।

शराब के लिए कबाड़ में बेच डालीं विभागों की फाइलें, अफसरों को नहीं लगी भनक

कानपुर। सफाईकर्मी मोहन ने जिन फाइलों पर हाथ साफ किया वे यूपी नेडा, समाज कल्याण विभाग, उद्यान विभाग सहित अन्य विभागों से जुड़ी हैं। समाज कल्याण विभाग से गायब हुई फाइलों में सबसे ज्यादा वृद्धावस्था पेंशन, इसके अलावा पारिवारिक लाभ से जुड़े आवेदन पत्रों की फाइलें शामिल हैं। कानपुर में फरियादियों की लंबी कतारें, बेतरतीब फाइलों का ढेर, कल आना देखते हैं। विकास भवन में यह दृश्य आए दिन देखा जा सकता है, लेकिन शुक्रवार को जो कुछ हुआ...वह चौंकाने वाला रहा।

दरअसल, यहां के कई विभागों की फाइलें अचानक से गायब हो गईं। फाइलों के गायब होने का खुलासा तब हुआ, जब एक सफाईकर्मी ऐसी ही कुछ फाइलों को एक बोरी में भर रहा था। एक कर्मचारी की नजर पड़ी तो सवाल-जवाब किए। उसने बताया कि वह कई दिनों से फाइलें ले जाकर बेच रहा है। इनसे मिले पैसों से शराब पीता है। सफाईकर्मी मोहन ने जिन फाइलों पर हाथ साफ किया वे यूपी नेडा, समाज कल्याण विभाग, उद्यान विभाग सहित अन्य विभागों से जुड़ी हैं। समाज कल्याण विभाग से गायब हुई फाइलों में सबसे ज्यादा वृद्धावस्था पेंशन, इसके अलावा पारिवारिक लाभ से जुड़ेआवेदन पत्रों की फाइलें शामिल हैं। कबाड़ी के यहां सिर्फ दो फाइलें ही मिलीं ये ऐसे लोगों के आवेदन थे, जो अक्सर 30 से 40 किमी दूर से विकास भवन पेंशन लगवाने के लिए आते थे। इस बीच सफाईकर्मी ने जिस कबाड़ी के यहां फाइलों को बेचने की बात बताई, विभागीय अधिकारियों ने उस कबाड़ी के यहां जाकर पूछताछ की। कबाड़ी के यहां सिर्फ दो फाइलें ही मिलीं।

कोई अधिकारी नहीं बता पा रहा किसके यहां कितनी फाइलें गायब हुई हैं

वहीं, बाकी उसने भी आगे किसी बड़े कबाड़ी बेच दीं। इस घटना के बाद से विकास भवन के सभी 18 विभागों के अधिकारी अपने-अपने यहां की फाइलों की जांच कराने में जुट गए हैं। अभी भी कोई अधिकारी यह बताने की स्थिति में नहीं है कि किसके यहां कितनी फाइलें गायब हुई हैं।

कोई भी कर्मचारी कार्यालय में नहीं रहता

विकास भवन में अधिकारियों के कक्षों की सफाई करने के लिए विभाग का कोई सफाईकर्मी नहीं है। बाहरी व्यक्ति से कार्यालयों में सफाई कराई जाती है। हालात ये हैं कि सफाई के दौरान कोई भी कर्मचारी कार्यालय में नहीं रहता है। सबसे पहले वह यूपी नेडा कार्यालय में दोपहर में सफाई करने गया था।

दो फाइलों के बंडल बोरी में भर रहा था

उसी समय कार्यालय में रखीं दो फाइलों के बंडल बोरी में भर रहा था। नेडा कार्यालय के बगल में बने समाज कल्याण विभाग के कंप्यूटर कक्ष में वृद्धा पेंशन के आवेदन पत्रों के बंडल गायब थे। इस घटना के बाद से सफाईकर्मी भी गायब है।

नाइजीरियन ने सोशल साइट पर की दोस्ती, महंगे गिफ्ट भेजने का दिया झांसा, महिला से ठग लिए 5.50 लाख

कन्नौज। 11 सितंबर को एक शख्स की कॉल आई। कॉल करने वाले शख्स ने खुद को कस्टम ऑफिसर बताते हुए कहा कि आपके नाम से पार्सल आया है। उसे छुड़ाने के लिए 5.50 लाख रुपये खाते में डालने होंगे।

उन्होंने झांसे में आकर गूगल पे से पैसे डाल दिए। कानपुर में शातिर ठग ने बाकरगंज निवासी महिला से इंस्टाग्राम के जरिये दोस्ती की। फिर महंगे गिफ्ट व विदेशी करेंसी भेजने का झांसा देकर 5.50 लाख रुपये ठग लिए। क्राइम ब्रांच की साइबर सेल टीम ने एक नाइजीरियन समेत दो को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो मोबाइल भी बरामद किए हैं। कोर्ट ने दोनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। डीसीपी क्राइम सलमान ताज पाटिल ने बताया कि दिल्ली के तिलकनगर शाहपुर निवासी नाइजीरियन नागरिक जॉन व महावीर इन्क्लेव पालम निवासी हरजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया है। मास्टरमाइंड जॉन चार सालों से दिल्ली में रह रहा था। दावा है कि गिरोह सैकड़ों लोगों से पांच करोड़ से अधिक की ठगी कर चुका है। ये लोग फुटपाथ पर रहने वालों का फर्जी खाता खुलवाते थे।

खुद को आई सर्जन बताते हुए नजदीकी बनाई

इनमें ही ठगी की रकम भिजवाते थे। डीसीपी ने बताया कि एक सितंबर को बगाही निवासी महिला ने बाबूपुरवा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। बताया था पहले ठग ने इंटाग्राम के जरिये खुद को आई सर्जन बताते हुए नजदीकी बनाई। फिर आईफोन, लैपटॉप, घड़ी, इंगेजमेंट रिंग, ज्वैलरी और 65 हजार स्टेरलिन पाउंड देने की बात कही।

पार्सल छुड़ाने के लिए गूगल पे से पैसे डाल दिए

11 सितंबर को एक शख्स की कॉल आई। कॉल करने वाले शख्स ने खुद को कस्टम ऑफिसर बताते हुए कहा कि आपके नाम से पार्सल आया है। उसे छुड़ाने के लिए 5.50 लाख रुपये खाते में डालने होंगे। उन्होंने झांसे में आकर गूगल पे से पैसे डाल दिए। पार्सल न आने पर बाबूपुरवा थान में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इंस्टाग्राम पर फेंक एकाउंट बनाकर की थी दोस्ती

महिला ने बताया कि कुछ माह पहले उसका परिचय इंस्टाग्राम के जरिये खुद को एलेक्स जॉनसन बताने वाले शख्स से हुई थी। उसने खुद को आंख का डॉक्टर बताया और इटली का रहने वाला बताया। दोनों एक दूसरे का पसंद करने लगे। इसके बाद दोनों में व्हाट्सएप चैटिंग और बात होने लगी। पूछताछ में नाइजीरियन ने बताया है कि उसने फर्जी आईडी बनाकर दोस्ती की थी।

खुलासा करने वाली टीम को 30 हजार इनाम

ठगों को पकड़ने वाली पुलिस टीम को पुलिस कमिश्नर ने 30 हजार रुपये का इनाम दिया है। इनाम पाने वालों में इंस्पेक्टर मानवेंद्र सिंह, एसआई हरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल जितेंद्र सिंह, कांस्टेबल संदीप कुमार, जितेंद्र सिंह, प्रवीन कुमार शामिल हैं।

पासपोर्ट और वीजा समेत अन्य दस्तावेज खो गए हैं

डीसीपी क्राइम सलमान ताज पाटिल ने बताया कि नाइजीरियन युवक चाल साल से दिल्ली में रह रहा है। दावा है कि उसका पासपोर्ट और वीजा समेत अन्य दस्तावेज खो गए हैं। जिसके चलते वह दिल्ली में ही रहकर ठगी करता था। इससे पहले भी पुलिस ने जितने नाइजीरियन ठगों को पकड़ा है। वह सभी नाइजीरियन युवक अवैध रूप से देश में रहते मिले हैं।

फरार दो आरोपियों की तलाश में 17 स्थानों पर दबिश

कौशांबी। मोहीउद्दीनपुर गौस गांव के तिहरे हत्याकांड में आठ आरोपियों को पुलिस जेल भेज चुकी है। अब तीन आरोपियों की गिरफ्तारी होना बाकी है। जिसमें से एक का इलाज चल रहा है, जबकि दो की तलाश में 17 ठिकानों पर दबिश दी। भूमि विवाद को लेकर हुए तिहरे हत्याकांड में मृतक होरीलाल के बेटे सुभाष ने आठ नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना के दौरान जयकरन यादव, अनूप सिंह व तीरथ निषाद का नाम सामने आए। बृहस्पतिवार को पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए आठ लोगों को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज चुकी है। नामजद में सिर्फ राजेंद्र की गिरफ्तारी होना बाकी है। इसके अलावा आरोपी तीरथ निषाद की गिरफ्तारी की जा चुकी है। अब सिर्फ नामजद रहे राजेंद्र, जयकरन की गिरफ्तारी होना शेष है। घटना वाले दिन गोली लगने से जख्मी अनूप सिंह का पुलिस कस्टडी में प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। सीओ चायल योगेंद्र कृष्ण नारायण सिंह का कहना है कि पकड़ेगए आरोपियों ने फरार अभियुक्तों के बारे में कुछ खास सुराग दिए हैं। पुलिस की चार टीमों ने 17 के करीब स्थानों पर दबिश दी है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

पत्नी ने पति को चाय में मिलाकर पिलाया जहरीला पदार्थ

हालत नाजुक, बहू के खिलाफ सास ने दी तहरीर

कौशांबी। थाने में दिए तहरीर में मां ने आरोप लगाया कि बहु पुष्पाजंली ने बेटे प्रशांत के लिए चाय बनाया और उस चाय में कुछ जहरीला पदार्थ डाल दिया। जिसको पीने के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। उसे अवस्था में भरवारी के स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उसकी हालात नाजुक होने पर परिजन जिला अस्पताल ले गए। कोखराज थाना क्षेत्र के महेशपुर गाँव में शनिवार की सुबह पत्नी ने पति को चाय में जहरीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। जिसमें कुछ देर बात पति की हालत बिगड़ने लगी। आनन-फानन में परिजनों ने गम्भीर अवस्था में पति को भरवारी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उसकी हालात नाजुक होने पर परिजन जिला अस्पताल ले गये। जहां उसका इलाज चल रहा है। कोखराज थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या सत राम नगर के महेशपुर की रहने वाली चंद्रा देवी सेन पत्नी स्व. मथुरा प्रसाद सेन ने शनिवार को कोखराज थाना पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उसके बेटे प्रशांत कुमार सेन की शादी बीते चार महीने पूर्व पुष्पाजंली शर्मा पुत्री अनिल कुमार शर्मा निवासी राम जी पुरम देववली नियर सरोज चौराहा प्रतापगढ़ के साथ हुई थी। शनिवार को सुबह मेरी बहु पुष्पाजंली ने बेटे प्रशांत के लिए चाय बनाया और उस चाय में कुछ जहरीला पदार्थ डाल दिया। जिसको पीने के बाद उसकी हालत बिगड़ने लगी। जिसे देखकर आनन-फानन में परिजनों ने गम्भीर अवस्था में भरवारी के स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उसकी हालात नाजुक होने पर परिजन जिला अस्पताल ले गये। जहां उसका इलाज चल रहा है। सास चंद्रा देवी ने पुलिस से बहु पुष्पाजंली के खिलाफ कार्यवाही की गुहार लगाई। इस संबंध में थाना कोखराज प्रभारी विनोद कुमार मौर्या का कहना है , कि सास ने अपनी बहू के खिलाफ तहरीर दी है, कि बहु ने बेटे को चाय में जहरीला पदार्थ मिलाकर मारने की कोशिश की है। फिलहाल युवक का इलाज चल रहा है। युवक के होश में आने पर उसके बयान के आधार पर कार्यवाही की जायेगी।

स्वतंत्रता सेनानियों की याद में मेघ मल्हार उत्सव का भव्य आयोजन संपन्न

वाराणसी। कैंटोनमेंट स्थित होटल रेडिसन में स्वतंत्रता सेनानियों की याद में संगीत मेघ मल्हार कार्यक्रम संध्या का आयोजन हुआ। दीपिका कल्चरल सोसायटी आफ इंडिया तथा होटल रेडिसन के संयुक्त तत्वाधान में तथा इंडिया टूरिज्म वाराणसी के विशेष सहयोग से आयोजित किए गए उक्त कार्यक्रम में पद्म विभूषण गिरिजा देवी जी की शिष्या डॉक्टर शालिनी वेद त्रिपाठी जी ने कजरी, ठुमरी के विविध बोल जैसे फ़ बैठी सोच बृज धाम सुनो लागे मेरो धाम फ़ फ़ झूला धीरे से झुलाओ बनवारी फ़ आदि से मनमुग्ध किया। सौरभ गौरव मिश्र ने शिव तांडव से कथक नृत्य की प्रस्तुति की। मशहूर कलाकार गजल गायक यश भारती पुरस्कार से सम्मानित कमल खान ने अपने एक से एक बढ़कर एक ग़ज़ल तथा भजन गया जिसमें गजल में चिट्ठी ना कोई संदेश तथा भजन राम-राम जय सीता राम जैसे बोलकर सबका मन जीत लिया। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी गुरु प्रसाद गुप्ता कला रत्न सम्मान डॉक्टर शालिनी वेद त्रिपाठी शिक्षा रत्न सम्मान डॉक्टर नंदिता आशीर्वाद शास्त्री एवं अनिल कुमार सिंह चिकित्सा रत्न डॉक्टर केके सिंह एवं देश भक्ति रत्न सम्मान का गौरी कांड के सेनानी के पुत्र उदय खत्री को प्रदान किया गया। मेघ मल्हार उत्सव कार्यक्रम महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गुरु प्रसाद गुप्ता को समर्पित आयोजन का विधिवत उद्घाटन ब्रिगेडियर राजीव नाज़ाल, एयर फोर्स कमांडर अनुज कुमार गुप्ता, पूर्व महापौर रामगोपाल मोहले, सहायक निदेशक इंडिया टूरिज्म वाराणसी अमित कुमार गुप्ता एवं दीपिका कल्चरल सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर इंडिया टूरिज्म के सहायक निदेशक अमित कुमार गुप्ता ने टूरिज्म ट्रैवल फॉर लाइफ और स्वच्छता अभियान का आए हुए सभी सम्मानित अतिथियों को शपथ दिलवाया मेघ मल्हार आयोजन में प्रमुख रूप से सुबह बनारस के सचिव डॉक्टर रत्नेश वर्मा इस अवसर पर वीटीजी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह सचिव अनिल त्रिपाठी टी जी एफ आई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिलेश कुमार, अजय कुमार सिंह, टी जी ए के नितेश सिंह, टी डब्लू ए के राहुल मेहता सूर्य होटल के एम डी अभय कुमार सिंह, होटल प्रदीप के एम डी प्रदीप नारायण सिंह, साजिद खान, नौनिहाल सिंह, नीरज गुप्ता, शिव कुमार गुप्ता, संदीप मौर्य सहित पर्यटन एवं कला से जुड़े संगीत प्रेमी उपस्थित रहे। संचालन जैनेंद्र राय एवं अतिथियों का स्वागत संस्था के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन रेडिसन होटल के गम सौरभ माथुर ने ज्ञापित किया।

सालाना तरही मुसालमा

सदा होता रहेगा कर्बला का ज़िक्र दुनिया में, सदा होता रहेगा तज़्किरा अंसारे सरवर का

कर्नलगंज (गोण्डा)। साहित्यिक संस्था 'बज़्मे शामे ग़ज़ल' का सालाना तरही मुसालमा मदरसा गुलषने अज़हरी मिल्लतुर्राईन मो0 भैरवबाबा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता नसीर अंसारी (बाराबंकी) ने की और संचालन याक़ूब अज़्म गोण्डवी ने किया। डॉ0 प्रो0 सरवत तक़ी मुख्य अतिथि रहे जबकि डॉ0 मुंतज़िर क़ायमी (विभगाध्यक्ष उर्दू, फखरुद्दीन अली अहमद पी0जी0 कॉलेज महमूदाबाद, सीतापुर) और अदील मंसूरी बाराबंकवी (राश्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त षिक्षक एंव प्रदेष अध्यक्ष उर्दू टीचर्स वेल0 एसो0) विशिश्ट अतिथि के तौर पर षामिल हुए। महामन्त्री मुजीब सिद्दीक़ी ने स्वागत वक्तव्य दिया। कई पुस्तकों के लेखक वरिश्ठ साहित्यकार गणेष तिवारी 'नेष' की पुस्तिका ''कर्बला की जंग क्यों हुई ?'' का विमोचन भी कार्यक्रम में सम्पन्न हुआ। गणेष तिवारी 'नेष' जी ने इसी विशय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। आगाज़ कारी रियासत अली ने तिलावते क़ुआन से किया तत्पष्चात कारी मासूम रजा ने नाते रसूल पेश किया। यतीम खाना सफविया के प्रधानाचार्य मौलाना नूरुन्नबी आज़मी ने तक़रीर करते हुए अपने आत्म अवलोकन पर जोर दिया और हज़रत इमाम हुसैन के नक्शे क़दम पर चलने का आवाह्न किया। शाएरों ने मिसरा तरह ''ज़मीने कर्बला किया पूछना तेरे मुक़द्दर का'' पर कलाम पेश कर इमाम हुसैन व कर्बला के षहीदों को ख़िराज़ अक़ीदत/श्रद्धासुमन पेष किए।

मेहमान डॉ0 मुन्तज़िर क़ायमी ने कहा-
सभी को कर्बला इन्सानियत का दर्स देती है,
अदब में बस यही कहना है, ग़ालिब और दिनकर का।

हाजी शब्बीर अहमद 'शबनम' ने आरज़ू की-
बयाँ हो वस्फ़हर लम्हा इलाही आले अतहर का,
क़सीदा रोज़ मैं लिखता रहूँ शब्बीरो शब्बर का।

हाजी शमीम अख़्तर (अच्छन) ने मद्ह यूँ की-
ये क़ासिम हैं कि उतरा है फरिष्ता आसमानों से,
हर इक बच्चा निराला है रसूलुल्लाह के घर का।

अदील मंसूरी बाराबंकवी ने कहा-
सभी की प्यास के आगे नहीं पानी पिया खुद भी,
उन्हें मालूम था मौक़ा मिलेगा जामे कौसर का।

अनीस खाँ आरिफी ने अक़ीदत का इज़हार यूँ किया-
मैं उनके पीछे पीछे दुम हिलाता ख़ुल्द पहुँचूँगा,
कि कुत्ता हूँ मैं कुत्ता हूँ षहे फिरदौस के दर का।

मु0 याकूब 'अज़्म' गोण्डवी ने जोर देकर कहा-
सदा होता रहेगा कर्बला का ज़िक्र दुनिया में,
सदा होता रहेगा तज़्किरा अंसारे सरवर का।

ज़ुहैर वाक़िफकस्टवी ने बताया -
उसी की आक़िबत बनती है और दुनिया सँवरती है,
हुआ जो पाँच का, बारह का, चौदह का बहत्तर का।

अख़्तर गोण्डवी ने कहा-
ख़ुद अपनी बेबसी पर रो पड़ी फौजे यज़ीदी यूँ,
कि बाज़ी ले गया तनहा तबस्सुम एक असग़र का।

अन्जुम वार्सी गोण्डवी ने फख़्र किया-
मैं अपनी इस फक़ीरी पर बहुत ही नाज़ करता हूँ,
मुझे अल्लाह ने मँगता बनाया आप के दर का।

कौसर सलमानी ने स्वमूल्यांकन की बात कही-
अमल, किरदार तेरा सब यज़ीदी है तो किस मुँह से,
गले में डाला है पट्टा ग़ुलामे इब्ने हैदर का।

हैदर गोण्डवी (हैदर अब्बास) ने यह खूबसूरत षेर पढ़ा-
ज़मीने कर्बला पर चाँद लैला का उतर आया,
वा आ जाये जिसे दीदार करना हो पयम्बर का।

सहर रियाज़ वार्सी ने अब्बास की हैबत पर कहा-
रखा सीने पे दरिया के क़दम अब्बास ने जिस दम,
कलेजा डर के मारे फट गया सीने में लष्कर का।

डॉ0 अजय श्रीवास्तव ने श्रद्धापूर्वक कहा-
मैं हिन्दू हूँ मगर रोता हूँ शाहे दीन के ग़म में,
मुझे भी आसरा है हश्र में सिब्ते पयम्बर का।

शरफउतरौलवी को इस षेर पर खूब दाद मिली-
जहाँ पर हर तरफहैं जौन जैसे हुस्न के ख़ैमे,
वहाँ यूसुफ़भी पढ़ते हैं क़सीदा हुस्ने अकबर का।

अवध राज वर्मा 'करुण' ने तज़्मीन (समस्या पूर्ति) यूँ की-
मैं भारत मैं हूँ और हर साल तेरा ज़िक्र करता हूँ,
''ज़मीने कर्बला क्या पूछना तेरे मुक़द्दर का।''

यासीन अंसारी 'राजू' ने पैग़ाम दिया-
भुला देंगे अगर पैग़ामह म षब्बीरो षब्बर का,
यज़ीदे वक्त सत्यानाष कर डालेगा घर-घर का

साथ ही नसीर अंसारी बाराबंकवी, डॉ0 असलम बक़ाई, मुजीब अहमद सिद्दीक़ी, डॉ असलम हाषमी, ताज मुहम्मद 'कुरबान', हाजी नियाज़ अहमद 'क़मर', सरवर किन्तूरी, क़ासिम गोण्डवी, सग़ीर अहमद सिद्दीक़ी, मु0 सलीम बेदिल, उत्तम कुमार षोला, निज़ामुद्दीन षम्स, अभिशेक श्रीवास्तव व इमरान मसऊदी ने कलाम पेश किये।

प्रोग्राम में हाजी ज़हीर वार्सी, मु0 ज़की बक़ाई, मु0 ख़लील राईनी, हरीष कुमार षुक्ल, अब्दुल क़ैयूम सिद्दीकी, डॉ0 हबीबुल्लाह, अब्दुल हई कुरैशी, आफाक सिद्दीकी, जमाल इब्राहीम, आजम खान, साबिर सभासद, हाजी षफीक़ कुरैषी, इदरीस राईनी, मुनव्वर, मुम्ताज़ अंसारी, मास्टर षफीक, तालीमुद्दीन अंसारी, मुष्ताक़ अहमद, हाफिज़ हिसामुद्दीन, रहमत अली, ख़ुर्षीद आलम, सोनू श्रीवास्तव, षकील अहमद, इरषाद छुटकऊ, सगीर कुरैषी, हाफिज़ रिज़वान, निज़ामुद्दीन, नसीम रौषन, मु0 आरिफ साजिद सिद्दीक़ी, ज़ियाउलहक़, उमैर सिद्दीक़ी, जमील, सिरताज राईनी, गुलाम अषरफ ज़ीषान अंसारी, फिराज़, उवैस, मो0 गौस, राहत सिद्दीक़ी, समीर हाषमी, अषरफसिद्दीकी, हसनैन मंसूरी, मो0 सलीम, अब्दुल माजिद, मो0 कलीम, सहित अन्य उपस्थित रहे। मदरसा प्रबन्धक जमील राईनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कवि एवं चित्रकार जब अपनी प्रवाह नहीं रोक पाता तो कभी हो जाता है- गिरीश कुमार सिंह

अंबेडकर नगर। रजत पब्लिक स्कूल औलियापुर अकबरपुर, अंबेडकर नगर में समग्र शिक्षा माध्यमिक योजना के अंतर्गत कला उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कवि एवं चित्रकार की भावनाओं का प्रवाह जब नहीं रूक पाता तो वह उसको प्रकट करने के लिए कवि बन जाता है एवं चित्रकार बन जाता है तथा उसको कैनवास पर उकेर देता है। जनपद स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम की नोडल प्रभारी के रूप में सुमित्रा देवी प्रधानाचार्या सावित्रीबाई फुले इंटर कॉलेज , तारा वर्मा प्रधानाचार्या , रजत पब्लिक स्कूल प्रधानाचार्य अशोक सिंह चौहान, निर्णायक मंडल के सदस्य हरेंद्र यादव प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज अकबरपुर, नीलम यादव प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बेवाना सुभाष पांडे प्रधानाचार्य चंदनपुर तथा एस आर जी विभा सिंह उपस्थिति रही उक्त कला उत्सव कार्यक्रम में जनपद के 40 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा निर्धारित विधाओं में प्रतिभाग किया

शौर्य यात्रा 4 अक्टूबर को टांडा में होगा शंखनाद

अंबेडकरनगर ,बसखारी प्रखण्ड विश्व हिंदू परिषद व बजरंगदल के कार्यकर्ताओं के साथ अद्वेत मत आश्रम पर प्रान्त सत्संग प्रमुख श्याम बाबू के मार्गदर्शन/जिला सत्संग प्रमुख कृष्णनं दासन महाराज व आचार्य अर्जुन के संचालन बैठक सम्पन्न हुआ आचार्य पद्दति के साथ प्रारम्भ हुआ यह बैठक 30 सितम्बर को अयोध्या से निकलकर अवध प्रान्त के 25 जनपदों में भ्रमण करते हुए 9 अक्टूबर को मया,महबूबगंज,एनटीपीसी होते हुए सम्हरिया मार्ग से टाण्डा नगर में सायंकाल 4 बजे टाण्डा पुराने रामलीला मैदान में आयोजित सन्त सभा हेतु भारी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ पहुचेगी और सन्तो का उद्बोधन जनपद वासी सुनेगें! बड़ी संख्या में हिन्दू समाज इस कार्यक्रम में सहभागिता करे इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी हेतु श्याम बाबू ने बताया कि घर घर दरवाजा खटखटाने की योजना में साथ कार्यकर्ता निकलेगे ।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-आक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल ई-आक्शन के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जा रही है। आक्शन से सम्बन्धित अन्य जानकारी वेबसाइट ***www.ireps.gov.in (E-Auction Module)*** पर उपलब्ध है। निविदा सूचना संख्या, स्टेशनों की सूची एवं उपलब्ध स्थान का विवरण निम्नवत् है:-

क्रम सं.-01, आक्शन सूचना सं.: MSS-LJN-LJN-TWnOPS-21-23-1 (Misc-Static-Services-TWO Wheeler and other parcel packing services), स्टेशनः लखनऊ जंक्शन गोमतीनगर रेलवे स्टेशन (पार्सल आफिस), कार्य का विवरणः लखनऊ एवं गोमतीनगर मण्डल के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन (पार्सल कार्यालय) पर दो पहिया वाहनों तथा अन्य पार्सल पैकेजो का अनुबंध के संबंध में। निविदा की अवधिः 03 वर्ष, आक्शन/लाट बन्द होने की तिथि व समयः दिनांक 10-10-2023 को समय 13:30 बजे तक। **क्रम सं.-02,** आक्शन सूचना सं.: MSS-LJN-GKP-TWnOPS-20-23-1 (Misc-Static-Services-TWO Wheeler and other parcel packing services), स्टेशनः गोरखपुर और बस्ती रेलवे स्टेशन (पार्सल आफिस), कार्य का विवरणः गोरखपुर और बस्ती स्टेशन (पार्सल कार्यालय) पर दो पहिया वाहनों तथा अन्य पार्सल पैकेजो का अनुबंध के संबंध में। निविदा की अवधिः 03 वर्ष, आक्शन/ लाट बन्द होने की तिथि व समयः दिनांक 10-10-2023 को समय 13:40 बजे तक। **क्रम सं.-03,** आक्शन सूचना सं.: MSS-LJN-ASH-TWnOPS-22-23-1 (Misc-Static-Services-TWO Wheeler and other parcel packing services), स्टेशनः ऐशबाग और गोण्डा रेलवे स्टेशनों (पार्सल आफिस), कार्य का विवरणः ऐशबाग और गोण्डा स्टेशनों (पार्सल कार्यालय) पर दो पहिया वाहनों तथा अन्य पार्सल पैकेजो का अनुबंध के संबंध में। निविदा की अवधिः 03 वर्ष, आक्शन/ लाट बन्द होने की तिथि व समयः दिनांक 10-10-2023 को समय 13:50 बजे तक।

टेण्डर से सम्बन्धित अन्य जानकारी वेबसाइटः **www.ireps.gov.in (E-Auction Module)**

आक्शन/लाट खुलने की तिथि व समयः दिनांक 10-10-2023 को समय 13:00 बजे तक

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)

मुजाधि/वाणिज्य-135 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी का जीवन किसानो के लिए था समर्पित-डॉ संजय कुमार त्रिपाठी

जिला कृषि कार्य योजना के लिए आवंटित हुई धनराशि

अयोध्या संवाददाता

अयोध्या । सबमिशन एंड एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना के अंतर्गत गठित कृषि तकनीकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) के शासी निकाय की बैठक मुख्य विकास अधिकारी महोदया की अध्यक्षता में दिनांक 23 सितम्बर 2023 को जिलाधिकारी कैंप कार्यालय के सभागार में आहूत की गई जिसमें डॉ संजय कुमार त्रिपाठी उप कृषि निदेशक , मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी , जिला गन्ना अधिकारी प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक , मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य , जिला उद्यान अधिकारी तथा कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी सहित अन्य अधिकारी एवं कृषक प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उप कृषि निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 2023-24 में जिला कृषि कार्य योजना निम्नवत है(1) कृषि विभाग 73.45816 लाख(2)उद्यान विभाग 7.87242 लाख(3)पशुपालन विभाग 10.7657 लाख(4)मत्स्य विभाग 1.225 लाख (5)गन्ना विभाग 7.93742 लाख (6) कृषि विज्ञान केन्द्र 0.9640 लाख(7) संविदा कर्मी मानदेय 1.38.096 लाख ।कुल योग रुपया 246.3187 लाख। शासी निकाय द्वारा विभागवार आवंटन का अनुमोदन प्रदान किया गया।

उक्त धनराशियों से कृषि एवं कृषि से जुड़े सभी संबंधित विभागों द्वारा प्रदेश के अंदर , जनपद के अंदर एवं प्रदेश के बाहर कृषि एवं संवर्गीय विभागों /विश्वविद्यालयों आदि पर कृषक भ्रमण एवं कृषक प्रशिक्षण कराया जाएगा।

उक्त धनराशि से प्रदर्शन, किसान गोष्ठी, किसान मेला फार्म स्कूल आदि कार्यक्रम कराया जाएगा। दिनांक 23.12.2023 को भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के जन्मदिवस के अवसर पर कृषकों को विकासखंड एवं जिला स्तर पर कृषि, उद्यान, पशुपालन, गन्ना विभाग में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया जाएगा। कृषक प्रशिक्षण एवं कृषक भ्रमण में प्रतिभाग करने वाले कृषकों से यह अपेक्षा भी की गई कि प्रशिक्षण और भ्रमण से आने के उपरांत उस संबंधित संस्थान से उन्होंने जो भी सीखा उसे अपने खेत पर करके जनपद के किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनें।

डॉ अजय कुमार गुप्ता बने जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी

प्रदीप कुमार शर्मा ने मिठाई खिलाकर जाहिर की खुशी

बलराम मौर्या

अयोध्या। श्री राम राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय में तैनात डॉ अजय कुमार गुप्ता को जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी का उत्तरदायित्व सौंपा गया है । बताते चले कि पहले डॉ घनश्याम चौधरी को होम्योपैथिक जिला चिकित्सा अधिकारी का उत्तरदायित्व मिला था किन्तु अपने विभागीय कर्तव्यों का निर्वहन करने में रुचि न दिखाते हुए , अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से वसूली जैसे कार्यों के ऑडियो वायरल होने के नाते शासन ने जाँच किया तो पूरे प्रकरण को सही पाया और कड़ा रुख अपनाते हुए निदेशालय में अटैच कर दिया द्य वहीं डॉक्टर अजय कुमार गुप्ता इस पद पर वरिष्ठता की श्रेणि में सबसे आगे थे । श्री राम होमियोपैथी चिकित्सालय में जिला चिकित्सा अधिकारी के पद पर डॉ अजय

कुमार गुप्ता की तैनाती से सभी कर्मचारी खुश है । इस खुशी के अवसर पर डॉ शकुंतला , प्रदीप कुमार शर्मा , जितेन्द्र कुमार ने डॉ अजय कुमार गुप्ता को नया कार्यभार मिलने की बधाई दी है और आपस में मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की है।

किसान भाई कृषि विभाग के पोर्टल पर जाकर करे यंत्र के लिए आवेदन - उप कृषि निदेशक

अयोध्या । सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन , प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेसिड्यू योजना एवम् कृषि विभाग में संचालित यंत्रीकरण की अन्य योजना जैसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन गेहूं घटक , दलहन घटक एवम् नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल योजना अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों पर 40% एवम् 50% अनुदान हेतु जिला कार्यकारी समिति (डी एल ई सी)की बैठक दिनांक 23 सितम्बर 2023 को मुख्य विकास अधिकारी महोदया की अध्यक्षता में आयोजित की गई ।बैठक में वर्ष 2023 - 2024 में आवंटित लक्ष्य पर शासनादेश संख्या 65/2023/1063/ 12.2.2023/100(05)/2014 दिनांक 5.8.2023 के अनुसार लागू नियम ई लॉटरी के सम्बन्ध में वार्ता करते हुए उप कृषि निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि वर्ष 2023 - 2024 में यंत्रों के प्राप्त लक्ष्य को विकास खण्ड वार आवंटन किया जाएगा, जिसमें किसान भाई कृषि विभाग के पोर्टल **up agriculture.com** पर यंत्रों का 14 दिवस 2 सप्ताह तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के बाद अगले कार्य दिवस में यंत्रों को यंत्रवार, योजनावार,विकास खंडवार आवंटन कर पोर्टल पर फिड करके ई लॉटरी पोर्टल फिड किया जाएगा जिसमें अध्यक्ष महोदय एवं डी एल ई सी के सहमति से ही ई लॉटरी हेतु स्थान, तिथि, समय निर्धारित किया जाएगा जिसका व्यापक प्रचार प्रसार स्थानीय समाचार पत्रों में भी किया जाएगा। पोर्टल पर आवेदित किसानों को ई लॉटरी पोर्टल के माध्यम से यंत्रों की लॉटरी विकास खंडवार निकाली जाएगी जिसमें 50त्न अधिक किसानों का चयन किया जाएगा जिन किसानों का चयन ई लॉटरी के माध्यम से होगा वह सभी किसान कृषि विभाग के पोर्टल पर अपना बिल, टोकन, कृषि यंत्र की फोटो अपलोड करेंगे, जिसका सत्यापन विभाग द्वारा 15 दिवस के अंतर्गत विभागीय कार्मिक /अधिकारियों के माध्यम से कराया जाएगा जो **up yantra tracking.com** पोर्टल पर फिड करते हुए अनुदान की धनराशि सीधे किसानों के खाते में डीबीटी के माध्यम से भेज दिया जाएगा। बैठक में उप कृषि निदेशक , जिला गन्ना अधिकारी , जिला प्रबंधक नाबार्ड, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, सहायक निबंधक सहकारिता , कार्यक्रम समन्वयक कृषि विज्ञान केंद्र मसौधा , प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक , कृषक श्री शिव कुमार चौरसिया श्री विश्वनाथ सिंह श्री जितेंद्र चौबे आदि कृषक एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिले के 23 मंडलों में सुना गया मन की बात-जिला मीडिया प्रभारी

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर। प्रत्येक माह के अन्तिम रविवार को होने वाले प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के 105वीं संस्करण को भाजपा कार्यकर्ताओं ने निर्धारित बूथों पर बूथ समिति की बैठक कर लाइव प्रसारण सुना।

भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने टांडा विधान सभा क्षेत्र की हंसवर मंडल के बूथ संख्या 221 जल्लापुर साबुकपुर में मण्डल अध्यक्ष सुग्रीव कन्नौजिया,बूथ अध्यक्ष अमित प्रताप सिंह,प्रमोद पाण्डेय,प्रधान प्रदीप कुमार अमर प्रताप सिंह,हरिश्चंद्र चौबे, पूनम देवी,संतोष कुमार धीरेंद्र प्रताप सिंह के साथ बूथ समिति की बैठक और मन की बात कार्यक्रम के दौरान कहा कि मजबूत बूथ से संगठन का कार्य सुगमता से सम्पन्न किया जा सकता है ।संगठन का कार्य सच्ची निष्ठा और लगन के साथ किया जाना चाहिए। कहा कि प्रधानमंत्री जी राष्ट्र हित में जो कहते हैं वह काम भी पूरा करते हैं ।इसी लिए देश की जनता का अटूट विश्वास उन पर रहता है ।मेरा बूथ सबसे मजबूत की संकल्प को याद दिलाते हुए कहा कि बूथ जीता तो चुनाव जीता के नारे को आगामी लोकसभा चुनाव में सभी सभी को चरितार्थ करना है। कहा कि प्रत्येक परिवार में सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे यह प्रयत्न किया जाना चाहिए। कहा कि प्रधानमंत्री जी ने मन की बात कार्यक्रम में हैदराबाद की संकर्षणा द्वारा बच्चों के लिए स्थापित किए गए पुस्तकालय के प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि वह बच्चों के भविष्य को संवारने में योगदान दे रहीं हैं।

निवर्तमान जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा कि मोदी जी ने कहा कि भारत का प्रयास है कि हमारे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थानों को विश्व धरोहर स्थलों के रूप में मान्यता मिले ।भारत ने अफ्रीकी संघ को जी 20 ब्लॉक का पूर्ण सदस्य बनाकर अपने नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक/जिला मंत्री दीपक तिवारी ने बताया कि जनपद के सभी 23 मंडलों की 315 शक्ति केंद्र के 1169 बूथों पर 27003 लोगों ने मन की बात कार्यक्रम को सुना। जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय ने जारी विज्ञप्ति में बताया है कि मन की बात कार्यक्रम को मुख्य रूप से विधान परिषद सदस्य डाक्टर हरि ओम पाण्डेय,जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा,निवर्तमान जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी, पूर्व मंत्री धर्म राज निषाद,पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रकाश यादव,यमुना प्रसाद चतुर्वेदी,रमा शंकर सिंह,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा,भारती सिंह,पूर्व विधायक त्रिवेणी राम,अनीता कमल,पूर्व विधान सभा प्रत्याशी अवधेश द्विवेदी, ब्लॉक प्रमुख मौसम वर्मा,कुंवर संजय सिंह,जिला महामंत्री बाबा राम शब्द यादव,सुरेश कन्नौजिया,अमरेंद्र कांत सिंह,दिलीप पटेल देव सहित जिला पदाधिकारी,शक्तिकेंद् संयोजक बूथ अध्यक्ष शामिल रहे।

संक्षिप्त पुनरीक्षण विशेष अभियान 17 अक्टूबर से 30 नवंबर के मध्य चलाया जायेगा-जिला निर्वाचन अधिकारी

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण -2024 के सम्बन्ध में जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित किया गया। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अहर्ता दिनांक 01.01. 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त परीक्षण की विभिन्न गतिविधियों हेतु निम्नलिखित कार्यक्रम निर्धारित किया गया है- विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन दिनांक 17 अक्टूबर 2023, दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 17 अक्टूबर से 30 नवंबर 2023, विशेष अभियान की तिथियां 28 अक्टूबर, 29 अक्टूबर ,4 नवंबर ,5 नवंबर, 25 नवंबर, 26 नवंबर 2023, दावे और आपत्तियों का निस्तारण 26 दिसंबर 2023, निर्वाचन नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 5 जनवरी 2024 को निर्धारित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के मानक के अनुसार जनपद के जेण्डर रेशियो का मानक 976 है जबकि वर्तमान में जनपद का जेण्डर रेशियो 910 है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण - 2024 के दौरान जेण्डर रेशियो का बूथवार आंकलन कर लक्ष्य में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

भारत निर्वाचन आयोग के मानक के अनुसार जनपद का 18-19 ऐज कोहार्ट जनसंख्या के अनुसार 4.90त्न है। जबकि वर्तमान में मतदाताओं के सापेक्ष जनपद का ऐज कोहार्ट 1.24त्न है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण - 2024 के दौरान 18-19 आयु वर्ग के पात्र मतदाताओं के अधिक से अधिक फार्म-6 भरवाया जाय। ऐसे पात्र पुरुष / महिला मतदाता जो दिनांक 01.01.2024 को 18 वर्ष पूर्ण कर चुके / रहे हैं या छूट गये हैं और उनका नाम निर्वाचक नामावली में नहीं है। वह दिनांक 17.10.2023 से 30.11.2023 के मध्य अथवा विशेष अभियान की तिथियों में अधिक से अधिक फार्म एकत्रित कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाए।

पुनरीक्षण - 2024 के दौरान यदि विद्यमान निर्वाचक नामावली में सम्मिलित मृतक, अनुपस्थिति / स्थायी रूप से स्थानान्तरित व डुप्लीकेट नामों को चिन्हित कर अपमार्जन की कार्यवाही करायी जाय। सदानंद गुप्ता, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा की गई

अंबेडकरनगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा जनपद के कृषि विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ की गई। जिसमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अवशेष लाभार्थियों के ई-के0वाई0सी एव आधार सीडिंग (एन0पी0सी0आई0) करने का निर्देश दिया गया। जिसमें कृषि विभाग के कर्मचारियों द्वारा ई-के0वाई0सी 26397 के सापेक्ष 5922 एवं आधार सीडिंग (एन0पी0सी0आई0) 17076 के सापेक्ष 6095 की पूर्ति किया गया। तथा मृतको की संख्या 4035, बाहरी कृषकों की संख्या 6171 एवं अपात्र 589 पाया गया। अवशेष लक्ष्यों को 30 सितम्बर 2023 तक पूरा करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही अभिलेखों को उप कृषि निदेशक अम्बेडकरनगर कार्यालय में जमा किये जाने हेतु निर्देश दिया गया तथा उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया गया कि संकलित कर 30 सितम्बर 2023 को प्रस्तुत करें।

तीन दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव की सफलता के लिए किया हवन पूजन

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अंबेडकर नगर महोत्सव की तैयारी बैठक आयोजित किया गया।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी अपने ड्यूटी को ईमानदारी पूर्वक निभाते हुए अंबेडकर नगर महोत्सव कार्यक्रम सकुशल संपन्न कराए ।जिलाधिकारी महोदय द्वारा अंबेडकर नगर महोत्सव के संबंध में लगाई गई ड्यूटी में अधिकारियों से विभाग बिंदुवार चर्चा की गई और उनसे पूर्व में तैयारी के बारे में पूछा गया तथा आगे की तैयारी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया ।जनपद अम्बेडकरनगर में हवाई पट्टी पर 28 वाँ स्थापना दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय अंबेडकरनगर महोत्सव कार्यक्रम दिनांक 27, 28 व 29 सितंबर 2023 को आयोजित किया जा रहा। जिसके अंतर्गत प्रदेश और देश के प्रसिद्ध कलाकारों को आमंत्रित किया गया है।

दिनांक 27 सितंबर 2023 को कैलाश खेर बालीबुड पार्श्व गायक का कार्यक्रम किया जा रहा है साथ ही साथ स्कूली छात्र / छात्राओं द्वारा रंगोली प्रतियोगिता, मेंहदी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जायेगा ।

दिनांक 28 सितंबर 2023 को बॉलीवुड प्ले बैक सिंगर शबाब सबरी का कार्यक्रम किया जा रहा है तथा कवि सम्मेलन टीम विनीत चौहान (अलवर), शशिकांत यादव (देवाश), कमलेश राजहंस (सोनभद्र), अमन अक्षर (इंदौर), पंकज पलाश (शाजापुर), सुनील व्यास (मुम्बई), निधि गुप्ता कशिश (जबलपुर), सौरभ जायसवाल (लखनऊ), अभय निर्भीक संयोजक (अम्बेडकर नगर) द्वारा किया जाएगा, साथ ही साथ स्कूली छात्र / छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जायेगा ।

दिनांक 29 सितम्बर, 2023 को क्विज / डिवेट प्रतियोगिता / पोस्टर / स्लोगन / लोगो थीम / पेंटिग / सांस्कृतिक कार्यक्रम स्कूली छात्र / छात्राओं द्वारा किया जायेगा। साथ ही साथ दिनांक 29 सितंबर 2023 को भोजपुरी नाईट गायक पवन सिंह तथा बालीबुड नाईट सिंगर सोनाली ठाकुर का कार्यक्रम किया जा रहा है।

बच्चों के लिए झूले, स्टाल, लोकल स्टाल, श्री अन्न मिलेट्स, बच्चों का कार्यक्रम, मिनी मैराथन एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें, साथ ही साथ स्थानीय कलाकारों को भी मंच प्रदान किया जायेगा । अंबेडकर नगर महोत्सव के अवसर पर मा0 प्रभारी मंत्री श्री गिरीश चंद्र यादव का कार्यक्रम प्रस्तावित है। कार्यक्रम का समापन मुख्य सचिव महोदय की उपस्थिति में किया जाएगा। जनपद वासियों से अपील है कि अम्बेडकरनगर विकास महोत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम में अधिक से अधिक प्रतिभाग करें, जिससे आयोजित होने वाले वॉलीबुड कार्यक्रम, भोजपुरी कार्यक्रम, कवि सम्मेलन, स्थानीय कलाकारों तथा बच्चों द्वारा आयोजित कार्यक्रम को देख सकें तथा लगने वाले स्टालों का अवलोकन कर सकें। बैठक के दौरान डीएफओ प्रणव जैन, अपर जिलाधिकारी सदानंद गुप्ता, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, परियोजना निदेशक, जिला सूचना अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी तथा जनपद स्तरीय अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे। बैठक के पूर्व जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन की उपस्थिति में हवाई पट्टी पर अंबेडकर नगर महोत्सव कार्यक्रम सकुशल संपन्न कराने हेतु हवन पूजन किया गया।

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़्वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com